शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 25 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु. । वर्ष-6 । अंक-115

देश पूछता है कि क्या मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष पार्टी है?

फिर लीग के साथ 'मोहब्बत की दुकान' क्यों चलाती है 'धर्मनिरपेक्ष' कांग्रेस?

केरल में कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। विपक्षी गठबंधन अब गठबंधन न रह कर हठबंधन हो गया है। सब के अपने-अपने हठ हैं। केरल की सत्ताधारी पार्टी माकपा ने ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। राहुल गांधी के खिलाफ केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी शामिल हैं। सतह पर राहुल के विजयन के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी का मामला है, लेकिन तह में यह मनमुटाव तबसे है जब कांग्रेस ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से हाथ मिला लिया और उसके साथ ही गलबहियां लेकर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने सत्ताधारी लेफ्ट को बिल्कुल किनारे लगा कर यह सोचा कि मुस्लिम लीग के बूते वह अधिक सीटें जीत लेगी। कांग्रेस का मुस्लिम लीग के साथ जाना कांग्रेस की परम्परा और उसका संस्कार है जो जवाहर लाल नेहरू से मिला है। नेहरू ने ही 1947 में कांग्रेस-मुस्लिम लीग के रिश्ते की गांठ बांधी थी। खुद को दुर्घटनावश हिंदू (एक्सीडेंटल हिंदू) बताने वाले चाचा ने पाकिस्तान बनने के बाद भी मुस्लिम लीग के

'सिर तन से जुदा' की गंदी बोली का विरोध कभी कांग्रेसियों ने किया?

27 सदस्यों को भारत की संविधान सभा में काम करने दिया था। इनमें से कई 1950 में संविधान पर हस्ताक्षर करने के बाद ही पाकिस्तान गए। यह भारतीयों के साथ सीधा सीधा धोखा था।

मुस्लिम लीग के उक्त सदस्यों में से एक को उन सात सदस्यों में शामिल किया गया था, जिनकी कमेटी संविधान का मसौदा बना रही थी। जो मुस्लिम लीगी पाकिस्तान नहीं गए, उन्हें कांग्रेस में बड़े पद दिए गए। सरदार लुतफुर रहमान को एमएलए और सैयद जाफर इमाम और सैयद मजहर इमाम को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया। बेगम एजाज रसूल 1935 से ही मुस्लिम लीग की सदस्य थी और मुस्लिम लीग के

शुभ-लाभ सरोकार

टिकट पर ही संविधान सभा में चुनी गई थीं। 1950 में वे कांग्रेसी हो गईं। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। यह उस षड्यंत्र का हिस्सा था, जिसके तहत लड़ कर पाकिस्तान लेने और हंस कर हिंदुस्तान लेना

नेहरू और गांधी की भूलों पर कांग्रेस ने देश से क्यों नहीं मांगी माफी?

का प्लान रचा गया था।

विडंबना यह है कि जब कश्मीरी पंडितों ने अल्पसंख्यक संरक्षण अधिकारों को सुरक्षित करने में मदद के लिए नेहरू से सम्पर्क किया था, तब नेहरू ने कश्मीरी पंडितों को यह सलाह थी कि वे सांप्रदायिक मानसिकता वाले न बनें और नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हो जाएं। 1947 में जो मुस्लिम पाकिस्तान चले गए थे, उनके घर खाली पड़े हुए थे। लेकिन पाकिस्तान से आए हिंदू और सिख शरणार्थियों को वे खाली घर देने की बात आई तो नेहरू ने कहा, हम मुसलमानों के वापस आने का इंतजार करेंगे। इसी दौरान लगभग कई हजार मुस्लिम भोपाल नवाब के क्षेत्र में पहुंच गए थे, यह कहते हुए कि वे जहां जा रहे हैं वह भी पाकिस्तान ही है। लगभग यही स्थिति हैदराबाद में भी थी।

इसी तरह नेहरू ने हिंदुओं को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने बिहार के मुजफ्फरपुर में हिंसा नहीं रोकी तो उन पर वायुसेना बम गिराएगी। लेकिन जहां मुसलमान हिंसा कर रहे थे, उन्हें नेहरू ने कभी धमकी नहीं दी। 1947 के बाद नूंह में मेवातीस्तान की मांग उठाने वाले एक छुटभैये नेता को जब पंजाब के मुख्यमंत्री गोपीचंद भार्गव ने दिल्ली पुलिस से गिरफ्तार करवाया तो नेहरू ने सवाल उठाते हुए उन्हें पत्र लिखा था। उन्होंने गोपीचंद भार्गव को उस अलगाववादी के मदरसे और उसका बैंक खाता पुन: खोलने के लिए बाध्य किया था।

सरगुजा की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आतंकियों के मरने पर आंसू बहाने वाली कांग्रेस ने जनता का भरोसा खोया

सरगुजा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और नक्सली हिंसा दोनों को काबू में कर लिया है। प्रधानमंत्री कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं। ये आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाते हैं। ये देश की जनता का भरोसा खो चुके हैं।

पीएम मोदी ने कहा, भाजपा ने जब मुझे प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था, तब अंबिकापुर में ही आपने लाल किला बनाया था। कांग्रेस की टोली ने उस समय मुझ पर हमला बोल दिया था, बात का बवंडर बना दिया था। लेकिन मोदी लाल किले पर पहुंचा और राष्ट्र के नाम संदेश दिया। आज अंबिकापुर क्षेत्र फिर वही आशीर्वाद दे रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने कहा, कुछ महीने पहले

मैंने आपसे छत्तीसगढ़ से कांग्रेस का भ्रष्टाचारी पंजा हटाने के लिए आशीर्वाद मांगा था, आपने मेरी बात का मान रखा और भ्रष्टाचारी पंजे को प्रदेश से साफ कर दिया। आज आप सब के आशीर्वाद से सरगुजा की संतान, आदिवासी समाज की संतान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के सपने को साकार कर रहा है।पीएम मोदी ने कहा, जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया में बैठी कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया, तो कुछ ताकतों का खेल बिगड़ जाएगा।

कुछ ताकतें भारत में कांग्रेस-इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहती हैं

धर्म आधारित आरक्षण संविधान और बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान है

अगर भारत आत्मनिर्भर बन गया, तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वो भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। कांग्रेस ने जनता का भरोसा खो दिया है। कांग्रेस, हिंसा फैलाने वालों का समर्थन कर रही है, उन्हें शहीद बता रही है। इसी कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता, आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाती हैं। ऐसी ही करतूतों के कारण कांग्रेस देश का भरोसा खो चुकी है।पीएम ने कहा कि वर्षों पहले, कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रयास किया था। फिर कांग्रेस ने इसे पूरे देश में लागू करने की योजना बनाई।

सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडेय ने कहा

स्वदेशी रक्षा उत्पाद में देश हासिल कर रहा नए मुकाम

देश में बन रहे हल्के वाहनों से लेकर बुलेट प्रूफ जैकेट तक लगातार अपने रक्षा बेड़े को मजबूत करता जा रहा है भारत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत लगातार अपने रक्षा बेड़े को मजबूत कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने की कोशिशों में लगातार सफलताएं मिल रही हैं। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सफलता की एक और नई इबारत लिखी है। उसने देश की अबतक की सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट बनाई है। दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडेय ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आधुनिकता और आत्मनिर्भरता का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना हल्के वाहनों और बुलेट प्रूफ जैकेटों सहित तमाम उपकरण स्वदेशी उपक्रमों से खरीद रही है। इतना ही नहीं, स्वदेश निर्मित नाइट विजन उपकरणों के माध्यम से भारतीय सैनिकों की रात में लड़ने की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है और संचार प्रणालियों में भी सुधार किया जा रहा है।

नई बैलिस्टिक मिसाइल का कामयाब परीक्षण

अब्दुल कलाम द्वीप, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षा के क्षेत्र में भारत लगातार नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है। नए-नए प्रक्षेपास्त्रों का लगातार परीक्षण हो रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को एक नई बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण स्ट्रैटिजिक फोर्स कमांड के तत्वाधान अब्दुल कलाम द्वीप पर किया गया। परीक्षण कामयाब रहा और मिसाइल ने सटीक टार्गेट को नष्ट कर दिया। इस मिसाइल की मारक क्षमता 250 किलोमीटर तक है, जिसके दायरे में आने वाले सभी टार्गेट को मिसाइल ध्वस्त कर सकती है। मिसाइल को सुखोई 30 एमकेआई से लॉन्च किया गया।

चुनावी बॉन्ड प्रकरण : सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

नेता और कॉरपोरेट साठगांठ की एसआईटी जांच हो

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में चुनावी बॉन्ड की जांच से जुड़ी के लिए एक याचिका दायर की गई है। याचिका में इलेक्टोरल बॉन्ड्स (चुनावी बॉन्ड्स) के माध्यम से कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच परस्पर साठगांठ के कथित उदाहरणों की जांच एक विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग की गई है। याचिका में अधिकारियों को शेल कंपनियों और घाटे में चल रही कंपनियों की ओर से विभिन्न राजनीतिक दलों को मिलने वाले वित्त पोषण के स्रोत की जांच करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉन्ड डेटा के जरिए जिन तथ्यों का खुलासा किया गया है, उनकी विस्तृत जांच कराई जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में कहा गया है कि यदि जांच में यह पता चले कि कंपनियों की ओर से राजनीतिक दलों को दी गई राशि अपराध के जरिए अर्जित की गई है, तो उसे विभिन्न पार्टियों से वसूली का निर्देश भी अधिकारियों को दिया जाना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तराखंड में लागू होगा यूसीसी

देहरादून, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तराखंड में समान नागरिक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू कर दिया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड में स्थानीय निकाय चुनाव से पहले और लोकसभा चुनाव आचार संहिता खत्म होते ही राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू कर दिया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और शासन-प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

लोकसभा चुनाव होने के बाद राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की नियमावली के लिए बनाई गई कमेटी का कामकाज तेज हो गया है। ये कमेटी पूर्व मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में बनाई गई है। कमेटी की पहली प्राथमिकता कॉमन सिविल कोड के वेब पोर्टल को तैयार करना है जो मई माह के पहले

हफ्ते तक प्रयोग के तौर पर तैयार हो जाएगा। जिसमें उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू करने के लिए जरूरी नियमावली दर्ज की जाएगी। यानि, सम्पूर्ण कानून का मौजूदा उसमें समाहित किया जाएगा। यह काम जून में पूरा किया जाना है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी का मानना है कि आम चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के तत्काल बाद संबंधित कमेटी सरकार को नियमावली सौंप दे। ताकि आगे स्थानीय निकाय चुनाव में यह मुद्दा एक बार फिर से सरकार की उपलब्धियों में गिना जाए।

उत्तराखंड विधानसभा से 7 फरवरी को यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक पारित होने के बाद सरकार ने इसे लागू करने की नियमावली पर काम शुरू कर दिया था।

इसके लिए पूर्व मुख्य सचिव और यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तय करने वाली कमेटी के सदस्य शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। यह विधेयक राष्ट्रपति द्वारा मंजूर किया जा चुका है। भाजपा ने भी इसे अपने राष्ट्रीय संकल्प पत्र में शामिल कर लिया है। स्पष्ट है कि मोदी सरकार सत्ता में आने के बाद पूरे देश में इसे लागू करेगी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,250/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,150/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 23^0

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कसा शिकंजा

...तो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भाग रहे नक्सली

खुफिया एजेंसी ने जारी किए छह फरार नक्सलियों के नाम

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का दौर शुरू हुआ तो नक्सलियों के बीच भगदड़ मच गई। नक्सलियों के शीर्ष से लेकर मध्यम दर्जे के कमांडर अपने सिर छुपाने की जगह तलाशने के क्रम में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जंगलों की तरफ भाग रहे हैं। कई नक्सलियों के सरेंडर करने की भी खबरें आ रही हैं।

उल्लेखनीय है कि नक्सली संगठन भारत की कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सरकार से सशर्त वार्ता के लिए तैयार थी। लेकिन सरकार ने साफ-साफ कह दिया था कि चुनाव के दरम्यान कोई गड़बड़ी हुई और आम जन, नेता या व्यापारी नक्सलियों का निशाना बना तो नक्सलियों के खिलाफ सीधी एक्शन होगा। खुफिया तंत्र लगातार यह सूचना देता रहा कि नक्सली संगठन लोकसभा चुनाव के दरम्यान गड़बड़ी फैलाने की तैयारियां कर रहे हैं और सुरंगें और आईईडी बिछाने का काम हो रहा है। सुरक्षा बलों ने कई जगह आईईडी विस्फोटक बरामद भी किए। यह भितरघाती गतिविधि नक्सलियों के लिए काल बनकर आई। देखते ही देखते बस्तर के जंगल से उनका सफाया शुरू हो गया। नक्सलियों के पास अब जंगल से भागने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा।

छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में नक्सली गतिविधियों पर सरकार सख्त है। इन राज्य सरकारों का कहना है कि अब नक्सलवाद समाप्त करने का समय आ गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से हरी झंडी मिल चुकी है। यही कारण है कि पिछले दिनों मुठभेड़ में दर्जनों नक्सलियों के मारे जाने के बाद नक्सली संगठन बैकफुट पर आ गए हैं और इनामी नक्सली कमांडर तक राज्य से पलायन करने या सरकार के समक्ष सरेंडर के लिए मजबूर हो गए हैं। खुफिया एजेंसियां उन छह बड़े इनामी नक्सलियों का सुराग तलाशने में लगी हैं, जो छत्तीसगढ़ से भाग कर आंध्र प्रदेश की सीमा में घुस गए हैं। उनके शहरी संरक्षक उनके सरेंडर की कोशिश में लगे हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान से ठीक दो दिन पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने बस्तर संभाग के कांकेर जिले के हिदूर और कलपर के जंगलों में 29 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया। मरने वाले नक्सलियों में शीर्ष नक्सली कमांडर शंकर राव, ललिता, माधवी और राजू जैसे लाखों रुपए के इनामी नक्सली शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में करीब सौ दिनों के अंदर 63 मुठभेड़ हुई, जिसमें 54 नक्सलियों के शव, 77 हथियार और 135 विस्फोटक बरामद किए गए हैं। 304 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। 165 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सल गतिविधियों से जुड़े 26 गंभीर प्रकरण एनआईए को सौंपे गए हैं। बीते 4 महीने में 24 अग्रिम सुरक्षा शिविरों की स्थापना की गई है।

निकट भविष्य में 29 नए आधार शिविरों की स्थापना प्रस्तावित है। स्थानीय अधिकारी भी बताते हैं कि पिछले तीन महीने में बस्तर के अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने अब तक 90 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है।

कार्टून कॉर्नर

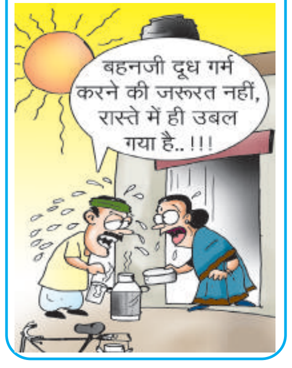

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,852.94
+114.49 +0.16% ↑

एनएसई :22,402.40
34.40 (0.15%) ↑

हनुमान जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नेरघट्टा रोड स्थित रांका कॉलोनी में श्री सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्व-ावधान में सालासर बालाजी मंदिर निर्माण भूखंड पर मंगलवार को श्री हनुमान जन्म महोत्सव का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया गया। सर्व प्रथम संजय शाह ने परिवार सहित सालासर बालाजी महाराज का विधिवत पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भागवत प्रवाहक पण्डित मुरारी दाधीच ने संगीतमय सुंदरकांड का वाचन किया। तत्पश्चात सूरत से पधारे गायक किशन शर्मा व उपेंद्र पांडिया राजगढ़ ने भजनों की प्रस्तुति से भगवान गणेश को मनाते हुए मनावा रिझावा लाड लडावा गणपति ने प्रथम मनावा, गुरुदेव शरण में हूँ थारी मन थारो भरोसो है भारी, बाबा सालासर छोड़कर म्हर आंगण आया है, स्वागत करो भक्ति भाव स्यु, भीख दया चरणों की देदो में लौट जाऊंगा, झालर शंख नगाड़ा बाजे रे सालासर के मन्दिर हनुमान बिराजे रे, की भजन प्रस्तुति पर भक्त झूम झूम कर नाचने लगे। गायक कलाकारों का समिति के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, संजय शाह, उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने सम्मान किया। महोत्सव में बड़ी संख्या में भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा की अखण्ड ज्योत के दर्शन कर भव्य दरबार में भजनों का भरपूर आनन्द लिया। इस अवसर पर सचिव मनित सोमानी, कोषाध्यक्ष विक्रम अग्रवाल, रतन कुमार कंदोई, महेश गोयल, सुरेंद्र लाल गोयल, व ट्रस्ट के ट्रस्टी और आजीवन सदस्यों के अलावा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर परिवार सहित हाजरी लगाई।

चैत्र पूनम मेला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवपदजी ओली के समापन दिवस चैत्र पूनम पर दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे मध्ये चैत्र पूनम मेला का आयोजन किया गया। चिक्कमंगलूरु निवासी मंजुदेवी, लालचंद भंसाली परिवार ने मेले का संपूर्ण लाभ लेकर संघ का आयोजन किया।

प्रात: भक्तांबर पाठ के पश्चात पार्श्व इक्तिसा गुरु एवं भैरव चालीसा कर आस्था के भावनाओं में श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर नाच उठे। विधिकारक जिगनेश गुरु ने पार्श्व भैरव महापूजन पढ़ाई तो सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा एवं हेमा कोठारी ने सुरो की धार से भक्ति रस गंगा बहाई। लाभार्थी परिवारों द्वारा छप्पन भोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण कर तेल चढाया गया। मेले के साक्षी बने आसपास क्षेत्रों के साथ स्थानीय भक्त सैकड़ों की संख्या में उप-स्थित रहे। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने लाभार्थी परिवार का शाल माला से सम्मान किया।

इस वर्ष दक्षिण कन्नड़ में वर्षा में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले साल की तुलना में, विशेष रूप से पिछले तीन महीनों में, दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में काफी अधिक वर्षा हुई है। सामान्य 28 मिमी के बजाय, जिले में 62 मिमी बारिश हुई, जो वर्षा में 118 प्रतिशत वृद्धि का संकेत देती है।

पिछले साल जिले में लगभग 94 मिमी बारिश की कमी का सामना करना पड़ा था। इस साल जनवरी में जहां कुछ बारिश हुई, वहीं फरवरी और मार्च में हल्की बारिश ही हुई। 2022 में, इसी अवधि के दौरान, जिले में सामान्य 99 मिमी के बजाय केवल 96 मिमी वर्षा हुई। 2023 में अपेक्षित 15.3 मिमी के बजाय मात्र 0.9 मिमी बारिश हुई। हालाँकि, इस वर्ष बढ़ी हुई वर्षा ने समस्या का समाधान कर दिया है। ग्रीष्मकालीन वर्षा का आगमन, जो पिछले वर्ष अनुपस्थित था, एक सकारात्मक विकास है। मार्च में डीके के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश देखी गई है और अप्रैल में भी बारिश की उम्मीद है। इससे न केवल वातावरण ठंडा होता है बल्कि पीने के लिए पानी भी मिलता है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक ए डी प्रसाद का अनुमान है कि इस साल कर्नाटक के सभी हिस्सों में गरज और बिजली के साथ बारिश होगी। अत्यधिक तापमान के कारण स्थानीय बादल बनते हैं, जिससे वर्षा होती है और बढ़ते तापमान के साथ वर्षा की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है। दक्षिण कन्नड़ जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल के विपरीत, इस साल जिले को बारिश की कमी का सामना नहीं करना पड़ा है। 2022 में गर्मियों की बारिश के दौरान दो से तीन चक्रवातों के कारण बाढ़ आई। हालाँकि, 2023 में स्थिति अनुकूल नहीं थी। इस साल अधिक प्री-मॉनसून बारिश का अनुमान है।

भाजपा एमएलसी का पद छोड़ने के बाद केपी नंजुंदी कांग्रेस में हुए शामिल

शिवकुमार ने किया स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता केपी नंजुंदी, जिन्होंने अपनी एमएलसी सीट छोड़ दी और मंगलवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया था, बुधवार को केपीसीसी कार्यालय में अपने अनुयायियों के साथ पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा नेता केपी नंजुंदी, जो विश्वकर्मा के पिछड़ा वर्ग समुदाय से हैं, बिना शर्त कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

केपीसीसी प्रमुख डीके शिवकुमार ने नेता का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि यह केपी नंजुंदी के लिए घर वापसी है क्योंकि वह पहले कांग्रेस पार्टी में थे। उन्हें पिछड़ा वर्ग समुदाय का सबसे लोकप्रिय नेता माना जाता है, शायद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बाद। शिवकुमार ने कहा कि केपी नंजुंदी के शामिल होने से बेंगलूरु ग्रामीण और अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं को बहुत मजबूत संदेश जाता है क्योंकि नंजुंदी अपने संगठनात्मक कौशल के लिए जाने जाते हैं और लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। केपीसीसी प्रमुख ने कहा कि वह केपी नंजुंदी को कांग्रेस पार्टी में लौटने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे। यहां तक कि एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कहा था कि उनके पार्टी में दोबारा शामिल होने से बड़ा बढ़ावा मिलेगा। विश्वकर्मा समुदाय सुनार के रूप में अपने काम के लिए जाना जाता है। केपी नंजुंदी ने मुझे बताया था कि जब 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधान मंत्री बने, तो सोने की कीमतें लगभग 2,800 रुपये प्रति ग्राम थीं और अब यह 7,500 रुपये प्रति ग्राम तक पहुंच गई हैं और अभी भी बढ़ रही हैं। शिवकुमार ने कहा, सुनारों का जीवन बहुत दयनीय है क्योंकि समुदाय को काम नहीं मिलता है।

शिवकुमार ने कहा कि भाजपा के पूर्व एमएलसी केपी नंजुंदी ने चुनाव प्रचार के लिए केरल जाने से पहले बुधवार सुबह बेंगलूरु में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि केपी नंजुंदी ने प्रियंका गांधी को गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक के लाखों जमाकर्ताओं की पीड़ा के बारे में बताया था। 3 लाख से अधिक जमाकर्ताओं ने अपनी जीवन भर की कमाई खो दी है और 200 से अधिक व्यक्तियों ने आत्महत्या कर ली है। केपी नंजुंदी जब भाजपा में थे तो उन्होंने असहाय जमाकर्ताओं के हितों के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसने जांच को सीबीआई को सौंपने का वादा किया था। लेकिन भाजपा, जिसने 10 साल तक राज्य और दिल्ली की सत्ता पर शासन किया, ने कुछ नहीं किया।

जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करेगी

जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए क्योंकि इसमें बड़े और प्रभावशाली भाजपा नेता शामिल हैं। भाजपा ने अपने वादे तोड़ दिए हैं और कांग्रेस पार्टी ने मामले को सीबीआई को सौंपने का वादा किया है। नंजुंदी ने कहा कि प्रियंका गांधी ने उन्हें यह सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है कि कांग्रेस सरकार कार्रवाई करेगी और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करेगी। शिवकुमार, जो उपमुख्यमंत्री भी हैं, ने कहा कि कांग्रेस नेता ने उन्हें चुनाव के बाद मामले को आगे बढ़ाने की सलाह दी है और सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी।

नेहा के हत्यारे को सीआईडी पुलिस हिरासत में लेगी

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार द्वारा नेहा हिरेमठ हत्या मामले को सीआईडी को सौंपने के बाद धारवाड़ की सेंट्रल जेल में बंद हत्यारे फैयाज को सीआईडी पुलिस हिरासत में लेगी। पता चला है कि सीआईडी अधिकारियों ने फैयाज को अपनी हिरासत में सौंपने के लिए हुब्बल्ली जिला सत्र न्यायालय में एक आ-वेदन दायर किया है। अधिकारी अदालत का आदेश मिलने के बाद धारवाड़ सेंट्रल जेल आएंगे और फैयाज को अपनी हिरासत में ले लेंगे। इसके बाद कहा जा रहा है कि ऐसी संभावना है कि फैयाज को बीवीबी कॉलेज में उस जगह ले जाया जाएगा जहां नेहा की हत्या की गई।

नवयुग नवपथ घोषणापत्र में

महत्वपूर्ण बदलाव लाने के उद्देश्य से नौ प्रमुख विशेषताएं शामिल: ब्रिजेश चौटा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सांसद उम्मीदवार कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने कहा कि नवयुग नवपथ घोषणापत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के उद्देश्य से नौ प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। दक्षिण कन्नड़ को संभावनाओं का महासागर बताते हुए, चौटा ने इसके प्रचुर संसाधनों और अवसरों का दोहन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बुधवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, घोषणापत्र मुख्य रूप से परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, ग्रामीण समुदायों को बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान करने, उद्योग के विकास को बढ़ावा देने, पूंजी निवेश को आकर्षित करने, स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर बनाने पर केंद्रित है। एक पर्यटन स्थल के रूप में जिले की स्थिति को मान्यता देते हुए, घो-षणापत्र में जिले के सुंदर समुद्र तटों और ऐतिहासिक मंदिरों का लाभ उठाते हुए युवाओं के लिए उद्यमशीलता के रास्ते विकसित करने का वादा किया गया है। इसके अलावा, यह तुलुनाडु की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण और प्रचार पर जोर देता है। इसके अतिरिक्त, घोषणापत्र तटीय जिले में मछली पकड़ने और खेती क्षेत्रों को समर्थन देने के महत्व को रेखांकित करता है। साथ ही तटीय विकास और संरक्षण प्रयासों को भी प्राथमिकता देता है। हमारी योजना मंदिर पर्यटन को विकसित करने, तुलु विरासत अनुभव केंद्र स्थापित करने, एक फिल्म सिटी बनाने, मत्स्य पालन कॉलेज को एक विश्वविद्यालय में अपग्रेड करने और इसे अनुसंधान के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की है। इसके अतिरिक्त, हमारा लक्ष्य जिले को एक खेल केंद्र के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा तटरक्षक अकादमी जैसी रणनीतिक पहल के साथ, हम जिले की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए तैयार हैं। चौटा ने प्रगति में तेजी लाने के लिए चल रही परियोजनाओं को तुरंत पूरा करने के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा तटरक्षक अकादमी एक प्राथमिकता है और हम इसे समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दक्षिण कन्नड़ को सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील माने जाने की चिंताओं के जवाब में कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने इस बात पर जोर दिया कि यह जिले के लोगों के लिए स्वाभिमान का मामला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि धारणा वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करती है और किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए सही कथा स्थापित करने का वचन दिया।

लोगों को बदलाव की उम्मीद

33 साल बाद कांग्रेस फिर से हासिल करेगी डीके: पद्मराज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला कांग्रेस के सांसद उम्मीदवार पद्मराज आर ने कहा चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है। मुझे जिले के सांसद उम्मीदवार के रूप में नियुक्त करने में उनके अटूट समर्थन के लिए मैं कांग्रेस के सभी राष्ट्रीय, राज्य और जिला नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं। बुधवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मैंने हमेशा नफरत न फैलाने के महत्व पर जोर दिया है। आज, जब हम अभियान के लिए घर-घर जाते हैं और लोगों के प्यार, स्नेह, विश्वास और अपे-क्षाओं को देखते हैं, तो हमें विश्वास है कि हम जिले में भाजपा के किले को तोड़ देंगे, जो 33 वर्षों से खड़ा है। भाजपा ने चुनावों के दौरान कभी भी विकास पर ध्यान केंद्रित नहीं किया है।

इसके बजाय, उन्होंने भड़काऊ भाषणों के माध्यम से नफरत का प्रचार किया, गलत सूचना फैलाई और जाति और धर्म के आधार पर संघर्ष को बढ़ावा दिया। इस बार, लोग बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं, और कांग्रेस 33 साल बाद जिले में सत्ता हासिल करेगी। भाजपा जानती है कि वे विकास के नाम पर जीत नहीं सकते। 1991 के बाद से, वे धर्म और जाति के नाम पर संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसके कारण कई युवाओं को जेल जाना पड़ा और उनके परिवारों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा लोग 1991 के बाद से उन्हें मौके देते रहे, लेकिन कोई बदलाव नहीं हुआ। इस बार बीजेपी हिंदुत्व और मोदी के नाम पर चुनाव का सामना कर रही है। ए

क हिंदू के रूप में, मुझे अपने धर्म से प्यार करना और अन्य धर्मों का भी सम्मान करना सिखाया गया है। हमारे पास कई बुनियादी ढांचे हैं, हवाई अड्डा, बंदरगाह, सड़क, रेलवे, लेकिन जब विकास की बात आती है, तो जिले ने भाजपा सांसद के तहत प्रगति नहीं की है। हमारे पास अपनी संस्कृति, हिल स्टेशनों और कई अन्य आकर्षणों के माध्यम से पर्यटन को विकसित करने के लिए बहुत सारे अवसर और क्षमताएं हैं। मेंगलूरु एक ऐसी जगह है जहां हम मुंबई की तरह शहर को 20 घंटे तक खुला रखने के लिए योग्य हैं। हालांकि, भाजपा नफरत फैला रही है और इस जिले को सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बना रही है।

हम इसे वास्तविकता नहीं बना सके, जिससे कई निवेशकों को पीछे हटना पड़ा और रोजगार सृजन में बाधा उत्पन्न हुई। हमें इस स्थिति को सुधारने और मेंगलूरु के गौरव को बहाल करने की आवश्यकता है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जो युवा अपने माता-पिता से अलग होकर मेंगलूरु से दूर काम कर रहे हैं, उन्हें नौकरी के अवसर पैदा करके और निवेशकों को आमंत्रित करके वापस लाया जाए। उन्होंने कहा हमें यह भी विश्वास है कि कांग्रेस केंद्रीय स्तर पर सत्ता हासिल करेगी और इसमें कोई संदेह नहीं है कि कांग्रेस 33 साल बाद दक्षिण कन्नड़ में सत्ता में वापस आएगी।

सूचना फैलाना भाजपा की आदत

जब पद्मराज आर से उनके नाम के साथ 'पूजारी' उपनाम जोड़ने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा गलत सूचना फैलाना भाजपा की आदत रही है। उन्होंने मेरे नाम के बारे में भी गलत सूचना फैलाई, यह दावा करते हुए कि मैं बिलावा समुदाय से नहीं हूं। हालाँकि, मेरे स्कूल रिकॉर्ड में भी, मेरे नाम में उपनाम 'पूजारी' शामिल है। इस गलत सूचना के कारण मुझे अपना उपनाम 'पूजारी' जोड़ना पड़ा। नलिन के इस बयान पर कि कांग्रेस को बीजेपी का विकास देखने के लिए रात में दौरे की जरूरत है, पद्मराज ने कहा रात में दौरे की जरूरत नहीं है। दिन में भी हम विकास देख सकते हैं। बस राजमार्ग को देखो, और समझ जाओगे। हम सभी जानते हैं कि फ्लाईओवर को पूरा करने में सांसद को कितने साल लगे।

भाजपा ने जारी किया कांग्रेस डेंजर पोस्टर

कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद से तुष्टिकरण की राजनीति जारी: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण ने बुधवार को कहा कि जिस दिन से कांग्रेस पार्टी कर्नाटक राज्य में सत्ता में आई है, उसने तुष्टिकरण की राजनीति जारी रखी है। कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। भाजपा चुनाव मीडिया सेंटर में कांग्रेस सरकार के खिलाफ पोस्टर जारी करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने इस सरकार के तुष्टिकरण के साथ-साथ आतंकवादियों के प्रति नरम रवैये पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आज जारी हुआ कांग्रेस के खतरा पोस्टर में क्यूआर कोड दिया गया है और घटनाओं को देखा जा सकता है। हुब्बल्ली में नेहा हिरेमथ की हत्या की लव जिहाद से जुड़ी घटना, सीएम का बयान, गृह विभाग, कमिश्नर के व्यवहार को नेहा के माता-पिता और परिवार के लिए पीड़ा के रूप

में देखा जा सकता है। उन्होंने चिंता जताई कि ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि लड़कियों को कॉलेज जाना चाहिए या नहीं, पता नहीं। कैफे बम मामले को निजी मामला बताया गया था। आखिरकार आरोपियों का पता चल गया। उन्होंने बताया कि जब कुकर बम कांड में आतंकियों को पकड़ा गया था तो कांग्रेसियों ने कहा था कि उन्हें आतंकवादी मत कहो। जयश्रीराम बोलने वालों पर हमला हुआ, हनुमान चालीसा बोलने वालों पर हमला हुआ। मोदी के बारे में एक गाना गाने वाले पर हमला हुआ। उन्होंने इस सबके लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। विधायक सुरेश कुमार ने कहा मतदान से पहले कांग्रेस के घोषणा पत्र का अवलोकन कर लें। उन्होंने भारत संघ के विभिन्न दलों के रुख पर भी गौर करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कांग्रेस और इस गठबंधन के साथी भारत में क्या गति ला सकते हैं, यह उनके बयानों से पता चलेगा। कांग्रेस का घोषणापत्र जारी करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि हम जनगणना कराएंगे और देश की आबादी के हिसाब से संपत्ति का बंटवारा करेंगे। उन्होंने आपत्ति जताई कि आज यह मानसिकता आ गई है कि जिन्होंने मेहनत की है उनका पैसा भी उन लोगों को बांट दिया जाएगा जिन्होंने मेहनत नहीं की है। वह केवल अपनी मां के लिए एक घर और अपने लिए दिल्ली में एक घर चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पता नहीं यह धन का बंटवारा है या नहीं। उन्होंने शिकायत की कि यह कांग्रेस के भीतर पैदा हुई माओवादी मानसिकता है। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र रंगप्पा, अशोक गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश उपस्थित थे।

जय श्रीराम का नारा लगाने वाले एक शख्स पर हमला

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।
यहां श्री रामनगर में मंगलवार रात समुदाय विशेष के लगभग 20 युवकों के एक समूह ने जय श्री राम का नारा लगाने वाले एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। कुमार राठौड़, जिन पर हमला हुआ था, वर्तमान में गंगावती तालुक अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज चल रहा है। कुमार राठौड़ ने मंगलवार रात एक बार में शराब पीते समय जय श्रीराम का नारा लगाया। इसी दौरान समुदाय विशेष के एक युवक ने विरोध किया। जिसको लेकर दोनों के बीच लड़ाई हो गई। कुछ मिनट बाद जब कुमार राठौड़ बार से बाहर आए, तो उन्हें लगभग 30 लोगों ने रोक कर धमकी दी और बंजारा समुदाय के बारे में जातिगत गालियां देते हुए उन पर हमला किया।

स्थानीय लोगों ने जय श्री राम का नारा लगाने वाले शख्स पर हमले की जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार कुमार राठौड़ शराब के आदी हैं। एक बार में गिलास में पानी डालते समय उन्होंने जय श्रीराम का नारा लगाया। उन्होंने नारे इसलिए लगाए क्योंकि उस दिन हनुमान जयंती थी। इसी दौरान वहां मौजूद एक समुदाय विशेष के युवक ने इस पर आपत्ति जताई। बाद में स्थानीय लोगों ने लड़ाई रोकी और कुमार राठौड़ को घर ले गये। हालांकि बाद में पेट दर्द के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य में सांप्रदायिक और धार्मिक झगड़े बढ़ रहे हैं, हाल ही में रामनवमी के दौरान बेंगलूरु में जयश्रीराम के नारे लगाने वालों पर हमला किया गया था। अब यह घटना गंगावती के श्री राम नगर में घटी।

आपके विश्वास को धोखा नहीं दिया जाएगा: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि रामनगर जिले के लोगों ने कांग्रेस को जो वोट दिया, वह व्यर्थ नहीं जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आपके विश्वास को धोखा नहीं दिया जाएगा। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार डीके सुरेश की ओर से रामनगर जिले के हारोहल्ली में प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि मैं लोगों के विश्वास के अनुसार सेवा करूंगा। हम डीके सुरेश को जिताएंगे और हारोहल्ली को कनकपुरा की तरह ही विकसित करेंगे। उन्होंने राम के सेवक अंजनेय की तरह सेवा करने की कसम खाई। आप धोखा नहीं खाएंगे। उन्होंने भावुक होकर कहा कि अगर मैं मर भी जाऊं तो मेरा शरीर कनकपुरा ही जाएगा। इस दौरान आसपास जुटे लोगों ने हाथ उठाकर अपना समर्थन जताया। डीके शिवकुमार ने अपने निजी फोटोग्राफर से कहा कि इन सभी बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

उडुपी-चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र में मतदान की तैयारी पूरी: डीसी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी-चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र में 405 सूक्ष्म मतदान केंद्र हैं, जिनमें उडुपी में 203 और चिक्कमगलूरु में 202 हैं। इन सभी मतदान केंद्रों पर सीएपीएफ की एक टीम को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, 1,270 मतदान केंद्रों के लिए वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। यह जानकारी उपायुक्त (डीसी) और जिला चुनाव अधिकारी डॉ विद्याकुमारी ने दी। उन्होंने कहा आयोग के दिल्ली और बेंगलूरु कार्यालयों में सभी गतिविधियों का निरीक्षण किया जाएगा। हमने जिले-व्यापी चुनावों के लिए आवश्यक तैयारी की है। नेजारू, हलादी और कुंडापुर में अतिरिक्त चेक पोस्ट खोले गए हैं। 1,270 मतदान केंद्रों के लिए सीएपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान केंद्रों पर 1,459 माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं, और 18

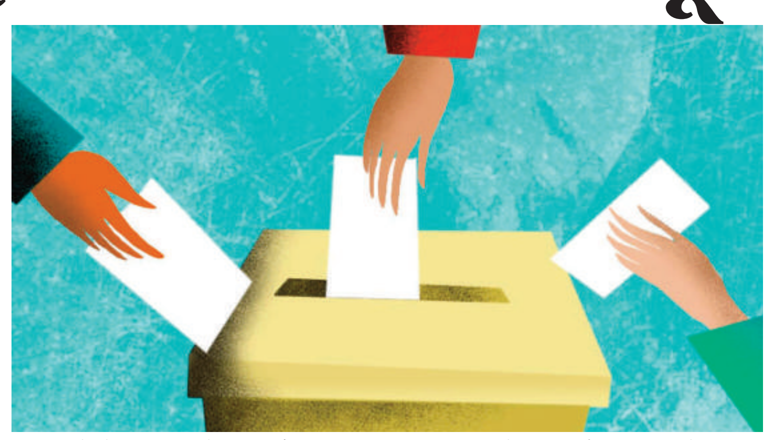

मतदान केंद्रों पर वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम स्थापित किए गए हैं। 97 प्रतिशत घरों में मतदाता पर्चियाँ वितरित की जा चुकी हैं। हालाँकि मोबाइल फोन के माध्यम से मतदाता पर्चियाँ प्राप्त करने का विकल्प है, लेकिन उन्हें मतदान केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं है, जिससे भौतिक पर्ची आवश्यक हो जाती है। पीआरओ, एपीआरओ और पीओ सहित कुल 4,120 अधिकारी, कर्मचारी तैनात किए गए हैं। संग्रहण कक्षों के लिए विशेष सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। खुला चुनाव प्रचार 24 अप्रैल को शाम 6 बजे समाप्त हो गया। लागू प्रतिबंध के कारण 25 अप्रैल को घर-घर जाकर प्रचार के लिए एक समूह में 5 से अधिक लोग इकट्ठा नहीं हो सकते। 25 अप्रैल की सुबह मतदान प्रक्रिया शुरू होगी। दोपहर के भोजन के बाद, कर्मचारी ईवीएम के साथ अपने मतदान केंद्रों पर जाएंगे। सभी वाहन जीपीएस ट्रैकिंग से लैस हैं। 260 बसों और सामान्य वाहनों के साथ-साथ 162 सेक्टर अधिकारियों के वाहन होंगे। एक अतिरिक्त ईवीएम उपलब्ध करायी जायेगी। चुनाव के दिन, कर्मचारी/अधिकारी उडुपी में सभी वोटिंग मशीनों के साथ मस्टरिंग सेंटर पर आएंगे। अगले दिन चिक्कमगलूरु से ईवीएम आएंगी। अब तक, 94.67 लाख की शराब, 1.10 लाख की दवाएं, टी-शर्ट, पैंट और सैप उपकरण सहित 3.68 लाख रुपये की वस्तुएं जब्त की गई हैं। हेजमाडी और शिरूर चेक पोस्ट पर 14.92 लाख रुपये नकद जब्त किए गए।

मिस्टर अडानी के एजेंडे पर विश्वास न करें: सुरजेवाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस सांसद और महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बुधवार को बेंगलूरु में पत्रकारों को संबोधित किया और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा की टिप्पणी पर टिप्पणी करते हुए लोगों से मिस्टर अडानी के एजेंडे पर विश्वास नहीं करने का आग्रह किया।

हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान सैम पित्रोदा ने कहा था कि अमेरिका में विरासत कर एक दिलचस्प कानून है और यह ऐसे मुद्दे हो सकते हैं जिन पर लोग बहस और चर्चा कर सकते हैं।

अमेरिका में, एक विरासत कर है। यदि किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है, तो वह केवल 45 प्रतिशत अपने बच्चों को हस्तांतरित कर सकता है और 55 प्रतिशत सरकार को जाता है। यह एक दिलचस्प कानून है। हालाँकि, इन टिप्पणियों पर भाजपा के कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा और उनके प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस लोगों की गाढ़ी कमाई के कर भुगतान वाले संसाधनों को हड़पना चाहती है।

नफरत और दुश्मनी भारत के लिए खतरे का संकेत: हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने संविधान की शपथ लेकर राग, द्वेष और ईर्ष्या के बिना शासन करने की शपथ लेने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि नफरत और दुश्मनी भारत के लिए खतरे का संकेत है। नरेंद्र मोदी धर्मों के बीच नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास और भाईचारे से रहने वाले भारतीयों के बीच नफरत का बीज बो रहे हैं। भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री ने इतनी खुलकर, इतनी निर्लज्जता से, इतनी वीभत्सता से बात की है। चुनावी हार को देखते हुए, भारत के बहुलवाद का इस्तेमाल अपनी सत्ता की प्यास के लिए किया जा रहा है। मतदाता ऐसे जोखिमों पर बारीकी

से ध्यान दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र से विचलित होकर नफरत का बीज बोने के लिए आलोचना की जा रही है क्योंकि उनके पास आरोप लगाने के लिए कोई हथियार नहीं बचा है। मोदी ने पूरे महिला समुदाय का अपमान किया है और देश की महिलाओं से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। अगर चुनाव आयोग वाकई निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है तो नरेंद्र मोदी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि उन्हें चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किया जाए।

सिद्धरामैया की सत्ता आते ही राज्य में राष्ट्रविरोधी ताकतों का होता है उदय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने आरोप लगाया कि जब भी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सत्ता में आते हैं, राज्य में राष्ट्रविरोधी ताकतों का उदय होता है। वह एमसीए की छात्रा नेहा हीरेमथ के लिए न्याय की मांग करते हुए यहां फ्रीडम पार्क में पार्टी की महिला मोर्चा के मोमबत्ती की रोशनी में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही थीं, जिसे कथित तौर पर हुब्बल्ली में उसके ठुकराए प्रेमी ने बेरहमी से चाकू मार दिया था।

करंदलाजे ने कहा कि नेहा की हत्या से राज्य के साथ-साथ देश में सभी की आंखें खुलनी चाहिए। जब भी और जहां भी कांग्रेस सत्ता में होती है, विरोधी ताकतें ऐसे ही आगे आती हैं। उन्होंने कहा (जेल

से) रिहा होने के बाद, इन तत्वों ने नए जोश के साथ कर्नाटक में लव जिहाद को बढ़ावा दिया। परिणामस्वरूप, राज्य में नेहा की भयानक हत्या हुई, जिस पर दर्जनों से अधिक बार चाकू से वार किया गया, जिससे उसकी तुरंत मौत हो गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीति हमेशा समाज के एक वर्ग को खुश करने की रही है।

हम आसानी से याद कर सकते हैं कि मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धरामैया के पहले कार्यकाल में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े राष्ट्र-विरोधी लोगों की रिहाई हुई थी। रुद्रेश और प्रवीण नेट्टारू जैसे हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं की नृशंस हत्या के लिए वही तत्व जिम्मेदार थे।

कर्नाटक में बड़े चुनाव उल्लंघनों के 189 मामले दर्ज: चुनाव आयोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैसा कि कर्नाटक 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए तैयार है, चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा कि बेंगलूरु ग्रामीण और मैसूरु निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों को वेबकास्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तक, आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के तहत बड़े उल्लंघनों के लिए राजनीतिक दलों या उम्मीदवारों के खिलाफ कुल 189 मामले दर्ज किए गए हैं। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीना ने कहा कि 14 निर्वाचन क्षेत्रों के 30,602 मतदान केंद्रों पर 1.4 लाख मतदान अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे, जहां शुक्रवार को पहले चरण में मतदान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि उनके अलावा, इन मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के लिए 5,000 माइक्रो पर्यवेक्षक, 50,000 नागरिक पुलिस कर्मी, केंद्रीय संसदीय बल की 65 कंपनियां और अन्य राज्यों के राज्य सशस्त्र पुलिस बल भी तैनात किए जाएंगे। बेंगलूरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र के सभी 2,829 मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्ट किया जाएगा। यह हमारे रिटर्निंग अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के अनुरोध के अनुसार है।

इसलिए हमने बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के लिए दोगुने से अधिक केंद्रीय संसदीय बल दिए हैं। 22 अप्रैल से निर्वाचन क्षेत्रों में अर्धसैनिक बलों को शामिल किया गया है। पहले चरण में मतदान का सामना करने वाले 14 खंड हैं जिसमें उडुपी-चिक्कमगलूरु, हासन, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, मांड्या, मैसूरु, चामराजनगर, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु उत्तर, बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु दक्षिण, चिक्कबल्लापुर और कोलार शामिल हैं। इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 2,88,19,342 मतदाता हैं, जिसमें 1,44,28,099 पुरुष, 1,43,88,176 महिला और 3,067 तृतीय लिंग है।

श्रीमंगला के पास मुख्य सड़क पर घूमता नजर आया हाथी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के श्रीमंगला के पास मुख्य सड़क पर एक हाथी को चलते हुए देखा गया। उसके बाद राज्य वन विभाग द्वारा एक वीडियो साझा किया गया। दक्षिणी राज्य में मानव-पशु संघर्ष एक गंभीर समस्या रही है, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कर्नाटक में हर हफ्ते ऐसे संघर्षों के कारण औसतन एक व्यक्ति की मौत हो जाती है। इनमें से अधिकांश संघर्ष बन्नेरघट्टा, चामराजनगर, मैसूरु, कोडागु और हासन से लेकर चिक्कमगलूरु बेल्ट

जैसे क्षेत्रों से रिपोर्ट किए जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार, पिछले दस वर्षों में मानव-पशु संघर्ष में 600 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश मौतें हाथियों के कारण हुईं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इसे अपनी सरकार के सामने एक ज्वलंत मुद्दा करार दिया है और नवीनतम राज्य बजट में, कांग्रेस नेता ने जंगलों के पास के क्षेत्रों में स्थित लोगों और फसलों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की रूपरेखा तैयार की है। साथ ही वन्यजीव संरक्षण पर भी जोर दिया है। 2024-25 के लिए वन विभाग के वन्यजीव विंग को आवंटित कुल बजट लगभग 151 करोड़ रुपये है, जो वन्यजीवों से संबंधित सभी कार्यों के लिए है, जिसमें अकेले रेलवे बैरिकेड्स के निर्माण के लिए 60 करोड़ रुपये शामिल हैं, जो मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के प्रमुख निवारक उपायों में से एक है।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार थमा

12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर कल होगा मतदान

वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की होगी अग्निपरीक्षा

तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर भी चुनाव होना था, लेकिन बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उम्मीदवार के निधन के बाद अब इस सीट पर चुनाव सात मई को तीसरे चरण में होगा।

इन सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। इस चरण में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ- आठ , मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर, मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान होगा। मत सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जायेंगे और मतगणना चार जून को होगी।निर्वाचन आयोग के अनुसार इस चरण के लिये 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिये कई रैली और रोड शो किये। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी सक्रिय रूप से प्रचार किया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने जमकर चुनाव प्रचार किया।

कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी , प्रियंका गांधी , कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उप-मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तथा पार्टी के दिग्गज नेताओं ने भी जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया। दूसरे चरण की हाई प्रोफाइल सीटों में जहां वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अग्निपरीक्षा होगी, वहीं तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। राजस्थान के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों के भाग्य का फैसला भी जनता 26 अप्रैल को ही तय करेगी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टिकट दिया है। कर्नाटक की मान्ड्या लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी की साख दांव पर है। कुमारस्वामी की पार्टी जनता दल (सेक्युलर) का भाजपा के साथ गठबंधन हैं। केरल की तिरुअनंतपुरम सीट भी चर्चा में है, जहां से केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर से है। राजस्थान की जोधपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कोटा से तीसरी बार चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। मथुरा सीट से हेमा मालिनी और मेरठ सीट से धारावाहिक रामायण का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।

33 दिनों में साढ़े चार लाख पर्यटक आए, रिकॉर्ड टूटा

ट्यूलिप गार्डन ने खूबसूरती बिखेरने के बाद कहा, अलविदा

शुभ लाभ ब्यूरो
जम्मू, 24 अप्रैल।

एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन ने 33 दिनों तक अपनी खूबसूरती बिखेरने के बाद पर्यटकों को अलविदा बोल दिया है। मौसम में गर्मी के अहसास के कारण मुरझा रहे फूलों के कारण फ्लोरीकल्चर विभाग के निदेशक ने इसको आज से बंद करने का आदेश जारी किया था। 33 दिनों के भीतर आने वालों ने इस बार नया रिकॉर्ड कायम किया। कुल 4.25 लाख पर्यटकों की आमद ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के प्रतिष्ठित ट्यूलिप गार्डन ने आज जनता के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। यह निर्णय ट्यूलिप ब्लूम सीजन के अंत के बाद लिया गया है। 2007 में अपने उद्घाटन के बाद से ट्यूलिप गार्डन दर्शनीय स्थान के रूप में उभरा। यह 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है और जबरवान पहाड़ियों की पृष्ठभूमि में ट्यूलिप और अन्य वनस्पतियों की एक जीवंत श्रृंखला प्रदर्शित करता है।

गर्मी में बगीचे को किसी भी नुकसान से बचाने के लिए गार्डन को बंद किया गया है। अस्थायी रूप से बंद होने के बावजूद ट्यूलिप गार्डन श्रीनगर के पर्यटन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है, इसके दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए इसकी निरंतर सफलता की आशा है। गार्डन तैयार करने में लगभग 6 महीने का समय लगा था और गार्डन के खुलने से पहले ही बड़ी योजना बना ली गई थी। लगभग 500 बागवानों और कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत करके जनता के लिए इस उद्यान को तैयार किया था। पर्यटक बड़ी संख्या में यहां आए और खूबसूरत नजारों का भरपूर आनंद लिया। पिछले साल 3.75 लाख पर्यटक ट्यूलिप गार्डन देखने आए थे। इस बार यह आंकड़ा 4.25 लाख चला गया। हरियाणा से आए पर्यटक संदीप और राजा चौधरी ने कहा, हमने अपनी यात्रा की योजना ट्यूलिप के खिलने के साथ बनाई थी। यह एक शानदार अनुभव रहा और मैंने अपने जीवन में ट्यूलिप के इतने खूबसूरत और इतने विविध रंग कभी नहीं देखे थे। अब तक हमने उन्हें केवल टीवी पर देखा था और अब उन्हें जीवंत देखा।

कश्मीर की नई पहचान ट्यूलिप गार्डन में आने वालों का सैलाब इन 33 दिनों में कभी नहीं थमा।

इस सैलाब का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले साल की तुलना में इस बार प्रतिदिन 3 हजार पर्यटक ज्यादा आ रहे थे। गार्डन विभाग के उप निदेशक इखलास शायिक का कहना था कि इस बार ट्यूलिप गार्डन में हर वक्त पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ लगी रही। शायिक ने कहा, इस बार विदेशी पर्यटकों की आमद भी अधिक रही।शायिक ने कहा, हम इस साल बगीचे में अधिक पर्यटकों के आने की उम्मीद कर रहे थे और यह सपना पूरा हुआ।

कांग्रेस मेहनत से कमाया धन छीनना चाहती है: यादव

सागर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों सहित हम सबका मेहनत से कमाया हुआ धन छीनना चाहती है। यह लोकतंत्र में कभी नहीं हो सकता। डॉ. यादव ने सागर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश और देश के 140 करोड़ लोगों की चिंता करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। वे भारत को मान-सम्मान दिलाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हनुमानजी का जीवन सदैव त्याग करने एवं दूसरों को देने के लिए रहा वैसे ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी अपना पूरा जीवन देश सेवा को समर्पित कर दिया। जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने अपने वेतन, भत्तों की राशि भी अपने कर्मचारियों के बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के लिए दान कर दी। उन्होंने अपने लिए कभी कुछ नहीं किया। जो भी वेतन, भत्तों की राशि आती है उसे अब गंगा मैया की सेवा में लगा रहे हैं। उन्होंने अपने लिए एक मकान तक नहीं बनाया, लेकिन देश के गरीबों को 4 करोड़ से अधिक आवास बनाकर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सागर की धरती पर भी एक ऐसे ही सर डॉ हरिसिंह गौर का जन्म हुआ था, जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति एक विश्वविद्यालय के लिए दे दी और आज उस विश्वविद्यालय का नाम पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग के लोगों से प्रेम करती है। हम गरीबों, आदिवासियों, मुसलमानों सभी से प्रेम करते हैं, तभी तो देश के सर्वोच्च पदों पर इन्हें बैठाते हैं।

केरल में नौ शक्तिशाली स्टील बम बरामद

कन्नूर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल में मट्टनूर के समीप कोलारी गांव में धान के खेत से पुलिस ने नौ शक्तिशाली स्टील बम बरामद किये हैं।

पुलिस ने बताया कि मंगलवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर मट्टनूर के कोलारी गाँव में की गयी छापेमारी के बाद धान की खेत से बम बरामद किये गये। बम दो प्लास्टिक की बाल्टियों में भरकर धान के खेत में रखे गए थे। घास काटने गई एक महिला ने बमों को देखा और उसने स्थानीय निवासियों को सूचित किया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचे और बमों को निष्क्रिय किया। राज्य में लोकसभा चुनाव सुरक्षा के मद्देनजर जिले के आसपास के इलाकों में भी छापेमारी की गयी।

कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय के कोटा विस्तार को लेकर चिंतित एनसीबीसी

बेंगलुरु, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पूरे मुस्लिम समुदाय को आरक्षण का लाभ देने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर चिंता व्यक्त की है। एनसीबीसी के मुताबिक मुस्लिम आबादी के भीतर कुछ जातियों और समुदायों के सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन को स्वीकार करते हुए आरक्षण श्रेणी में सभी मुसलमानों को शामिल करना सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों को कमजोर करता है।आयोग का तर्क है कि मुसलमानों को समग्र रूप से पिछड़े वर्गों के अंतर्गत वर्गीकृत करके, मुस्लिम समुदाय के भीतर विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच पिछड़ेपन की विविध आवश्यकताओं तथा स्तरों को नजरअंदाज कर दिया गया है। वर्तमान में कर्नाटक में आरक्षण प्रणाली में श्रेणी-1 के तहत 17 सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ी जातियां शामिल हैं, जबकि 19 जातियां श्रेणी ए-2 के अंतर्गत आती हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में हिंदू-बहुल वर्गों की सूची में मुसलमानों को श्रेणी-2बी में अलग से शामिल किया गया है।

आयोग के बयान में संभावित अन्याय पर जोर दिया गया है जो मुस्लिम आबादी के भीतर विभिन्न हाशिए पर मौजूद जातियों और समुदायों पर हो सकता है, विशेष रूप से शैक्षिक तथा सामाजिक रूप से पिछड़े के रूप में पहचाने जाने वाले लोगों पर। इसने अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए इन समुदायों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पहचानने और संबोधित करने के महत्व पर जोर दिया।

इसके अलावा आयोग ने विशेष रूप से स्थानीय निकाय चुनावों के संदर्भ में आरक्षण निर्णय के व्यापक प्रभावों के बारे में आशंका व्यक्त की। स्थानीय निकाय चुनावों में मुसलमानों सहित पिछड़े वर्गों के लिए आवंटित 32 प्रतिशत आरक्षण के साथ, विविध समुदायों के प्रतिनिधित्व पर प्रभाव के बारे में चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने ओबीसी आरक्षण का श्रेणीकरण इस तरह से किया है कि संपूर्ण मुसलमान समुदाय ओबीसी आरक्षण में आ गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से मुसलमान समुदाय को ओबीसी के अंतर्गत आरक्षण देने का आधार पूछा गया था जिसका राज्य सरकार से कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं मिला है।

विकसित भारत के लिए स्थिर, मजबूत और निर्णायक सरकार की जरुरत : नड्डा

भागलपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा ने आज यहां कहा कि विकसित भारत के लिए स्थिर, मजबूत और निर्णायक सरकार की जरुरत है और उनकी पार्टी एक बार फिर से देशवासियों के सहयोग से सरकार बनायेगी। श्री नड्डा ने बुधवार को भागलपुर में राजग प्रत्याशी अजय कुमार मंडल के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर पूरे देश में आमजन काफी उत्साहित हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चार सौ से अधिक के लक्ष्य को पूरा करने जा रही है। हमारा लक्ष्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का और इसको आगे बढ़ाना है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले दस सालों में मोदीजी के नेतृत्व में चाहे देश की राजनीति हो,चाहे प्रदेश की राजनीति हो, सब में बहुत बड़ा परिवर्तन आ गया है। आज देश के राजनीति की परिभाषा बदल गई है। एक समय था जब लोग कहते थे कि देश की राजनीति दूषित हो गई है। नेता स्वार्थी एवं भ्रष्टाचारी हो गये हैं। अब यहां कुछ नहीं बदलेगा और ऐसा ही चलेगा। लेकिन दस वर्षों में यह अंतर आ गया है कि आज एक साधारण लोग भी विकसित भारत के लिए साथ चलने के लिए तैयार है।आज लोग संकल्प लें रहे हैं कि भारत को आगे बढ़ाना है।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पहले यह चर्चा होती थी कि किस क्षेत्र में कौन सी जाति के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वह अगड़ी जाति से है या पिछड़ी से। लेकिन अब ऐसी धारणा खत्म हो चुकी है मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज विकासवाद की राजनीति हो रही है।

विकास के मानकों का पुन: मूल्यांकन करना होगा : मुर्मू

देहरादून, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वर्तमान के मानव केन्द्रित विकास काल खंड में विकास के साथ, साथ विनाशकारी परिणाम सामने आए हैं। संसाधनों के असंतुलित दोहन ने मानवता को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां विकास के मानकों का पुन: मूल्यांकन करना होगा। सुश्री मुर्मू ने बुधवार को यहां इन्दिरा वन अकादमी में वर्ष 2022 बैच के परिविक्षाधीन भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज यह समझना बहुत जरूरी है कि हम पृथ्वी के संसाधनों के मालिक नहीं हैं, बल्कि ट्रस्टी हैं। हमारी प्राथमिकताएं मानव केंद्रित होने के साथ-साथ प्रकृति केंद्रित भी होनी चाहिए। वस्तुत: प्रकृति केंद्रित होकर ही हम सही अर्थों में मानव केंद्रित हो सकेंगे।उन्होने इस बैच में शामिल सभी 10 महिला अधिकारियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि आप समाज के प्रगतिशील बदलाव की प्रतीक हैं, इसलिए आशा करती हूँ कि आने वाले समय में महिला अधिकारियों की संख्या और भी बढ़ेगी।

मणिपुर में आईईडी विस्फोट, इंफाल-माओ राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोकी गई

इंफाल, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट होने से इंफाल-माओ राजमार्ग का पुल क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गयी। पुलिस ने कहा कि इंफाल-माओ राजमार्ग पर आवाजाही पूरी तरह से रोक दी गई और पुल के दोनों ओर लगभग 200 वाहन फंसे हुए हैं।पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पुल में करीब तीन छेद हो गए। गौरतलब है कि तीन मई 2023 से अलग-अलग समय पर विभिन्न कुकी संगठनों द्वारा राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया गया है और मैतेई लोगों की आवाजाही रोक दी गई थी। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि धमाके के पीछे किसका हाथ है।यह विस्फोट जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में 26 अप्रैल को लोक सभा चुनाव के लिए दूसरे चरण में होने वाले मतदान से कुछ दिन पहले हुआ है। इससे पहले 16 अप्रैल को तामेंगलांग में तेल टैंकरों पर संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा गोलीबारी के बाद इंफाल से जिरीबाम राजमार्ग पर आवाजाही बाधित हुयी थी। मई 2023 में मणिपुर में संकट शुरू होने के बाद कांगपोकपी में हुआ विस्फोट वाहनों और लोगों की आवाजाही को रोकने के लिए बम विस्फोट की दूसरी घटना थी।इसके पहले 21 जून, 2023 को, संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले के क्वाक्टा में एक पुल पर आईईडी विस्फोट किया था, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे। इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने की थी और मुख्य साजिशकर्ता की पहचान सेमिनलुन गंगटे के रूप में की गई थी, जिसने विस्फोट की घटना को अंजाम देने के लिए मोहम्मद नूर हुसैन नामक व्यक्ति के साथ काम किया था।

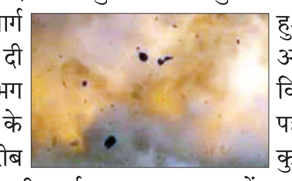

लद्दाख में जनता का आक्रोश और आंतरिक विद्रोह झेल रही भाजपा

सांसद नामग्याल को टिकट नहीं देने पर विद्रोह

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 अप्रैल।

लद्दाख में वादाखिलाफी के कारण भारी जनाक्रोश का सामना कर रही भारतीय जनता पार्टी को अब उस आंतरिक विद्रोह का सामना करना पड़ रहा। निवर्तमान भाजपा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने नया उम्मीदवार उतारे जाने के पार्टी के फैसले को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया है। चर्चा है कि भाजपा के निवर्तमान सांसद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे।

भाजपा ने नामग्याल का पत्ता काट कर एडवोकेट ताशी ग्यालसन को लद्दाख लोकसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार घोषित किया। लद्दाख में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। ग्यालसन लद्दाख के स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद में अध्यक्ष-सह-मुख्य कार्यकारी पार्षद हैं। ग्यालसन के नामांकन के कुछ ही घंटों बाद, निवर्तमान सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल पार्टी के फैसले पर अपनी असहमति और गुस्से के साथ सार्वजनिक हुए। उन्होंने कहा कि वह अगली कार्रवाई करने के लिए स्थिति का मूल्यांकन करेंगे। उनके कई समर्थकों ने उनके स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के विचार का समर्थन किया। नामग्याल ने कहा था, भाजपा ने पारदर्शी और सम्मोहक औचित्य प्रदान किए बिना मौजूदा सांसद की जगह लद्दाख संसदीय क्षेत्र के लिए एक नए उम्मीदवार की घोषणा की। एक समर्पित कार्यकर्ता के साथ हुए इस अन्याय के संबंध में मैंने उचित माध्यम से पार्टी नेतृत्व को अपनी असहमति बता दी है। पूरे लद्दाख से सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और मेरे समर्थकों ने भी इस फैसले पर अपनी असहमति व्यक्त की है। हम स्थिति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेंगे और लद्दाख के लोगों की भलाई को सबसे आगे रखते हुए अपनी अगली कार्रवाई का निर्धारण करेंगे। मैं सभी समर्थकों को उनके दृढ़ समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी ने नामग्याल के भाषण की सराहना की थी

अपने उपनाम जेटीएन से लोकप्रिय नामग्याल 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले का बचाव करने के लिए लोकसभा में अपने जोरदार भाषण से सुर्खियों में आए थे। 5 अगस्त 2019 की शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर नामग्याल के भाषण का वीडियो साझा किया था और प्रत्येक भारतीय को देखने के लिए कहा था। उसी प्रतिभाशाली नामग्याल को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने किनारे लगा दिया।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर से अलग होने और केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठन पर शुरुआती उत्साह के बाद, लद्दाख क्षेत्र केंद्र की नीतियों के खिलाफ असंतोष से उबल रहा है। व्यापक रूप से सम्मानित स्थानीय सुधारक और प्रर्वतक सोनम वांगचुक ने हाल ही में भारत के संविधान की छठी अनुसूची के रूप में लद्दाख क्षेत्र की संवैधानिक सुरक्षा की मांग करते हुए एक बड़े सार्वजनिक आंदोलन का नेतृत्व किया है। 2019 से एक केंद्र शासित प्रदेश, लद्दाख क्षेत्र स्थानीय रूप से लेह और कारगिल जिलों के लिए स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद द्वारा शासित है। लेह में काउंसिल का नेतृत्व ताशी ग्यालसन के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के पास है, जबकि करगिल में दूसरा काउंसिल नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन के तहत है।

मीडिया से मुखातिब हुए योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस की मंशा मुस्लिमों को आरक्षण देने की: योगी

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इनकी मंशा एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में डकैती डालने की है। सीएम योगी ने कहा कि यूपीए सरकार अपने शासनकाल में पूर्व चीफ जस्टिस एवं कांग्रेस सांसद रंगनाथ मिश्रा कमीशन सिफारिशों को लागू करना चाहती थी। बता दें कि रंगनाथ मिश्रा कमीशन के तहत ओबीसी को मिलने वाले 27 प्रतिशत आरक्षण में छह प्रतिशत अल्पसंख्यक समुदाय को देने की बात कही गई थी। सीएम योगी बुधवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पाटी कार्यालय में मीडिया सेंटर का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की मंशा एससी, एसटी के अधिकारों में भी घुसपैठ करने की है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण यूपीए सरकार में आई सच्चर कमेटी की रिपोर्ट है, जिसे भाजपा के भारी विरोध के कारण उन्हें वापस लेना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घोषणात्र में संपत्ति का सर्वे कराने की बात कर रही है। वे लोग उसके बाद संपत्ति का अपने अनुसार बंदरबांट करेंगे। यूपीए सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस बात का उल्लेख भी किया था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने देश में चार जातियों की बात की है, गरीब, किसान, युवा और महिला। इसमें किसी जाति, मत-मजहब की बात नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस को देश की कीमत पर येन केन प्रकारेण सत्ता चाहिए। वह महिलाओं पर बर्बर अत्याचार करने वाले तालिबानी प्रवृत्ति को भारत में लागू करना

चाहती है। ये लोग तीन तलाक का समर्थन करते हैं। कांग्रेस देश में शरीया कानून लागू करके तालीबानी विध्वंस की समर्थक है। उनके घोषणापत्र में आधी आबादी के अपमान के इरादे साफ दिखाई देते हैं। ये देश की सुरक्षा, संप्रभुता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिसमें कांग्रेस की मंशा स्पष्ट उजागर होती है। इसके कारण 1947 में देश का विभाजन हुआ, देश आतंकवाद और उग्रवाद की चपेट में आया। सभी संस्थाएं भ्रष्टाचार में डूब गई थीं। देश में अविश्वास का माहौल खड़ा हो गया था। कांग्रेस फिर से देश को उधर लेकर जाना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1970 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था। गरीबी नहीं हट पाई, क्योंकि उनके पास इसे लेकर कोई ठोस कार्यक्रम नहीं थे। उनके 19-20 सूत्री कार्यक्रम फाइलों में रह जाते थे। योजनाएं कमीशनखोरी की भेंट चढ़ जाते थे। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देने की प्रवृत्ति जो उस समय प्रारंभ हुई थी वो यूपीए के शासनकाल में हमें और विभत्स रूप में देखने को मिला था। 65 साल तक शासन करने के बाद भी उनका पॉलिटिक्स परफॉर्मेंस के आधार पर नहीं बन पाया। इनकी योजनाएं पिक एंड चूज की थीं, चेहरे देखकर योजनाओं का लाभ देने का कार्य किया जाता था। अब एक बार फिर दादी के दिये नारे को पोते के द्वारा किस प्रकार से तोता रटंत किया जा रहा है कि हम गरीबी हटाएंगे। ये कैसे करेंगे, इसे इनके घोषणा पत्र में देखा जा सकता है, ये खतरनाक भी है और हास्यास्पद भी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये जनता को तय करना है, क्योंकि देश आपका है, सुरक्षा आपकी है, जीवन आपका है और वोट भी आपका है। आपका एक वोट आतंकवाद के पुराने दौर को वापस ला सकता है। वहीं भाजपा को वोट जाने का मतलब आतंकवाद को सीमापार ही निपटाना।

भाजपा को मिलने वाला एक-एक वोट हर व्यक्ति की सुरक्षा, सुशासन और संप्रभुता को सुनिश्चित करता है। भारतीय जनता पार्टी भारत को विकसित भारत के रूप में स्थापित करने की संकल्पना को लेकर आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, मंत्री असीम अरुण, मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, महामंत्री अनूप गुप्ता, हरीश श्रीवास्तव, हिमांशु दुबे सहित अन्य लोग मौजूद थे।

18 दिन में 2 लाख घरों को मिलने लगा नल से जल

प्रदेश के सभी 2.65 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 50 लाख से ज्यादा शेष बचे घरों में नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत नए वित्तीय वर्ष के मात्र 18 दिनों में ही 2 लाख से अधिक घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है, जो पहले क्वार्टर के लिए दिए गए 5 लाख से अधिक के लक्ष्य के सापेक्ष 40 प्रतिशत है। उल्लेखनीय हैं की योगी सरकार प्रदेश के 2.65 करोड़ से ज्यादा घरों में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। इस क्रम में योजना की शुरुआत से लेकर 18 अप्रैल 2024 तक 2.17 करोड़ से ज्यादा घरों तक नल का कनेक्शन देने में सफलता मिली है, जबकि शेष 50 लाख घरों ने भी इस वित्तीय वर्ष में नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।2024-25 के एक्शन प्लान के अनुसार पहले क्वार्टर में 5.29 लाख कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित है, जबकि दूसरे क्वार्टर में भी 5.29 लाख से ज्यादा का लक्ष्य निर्धारित किया है। वहीं आखिरी दोनों क्वार्टर में शेष 40 लाख कनेक्शन का लक्ष्य है। इसके तहत तीसरे क्वार्टर में 10.5 लाख से ज्यादा का, जबकि चौथे और अंतिम क्वार्टर में करीब 30 लाख कनेक्शन दिए जाने हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के शुरुआती 18 दिनों में 2 लाख से ज्यादा कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे यह संभावना मजबूत होती दिख रही है कि सरकार लक्ष्य से पहले ही इसे हासिल कर लेगी। इससे पहले 2023-24 में 85 लाख कनेक्शन दिए जाने के लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष करीब 140 प्रतिशत या करीब 1.19 करोड़ कनेक्शन वितरित किए गए थे।

मतदान कर्मियों को फिर दी जाएगी हीट स्ट्रोक और मेडिकल किट

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में गर्मी के प्रकोप को देखते हुए लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण की 8 सीटों पर 26 अप्रैल को होने जा रहे मतदान के लिए मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक और मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ-साथ मतदान केंद्रों पर भी मतदान कर्मियों और मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान को सकुशल, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 25 अप्रैल (गुरुवार) को मतदेय स्थलों के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। उल्लेखनीय है कि दूसरे चरण में प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों में अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर (अ.जा.), अलीगढ़ और मथुरा में मतदान होना है। यह 8 लोकसभा सीटें प्रदेश के 9 जनपदों (अमरोहा, हापुड़, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ तथा मथुरा) के अंतर्गत आती हैं।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दूसरे चरण चरण की 8 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय से पोलिंग पार्टियों को रवाना करने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर मतदाताओं एवं मतदान कर्मियों के लिए जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पहले सभी मतदान कर्मियों को हीट स्ट्रोक से बचने और स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सके।

अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा प्रदेश भर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। सघन जांच के लिए 480 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1836 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 23 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 495 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए। 4553 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराए गए। शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत 25,32,068 लोगों को पाबंद किए जाने के लिए नोटिस दिया गया है, जिनमें से 20,61,166 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 7650 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 7753 कारतूस, 2900.32 किलोग्राम विस्फोटक व 411 बम बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 3153 केंद्रों पर रेड डाली गई और 148 केंद्रों को सीज किया गया। 23 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 249 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराया गया। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 36978 लोगों को पाबंद किया गया। साथ ही 105 बिना लाइसेंसी शस्त्र व 171 कारतूस बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 96 केंद्रों पर रेड डाली गई।

कन्नौज से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे अखिलेश यादव

कन्नौज, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सियासी सरगर्मियों के बीच सपा ने कन्नौज से प्रत्याशी बदल दिया है। अब पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं यहां से चुनाव लड़ेंगे। दो दिन पहले सोमवार को सपा प्रत्याशी के रूप में तेज प्रताप का नाम घोषित करने के बाद स्थानीय नेताओं में में निराशा और नाराजगी दिखने लगी थी। कार्यकर्ताओं की मांग पर दोपहर में संकेत देने के बाद शाम को अखिलेश यादव का नाम घोषित कर दिया गया है।

सपा के गढ़ की महत्वपूर्ण लोकसभा सीट कन्नौज से लगातार अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने की स्थानीय सपा नेता मांग कर रहे थे। लंबे समय से यहां के नेताओं और कार्यकर्ताओं को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लड़ने का आश्वासन भी देते आ रहे थे। इस बीच सोमवार को सपा ने कन्नौज से अखिलेश के यादव के भतीजे और मैनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह को टिकट दे दिया था।

इसके बाद से भाजपा ने जहां राहत की सांस ली थी, वहीं सपा नेताओं में नाराजगी और निराशा नजर आने लगी थी। वह लगातार सपा मुखिया से संपर्क करके उनसे लड़ने की मांग पर ही अड़े हुए थे। मंगलवार रात से जिले के ग्रुपों में उनके चुनाव लड़ने के संदेश भी वायरल होने लगे थे। इसे लेकर जब इटावा में जनसभा करने आए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से पत्रकारों ने सवाल पूछा था तो उन्होंने ऐतिहासिक जीत होने का दावा करते हुए खुद लड़ने का संकेत दिया था। इस बीच सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने भी अखिलेश के कन्नौज से चुनाव लड़ने की पुष्टि कर दी थी।

योगी की धुआंधार रैलियों ने ध्वस्त किए विपक्षियों के अरमान

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। बेतहाशा गर्मी भी योगी आदित्यनाथ के इरादों को तनिक भी न डिगा सकी। बिना रुके, बिना थके वे लगातार भारतीय जनता पार्टी और गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए धुआंधार जनसंवाद कर रहे हैं। 25 दिन में योगी आदित्यनाथ ने 67 से अधिक रैलियां, रोड शो, प्रबुद्ध सम्मेलन कर जनसंवाद साध लिया। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की सभी आठों सीटों पर उन्होंने कई-कई बार रैलियां, रोड शो, प्रबुद्ध सम्मेलन कर बता दिया कि 400 पार में 80 ही आधार बनेगा। साथ ही योगी आदित्यनाथ ने अब तक छह अन्य राज्यों में भी भगवा पताका फहराने के लिए प्रचार कर लिया है। पीएम मोदी के यूपी के सारथी योगी आदित्यनाथ ने मथुरा से प्रबुद्ध सम्मेलन कर अपनी चुनावी यात्रा का आगाज किया था तो दूसरे चरण में हनुमान जयंती के दिन श्रीराम के लिए आखिरी कार्यक्रम रोड शो का किया। यूपी व अन्य राज्यों में योगी की रैलियों से जहां एनडीए प्रत्याशियों को संजीवनी मिल रही है, वहीं विपक्षियों के अरमान ध्वस्त हो रहे हैं।दूसरे चरण का चुनाव 26 अप्रैल को है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश की कमान सौंपने का आह्वान योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च से प्रारंभ किया था। योगी आदित्यनाथ ने 27 मार्च को पहला प्रबुद्ध सम्मेलन मथुरा में किया। यहां से अभिनेत्री, सांसद व भाजपा की उम्मीदवार हेमा मालिनी के लिए योगी आदित्यनाथ ने प्रबुद्धजन से संवाद साधा तो दूसरे चरण का आखिरी प्रचार उन्होंने रामायण धारावाहिक के श्रीराम और मेरठ से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल के लिए किया। 23 अप्रैल को अरुण गोविल के रोड शो में योगी आदित्यनाथ को देखने मेरठ में बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक समाज की जबर्दस्त भीड़ उमड़ी। बागपत सीट से वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के सांसद सत्यपाल सिंह हैं। इस बार यह सीट गठबंधन के कारण लोकदल के खाते में गई। यहां से लोकदल के उम्मीदवार डॉ. राजकुमार सांगवान चुनाव मैदान में हैं।

25 दिन में 67 से अधिक रैलियां, रोड शो और प्रबुद्ध सम्मेलन

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के लिए योगी आदित्यनाथ ने जहां कई-कई बार धुआंधार प्रचार किया तो वहीं राजकुमार सांगवान के लिए भी योगी ने रात-दिन एक कर दिया। गठबंधन धर्म निभाते हुए योगी आदित्यनाथ ने राजकुमार सांगवान के पक्ष में दो जनसभा और एक विजय संकल्प रैली भी की।

साथ ही 31 मार्च को चौधरी चरण सिंह गौरव सम्मान समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मेरठ से बागपत वासियों से राजकुमार सांगवान को सदन भेजने की अपील भी की।दूसरे चरण की उत्तर प्रदेश की जिन आठ सीटों पर चुनाव होना है, उसमें से गाजियाबाद व मेरठ में इस बार भारतीय जनता पार्टी ने नए प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। गाजियाबाद से वर्तमान में जनरल वीके सिंह और मेरठ से राजेंद्र अग्रवाल सांसद हैं। भाजपा ने गाजियाबाद से विधायक अतुल गर्ग को मैदान में उतारा है तो मेरठ में अरुण गोविल उम्मीदवार हैं। इन दोनों के लिए योगी आदित्यनाथ ने कई बार आमजन से संवाद साधते हुए यहां भी कमल खिलाने की अपील की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यहां की कानून व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिए समृद्धि का पर्याय माना जाता है। 'बुलडोजर बाबा' के रूप में विख्यात योगी आदित्यनाथ को पूरे देश में लोगों का स्नेह प्राप्त होता है।

लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ अब तक महाराष्ट्र, जम्मू, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार व छत्तीसगढ़ में भी रैली कर चुके हैं। इनमें से छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव, महाराष्ट्र के वर्धा, राजस्थान के जोधपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व बाड़मेर सीटों पर 26 अप्रैल को चुनाव होगा।

हटाये गये पोस्टर बैनर व प्रचार सामग्री

बिना अनुमति के सभा व अन्य मामलों में 94 एफआईआर

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन में सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से 1,17,51,475 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। सार्वजनिक स्थानों से 71,57,735 तथा निजी स्थानों से 45,93,740 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी।

सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग 7,81,420, पोस्टर 33,19,983, बैनर 20,19,431 एवं अन्य 10,36,901 मामलों में कार्यवाही की गयी। निजी स्थानों में वालराइटिंग 6,19,589, पोस्टर 21,09,873 बैनर 11,32,312 एवं अन्य 7,31,966 मामलों में कार्यवाही की गयी। वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग के 1275 मामलों में , लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 2192 मामलों में कार्यवाही की गयी।

बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 94 एफआईआर दर्ज, 06 एनसीआर सहित 100 प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

नरेन्द्र मोदी का बज रहा है डंका

100 में 80 प्रतिशत वोट हमारा : केशव प्रसाद

लखनऊ, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अमांपुर कासगंज में एटा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राजवीर सिंह के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2014 में मोदी की हवा थी, 2019 आंधी थी और अब 2024 में तूफान चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रोकने के लिए भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हुए लोगों ने गठबंधन बनाया है। जनता इनके गठबंधन की गांठ खोलने वाली है। देश की जनता ने सपा-बसपा मुक्त उत्तर प्रदेश, कांग्रेस मुक्त भारत देश का संकल्प लिया है। समाजवादी पार्टी को समाप्तवादी पार्टी बनाना है। उन्होंने नारा लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के अन्दर नरेन्द्र मोदी का बज रहा है डंका और सपा, बसपा, कांग्रेस की जल रही लंका।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस के लोगों का भ्रष्टाचारी व आपराधिक इतिहास किसी से छुपा नहीं है। सपा की गुंडागर्दी, अपराध, दंगाई और माफियाराज से मुक्ति के लिए जनता ने भाजपा को 2017 में आशीर्वाद दिया था। जिससे डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश को माफिया, गुण्डों व भ्रष्टाचारियों से मुक्त करके भयमुक्त वातावरण दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा-कांग्रेस सभी एक हो गए थे। गरीब मां-बाप के बेटे, पिछडे वर्ग से आने वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में विपक्ष को बर्दास्त नहीं कर पा रहा है।उन्होंने कहा कि 100 में 80 प्रतिशत वोट हमारा है। 20 में बंटवारा है और बंटवारे में भी हमारा है।श्री मौर्य ने कहा कि कांग्रेस के काले कारनामे उजागर हो रहे है।

सपा बसपा और कांग्रेस के लोग आम आदमी की गाढ़ी कमाई का आधा हिस्सा अपने खाते में जमा करना चाहते है।

अमित शाह ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है

वाराणसी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी ने काशी क्षेत्र में विकास के ढेर सारे काम किए हैं। उन्होंने काशी के गौरव को बढ़ाने का काम किया है।

पहले पूर्वांचल को चंबल माना जाता था, आज डबल इंजन की सरकार में पूर्वांचल माफिया मुक्त हो गया है। पीएम मोदी ने देश को परिवारवाद और भ्रष्टाचार से मुक्त किया है। महिलाओं व युवाओं को योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का काम पीएम मोदी ने किया है।

अमित शाह ने काशी के कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी को तीसरी बार प्रचंड जीत दिलाने की जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि 30 साल से मैं विधायक और सांसद रहा हूं, लेकिन मेरे सिर पर कभी भी नरेंद्र मोदी जितनी जिम्मेदारी नहीं रही। 100 साल के वरिष्ठ नागरिकता तक सबकी चिंता पीएम को है। गांव में रहने वाली गरीब माताओं से लेकर युवाओं के भविष्य व देश की सुरक्षा हर पहलू पर पीएम मोदी कार्य कर रहे हैं।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की लोकप्रियता 542 सांसदों में सबसे बेहतर है। किसी से उनका मुकाबला नहीं है। इतनी व्यस्तता के बावजूद सांसद बनने के बाद पीएम मोदी काशी दौरे पर आते हैं। हर बार काशीवासियों के लिए सौगातें लेकर आए हैं।

अपनाएं ये घरेलू उपाय नहीं महसूस होगी थकान

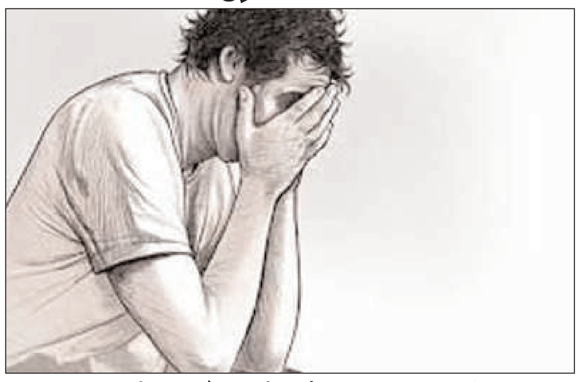

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान आम समस्या हो गई है लेकिन हर समस्या का हल होता है। अगर बिना वजह थकान महसूस हो रही है तो आप जीरे का सेवन कर सकते हैं।

अगर रोज गर्म जीरे की चाय या फिर भुना हुआ जीरा खाया जाए तो थकान दूर करने में मदद मिलती है। वहीं हल्दी भी इस मामले में काफी कारगर है। इससे न केवल हॉर्मोन्स नियमित होते हैं बल्कि इससे प्रतिरक्षा तंत्र भी मजबूत होता है। यह सभी प्रकार की बीमारियों के लिए फर्स्ट एड की तरह काम करता है।

गुग्गुल

इसमें तरोताजा करने का गुण होता है। यह खराब कॉलेस्ट्रॉल को कम करता है और हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही इसे लें।

अदरक

एक कप अदरक की चाय पिएं। इससे कुछ ही मिनटों में थकान दूर हो जाएगी। अदरक लेने से शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है और हॉर्मोनल इम्बैलंस दूर होता है।

आंवला

आंवले में विटामिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है। ये एड्रेनल ग्लैंड से तनाव को दूर करने वाले हॉर्मोन को स्रावित करने में सहायक होता है। अच्छे परिणामों के लिए रोज एक चम्मच आंवला पाउडर को गुनगुने पानी के साथ लें।

लहसुन

लहसुन में भी बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसका ऐंटी-इंफ्लेमेंट्री गुण इम्यून सिस्टम (प्रतिरक्षा तंत्र) को मजबूत बनाते हैं। इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए इसे कच्चा ही खाएं।

राई के दाने

राई के दानों में विटमिन ए, विटमिन सी, विटमिन के, केरोटीन व मिनरल्स पाए जाते हैं जो हिमोग्लोबिन को बढ़ाने का काम करते हैं।

अश्वगंधा

जहरीले करौंदे या जंगली चेरी के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे की जड़ों में बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं। यह एड्रेनल और थायरॉइड ग्लैंड्स के लिए फायदेमंद होता है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है। साथ ही यह हार्मोन्स के असंतुलन को भी नियमित करता है।

दालचीनी

रोज सुबह उठकर एक टी-स्पून दालचीनी के पाउडर को शहद और पानी के साथ लिया जाए तो इससे थकान से छुटकारा मिलता है। आपको कुछ ही सप्ताह में इसका प्रभाव दिखने लगेगा। अगर इसे तिल के तेल के साथ मिलाकर माथे पर लगाया जाए तो थकान के कारण होने वाले सिरदर्द से छुटकारा मिलता है।

हेल्थ टिप्स: बीमारियों बचना है तो हर दिन करें नींबू का सेवन

गएक नींबू का सेवन जरूर करना चाहिए। आयुर्वेद के जानकार डॉ. कृष्णा सिंह की माने तो धूप और गर्मी की वजह से शरीर से निकलने वाले पसीने की मात्रा को यह संतुलित रखता है। इसलिए खाली पेट में और खाने में एक नींबू का उपयोग जरूर करना चाहिए।

नींबू खाने के फायदे :

- » यह शरीर में पानी की मात्रा को संतुलित रखता है
- » गर्मियों में होने वाली त्वचा संबंधी बीमारी से भी बचाता है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।
- » गर्मी में पेट का इंफेक्शन काफी होता है। ऐसे में नींबू में पाए जाने वाला एंजाइम पेक्टिव फाइबर पेट संबंधी बीमारी को दूर करता है।
- » पसीना अधिक निकलने से चक्कर आना, घबराहट और थकान बड़ी समस्या बनी रहती है। नींबू इन समस्याओं से बचाता है।
- » पेशाब की समस्या भी गर्मी में बढ़ जाती है। ऐसे में नींबू का पानी पेशाब संबंधी बीमारी को दूर करने में मददगार साबित होता है।

ये तरीके आजमाएं, पिंपल्स को एक ही रात में दूर भगाएं!

पिंपल से लड़ने के लिए बेशक हम तमाम तरीके के प्रोडक्ट लगाते हैं, डॉक्टर के पास भी जाते हैं, लेकिन फिर भी पिंपल की समस्या अक्सर ज्यों की त्यों रहती है। जबकि हकीकत यह है कि पिंपल दूर भगाने के लिए प्राकृतिक और आसान तरीके मौजूद हैं। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि प्राकृतिक तरीकों से एक रात में ही पिंपल का सफाया किया जा सकता है। आइये इन तरीकों से रूबरू होते हैं।

बर्फ थैरेपी

अगर आपके घर में बर्फ का एक टुकड़ा मौजूद है तो पिम्पल होने पर दवाई लगाना और उसके हटने का इंतजार करना बेवकूफी है। जी, हां! बर्फ असल में पिम्पल की लालिमा को कम करता है, सूजन कम होती और जलन में भी कमी आती है। वास्तव में बर्फ लगाने से रक्तसंचार में वृद्धि होती है और रोमछिद्रों को भी प्रभावित करती है। बर्फ के जरिये पिम्पल के इर्द-गिर्द मौजूद गंदगी और तेल पूरी तरह निकल जाता है। आपको सिर्फ इतना करना है कि एक कपड़े में बर्फ के टुकड़े को लपेटना है और पिम्पल पर उसे कुछ सेकेंडों के लिए फेरना है। यही प्रक्रिया कुछ- कुछ मिनटों में दोहरानी है।

सफेद टूथपेस्ट

सफेद टूथपेस्ट काफी हद तक बर्फ ट्रीटमेंट की तरह काम करता है। सफेद टूथपेस्ट को तकरीबन एक घंटे के लिए पिम्पल पर लगाकर छोड़ दें, लेकिन यह ध्यान रखें कि आपका टूथपेस्ट जेलयुक्त न हो। पिम्पल हटाने के लिए सफेद टूथपेस्ट का ही इस्तेमाल करें। यह पिम्पल की सूजन कम करने में सहायक है।

लहसुन का चमत्कार

लहसुन पिम्पल को हटाने के लिए किसी चमत्कारिक उपचार से कम नहीं है। दरअसल लहसुन एंटीवायरल, एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटीऑक्सीडेंट है जो तेजी से घाव आदि को भरता है। यही नहीं पिम्पल को भी आसानी से ठीक करता है।

इसमें सल्फर भी पाया जाता है। यह भी त्वचा के लिए लाभदायक तत्व है। आपको सिर्फ इतना करना है कि लहसुन छीलकर उसे अपने पिम्पल पर लगाना है। 5 से 7 मिनट तक लहसुन लगाने के बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धोना है। आप इसी प्रक्रिया को एक घंटे बाद दोहरा सकते हैं।

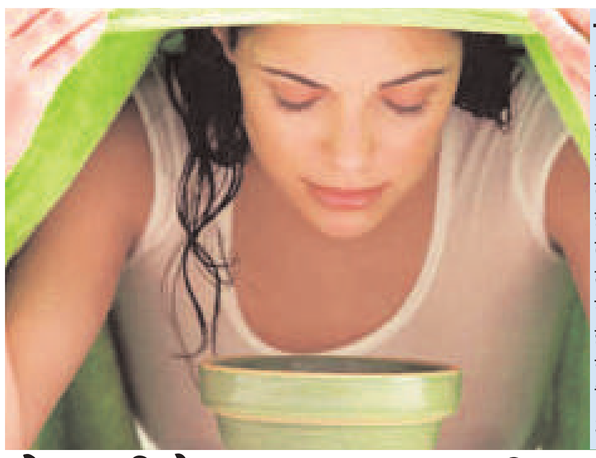

स्टीम उपचार

चेहरे की दमक के लिए स्टीम उपचार बेहद जरूरी है। यह न सिर्फ गंदगी हटाता है बल्कि चेहरे की त्वचा को मुलायम भी रखता है। दरअसल स्टीम उपचार के जरिये रोम छिद्र खुल जाते हैं। नतीजतन त्वचा को सांस लेने में आसानी होती है। स्टीम उपचार लेने से चेहरे में गंदगी नहीं जमती जिससे पिम्पल होने की आशंका में कमी आती है।

सेब युक्त सिरका

हालांकि यह हर घर में आसानी से पाया जाने वाला तत्व नहीं है, लेकिन जब बात पिम्पल की आती है तो यह पिम्पल हटाने के लिए पावरहाउस का काम करता है। सेब युक्त सिरका बैक्टीरिया को खत्म करता है और त्वचा के पीएच को संतुलित रखता है। चेहरे को अच्छी तरह धोने के बाद सेब युक्त सिरका में पानी मिलाकर एक किस्म का फेसवॉश बनाया जा सकता है। इसका इस्तेमाल चेहरे पर रूई के जरिये करें। इस पैक को दस मिनट तक चेहरे पर लगाए रखें। धोने के बाद अपने चेहरे का फर्क देखें।

अंडे का सफेद भाग

अंडे का सफेद भाग प्रोटीन से भरा हुआ होता है, जो कि कील-मुंहासों से लड़ने में सहायक है। अंडे का सफेद भाग आसानी से चेहरे के सभी दाग धब्बों को निकाल सकता है। इसके लिए आपको चाहिए कि तीन अंडे के सफेद भागों को एकत्रित करें। इसके बाद इन्हें अच्छी तरह मिक्स करें और कुछ क्षणों के लिए इन्हें अच्छे से मिक्स होने के लिए रख दें। अपने अंगुली से इस पेस्ट को पिम्पल पर लगाएं। जैसे ही पिम्पल पर लगा पेस्ट सूख जाता है, उसे धो दें। ऐसा नियमित चार बार करें। आखिर में पेस्ट को 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाए रखें। इसके बाद फर्क महसूस करें।

टमाटर का जादू

टमाटर तैलीय त्वचा के लिए सबसे सहायक पदार्थ है। इसमें लाइसोपीन नामक एंटीआक्सीडेंट होता है जो त्वचा की सुरक्षा करता है। यही नहीं टमाटर डैमेज त्वचा के लिए भी कारगर है। टमाटर में एंटीबैक्टीरियल तत्व भी मौजूद है जिससे ब्लैकहेड्स और चेहरे के कालेपन को खत्म किया जा सकता है। ताजे टमाटर से बने जूस को अपने चेहरे पर मास्क की तरह इस्तेमाल करें। उसके बाद एक घंटे बाद चेहरे को धो दें।

संतरे के छिलके

सबसे पहले अपने चेहरे को गर्म पानी से धोएं, ताकि चेहरे के छिद्र खुल सकें। इसके बाद संतरे के छिलके को पिम्पल पर लगाएं। ऐसा एक घंटे तक करते रहें। संतरे के छिलके में मौजूद विटामिन सी आपके पिम्पल को निकालने में मदद करेगा।

पपीता का कमाल

गर्म पानी से चेहरे को धोने के बाद चेहरे पर पपीता का मिक्सचर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरे को धोएं। इससे चेहरा मोएस्चराइज होता है साथ ही पिम्पल आने की आशंका भी कम होती है।

केले के छिलके

केला खाना जितना फायदेमंद है, उतना ही फायदेमंद केले का छिलका भी है। पिम्पल होने पर केले के छिलके को फेंके नहीं वरन चेहरे पर गोल गोल घुमाएं। जब आपको लगे कि केले के छिलके में मौजूद रैशे से चेहरा पूरी तरह भर चुका है तो वैसे ही चेहरे को 30 मिनट तक रहने दें। केले के छिलके से चेहरे पर पिम्पल से होने वाली जलन कम हो जाती है और चेहरा दमकता हुआ भी प्रतीत होता है। इतना ही नहीं केले के छिलके से स्वस्थ सेल भी पनपते हैं।

रक्त संचार बिगड़ने से कई बीमारियों का डर

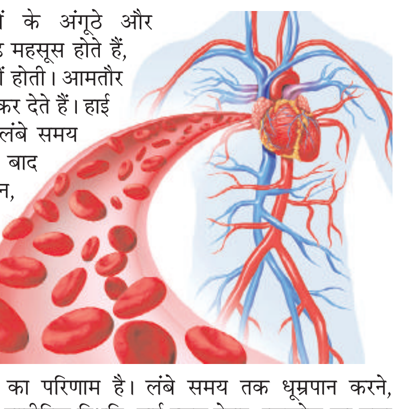

क्या आपके पैरों के अंगूठे और उंगलियां हमेशा ही ठंडे महसूस होते हैं, यह स्थिति सामान्य नहीं होती। आमतौर पर लोग इसे अनदेखा कर देते हैं। हाई हील्स के सैंडिल्स में लंबे समय तक खड़े रहने के बाद उंगलियों में ठंडापन, सूजन और स्पाइडर वेन्स की समस्या हो जाना क्या केवल महिलाओं को होने वाली समस्या या फिर यह खराब रक्तसंचार का परिणाम है। लंबे समय तक धूम्रपान करने, अत्यधिक वसा, खराब शारीरिक स्थिति, हाई ब्लड प्रेशर, ग्लूकोज का बड़ा हुआ स्तर और लिपिड का बड़ा हुआ स्तर धमनी के ब्लड वेसल्स को क्षतिग्रस्त करने का काम करते हैं। अनुवांशिकता की इसमें अहम भूमिका होती है। ऐसा रक्त संचार के सुचारू रूप से नहीं होने के कारण होता है।

लक्षण आते हैं नजर

यदि किसी का रक्तसंचार बेहतर नहीं होता तो उसके कुछ स्पष्ट लक्षण नजर आते हैं और इन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना अहम होता है

सुन्नपन - शरीर के किसी हिस्से के आखिरी सिरे पर कुछ मिनट के लिए सुन्नपन महसूस होता है। वैसे अधिकांश लोगों को इस तरह का अनुभव कभी न कभी तो होता है लेकिन जिन लोगों का रक्त संचार बेहतर नहीं होता, उनमें यह परेशानी बार-बार नजर आती है।

पाचन समस्या - सेहतमंद पाचन के लिए पेट तक बेहतर रक्तसंचार की आवश्यकता होती है। यदि रक्तसंचार सही तरीके से नहीं होता है तो उसका असर पाचन तंत्र पर पड़ता है और कब्जियत की भी शिकायत हो सकती है।

कमजोर नाखून - रक्त द्वारा शरीर में पोषक तत्वों का संचार होता है और यदि यह रक्तसंचार ही बेहतर न हो तो इस प्रक्रिया पर भी प्रभाव पड़ेगा। यदि आपके नाखून कमजोर, टूटते हुए हों तो इसका मतलब है कि रक्तसंचार सही तरीके से नहीं हो पा रहा है।

बालों का झड़ना- रक्तसंचार के बिगड़ने का प्रभाव बालों पर भी पड़ता है। कमजोर हेयर फॉलिकल्स इस बात के संकेत होते हैं कि आपको पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पा रहा है, जिससे कि स्वस्थ बालों का निर्माण हो सके।

रंगत बदलना - सफेद या नीले रंग की उंगलियां और अंगूठे कम तापमान के कारण होता है, जिसे साइनोसिस कहा जाता है। ऐसी परेशानी रक्तसंचार के सुचारू नहीं होने के कारण भी हो सकती है।

सूजन - विशेषज्ञों का कहना है कि पैरों और हाथों में सूजन इस बात का संकेत होता है कि संचार व्यवस्था अपने ऊपर भार को कम करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे कुछ मात्रा में फ्ल्यूड निकलता है, जिसे एडेमा कहा जाता है।

बोलने में लड़खड़ाहट - मस्तिष्क तक सही मात्रा में रक्त न पहुंचने के कारण बोलने में परेशानी होती है, खासकर जब लंबे समय से बैठे रहने के बाद एकदम से खड़े होते हैं।

सिरदर्द - यदि मस्तिष्क तक सही मात्रा में रक्त का संचार न हो सके तो उस स्थिति में सिरदर्द की परेशानी हो सकती है। अन्य समस्याओं के साथ बार-बार सिरदर्द की भी समस्या हो रही हो तो उस स्थिति में डॉक्टर से परामर्श लें।

रूखी त्वचा - बेहतर रक्तसंचार के बिना आपकी त्वचा नमी नहीं बनाए रख सकती है। सूखी और खुजलीदार त्वचा इस बात का संकेत देती है कि पर्याप्त मात्रा में पोषण नहीं मिल पा रहा है।

दस ऐसे कॉस्मेटिक जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं

खूबसूरत बनाने वाले कॉस्मेटिक में कई ऐसे रसायन होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए जानें ऐसे ही दस कॉस्मेटिक के बारे में।

कॉस्मेटिक के नुकसान

आजकल खूबसूरत दिखने के लिए हर कोई कॉस्मेटिक की मदद लेने में संकोच नहीं करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन कॉस्मेटिक के लगातार संपर्क में आने से त्वचा पर कई तरह के साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं। कई शोधों के मुताबिक इनके ज्यादा इस्तेमाल से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां होने का भी खतरा होता है। आइए जानें ऐसे 10 कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बारे में जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लिपस्टिक

ज्यादातर महिला होठों को खूबसूरत बनाने के लिए लिपस्टिक का प्रयोग करती हैं। लिपस्टिक में मौजूद रसायन आपके होठों को काला बनाने के साथ ही इसकी नमी चुरा लेते हैं। इसकी जगह अगर आप लिप बाम अपनाएं तो ज्यादा अच्छा रहेगा। लाल लिपस्टिक में रंग ज्यादा गाढ़ा करने के लिए लीड की ज्यादा मात्रा भी मिला दी जाती है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं।

मॉश्चराइजर

त्वचा में नमी बनाए रखने वाले मॉश्चरराइजर में ऐसे रसायन मिले होते हैं जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेते हैं। अधिकतर मॉश्चरराइजर में डिटर्जेंट जैसे कई केमिकल मिले होते है जो आपकी त्वचा को काफी नुकसाच पहुंचाने के लिए पर्याप्त होते हैं।

काजल: काजल का ज्यादा प्रयोग आंखों से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकता है। काजल में मौजूद रसायन का आंखों से संपर्क होने पर आंखों में जलन, खुजली या पानी आने की समस्या हो सकती है।

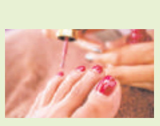

नेलपॉलिश: कभी अपने नाखूनों पर हमेशा नेलपॉलिश ना लगाएं। इससे नाखूनों की प्राकृतिक चमक खो जाती है। डार्क रंग की नेलपॉलिश आपके नाखूनों पर धब्बे छोड़ सकती है और उनमें पीलापन ला सकती है।

टेल्कम पाउडर: टेल्कम पाउडर में सिलिकेट्स टेल्क पड़ा हुआ होता है, जो न केवल एक रासायनिक तत्व है बल्कि इसमें कैंसर कर देने वाले तत्व भी मौजूद होते है। इसके ज्यादा इस्तेमाल से एलर्जी और फेफडों में सक्रंमण होने का खतरा रहता है। टेल्क, बॉडी से मॉइश्चर को सोख लेता है और उसे ग्लो करता हुआ बना देता है, जो नुकसानदायक होता है।

ब्लीच क्रीम: ब्लीच क्रीम में रसायन होते है जो आपकी त्वचा की नमी को सोख लेते हैं और चेहरे की स्कीन में आने वाले ऑयल को भी सोख लेती है, वैसे यह ऑयल भी चेहरे पर आना जरूरी होता है। चेहरे पर आने ऑयल से त्वचा की नरमी बरकरार रहती है और झुर्रिया जल्दी नहीं होती है। इसके ज्यादा प्रयोग से बचें।

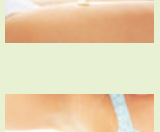

वैक्स: वैक्सिंग का उपयोग अनचाहे बालों को हटाने के लिए किया जाता है। लेकिन इसका उपयोग करने वाले विकसित बाल, लाल दाग व हल्की ब्लीडिंग जैसी समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं।

हेयर कलर और हेयर डाई

सफेद बालों को छिपाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले हेयर कलर और डाई में मौजूद रसायन आंखों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, जलन होना, लाल चकत्ते होना, खुजली होना, चेहरे पर सूजन आ जाना और सांस सम्बंधी समस्या होना।

डियोड्रेंट्स

आपको पसीने की बदबू से निजात दिलाने वाले डियोड्रन्ट्स त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शोध के मुताबिक, डिओडेंट्स में ऐसे कई रसायन मौजूद होते है जो आपकी त्वचा और शरीर को नुकसान पहुंचाते है। वास्तव में, डियोड्रेंट्स में एल्कोहल होता है जिसकी वजह से त्वचा में जलन और खुजली होती है।

न नहाने से शरीर पर होने वाले बदलाव

शाम को नियमित रूप से नहाने की आदत हैं लेकिन सर्दियों के आते ही उसको लगने लगा है कि क्यों न इस आदत में थोड़ा बदलाव किया जाये। नियमित रूप से नहाने के इस रूटिन में अगर मैं दो दिन नहीं नहाता, तो क्या फर्क पड़ता है। शाम की तरह बहुत से लोगों को ऐसा ही महसूस होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी भी समय, आप अपने शरीर पर आमतौर पर 1 हजार विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया और 40 प्रकार के फंगस कैरी करते हैं। हालांकि, यह सूक्ष्म जीव वास्तव में आपकी समग्र भलाई के लिए अच्छे होते हैं। या सीधे शब्दों में कहें, अच्छा बैक्टीरिया, बुरे बैक्टीरिया को दूर रखने के लिए हमारी मदद करता है। लेकिन दो दिनों तक नहाना छोड़ने से आपके शरीर में कुछ बदलाव होने लगते हैं आइए ऐसे ही कुछ बदलाव के बारे में जानें।

स्वास्थ्य को खतरा: ना नहाना से हानिकारक बैक्टीरिया शरीर पर बढ़ने लगते है, क्योंकि विभिन्न प्रकार के संक्रमण विशेष रूप से आपके मुंह, नाक या आंखों के माध्यम से शरीर के अंदर जाने का रास्ता खोज ही लेते हैं। और नियमित सफाई के अभाव में त्वचा साल्टी और ऑयली होकर विकृति और जलन पैदा कर सकती है।

खराब बैक्टीरिया के पनपने का डर: सीधे शब्दों में कहें, अच्छे बैक्टीरिया हमारे शरीर के बुरे बैक्टीरिया को दूर करते हैं। लेकिन अच्छे बैक्टीरिया को साबुन और शॉवर की मदद की जरूरत होती है। जब आप शॉवर छोड़ देते हैं तो पसीना ना आने के बावजूद आपको गंदे हो सकते हैं। पूरा दिन चीजों को छूने से खराब बैक्टीरिया को पनपने की जगह मिल जाती है।

शरीर से बदबू आना

आपको लगता है कि पसीना शरीर की बदबू का कारण बनता है, लेकिन वास्तव में इससे शरीर के प्रोटीन और फैटी एसिड का इस्तेमाल कर गैसे निकलती है। जो कम से कम 30 तरह की बदबू का कारण बन सकती है। हालांकि यह स्वास्थ्य के प्रति गंभीर मुद्दा नहीं हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से एक सामाजिक मुद्दा है। अगर आपमें बदबू आ रही है तो लोग आपसे बचने के उपाय खोजने लगेंगे।

त्वचा का ऑयली होना

दो दिन ना नहाने से आपकी त्वचा पर बहुत ज्यादा ऑयली हो जाती है, यानी नियमित रूप से ना नहाने की आदत त्वचा पर ऑयल को बढ़ा देती है जिससे आपकी त्वचा गंदी लग सकती हैं। आमतौर पर सफाई की उपेक्षा करने से आपकी त्वचा पर ही बालों में भी तेजी से चिकनाहट आने लगती है।

रेसिपी

लौकी का रायता

सामग्री

1 कप लौकी/दूधी, 1/4 कप स्लाइस प्याज, 1/4 चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च, 1 चम्मच बारीक कटी अदरक, 1 कप ताजी दही, 3 चम्मच रोस्ट और दरदरी पिसी मूंगफली, 1 चम्मच तेल, 1/2 चम्मच राई, 7 से 8 कड़ी पत्ते, नमक-स्वादअनुसार।

विधि

लौकी, प्याज, हरी मिर्च, अदरक और 3/4 कप पानी मिला कर एक नॉन स्टिक पैन में डाल कर ढक्कन लगा कर 10 मिनट के लिए मध्यम आंच पर पकाएं। इसे बीच बीच में चलाती रहें और जब पानी सूख जाए तब गैस बंद कर के इसे किनारे रख दें। फिर इस मिश्रण को एक बड़े कटोरे में दही, पिसी मूंगफली और नमक मिला कर किनारे रख दें। अब हम छौंकने की सामग्री तैयार करेंगे। इसके लिए एक नॉन स्टिक पैन में तेल गरम करेंगे और उसमें राई डालेंगे। उसके बाद इसमें कड़ी पत्ते डाल कर छौंक तैयार करेंगे। फिर इसे दही और लौकी के मिश्रण में मिला देंगे। आपका लौकी रायता तैयार हो चुका है, इसे गरमा गरम खाने के साथ सर्व करें।

लजानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिये: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 टेबल-स्पून जैतून का तेल 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज्जा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज।

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स के लिये: एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेंड तक भुनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धिमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। आगे बढ़ने की विधी ,रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लजानीया शीट रखें। व्हाइट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स् रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और उपर अच्छी तरह से चीज छिड़के। पहले से गरम अवन में लजानीया को 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

कांग्रेस बनाम वाम मोर्चा

इतिहास में झांकें, तो कांग्रेस और खासकर सीपीएम दोनों दुश्मन भी रहे हैं और अवसरवादी मित्र भी रहे हैं। प्रसंगवश 2004 का उल्लेख करता हूं। कांग्रेस 145 सीटें जीत कर लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा 138 सीटें ही जीत पाई थी। अर्थात जनादेश त्रिशंकु था, लिहाजा खिचड़ी सरकार ही बननी थी। उस लोकसभा में वामदलों के कुल 61 सांसद जीत कर आए थे। यह उस दौर में वाम की सबसे शानदार और बड़ी चुनावी जीत थी। तत्कालीन सीपीएम महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने मध्यस्थता की और कांग्रेस के नेतृत्व में, भाजपा-विरोधी दलों को जोड़ कर, यूपीए का गठन किया। सोनिया गांधी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए और सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर का पद देकर वाममोर्चे को नवाजा गया। परोक्ष रूप से तब केंद्र में वाममोर्चे की ही सरकार थी, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण निर्णय वाममोर्चे की सहमति से ही लिए जाते थे। कांग्रेस-वाम मित्रता की यह मिसाल कुछ और राज्यों में भी देखी गई, जहां दोनों ही दल विपक्षी गठबंधन के घटक थे। बंगाल, केरल, त्रिपुरा में वाम और कांग्रेस के बीच राजनीतिक शत्रुता बनी रही। केरल में तो दो ही मोर्चे सक्रिय रहे-वामदलों के नेतृत्व वाला फ्रंट तथा कांग्रेस नेतृत्व वाला यूनाइटेड फ्रंट। दोनों ही दल और मोर्चे मौजूदा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भी औपचारिक घटक हैं। यूपीए के आखिरी दौर में 'परमाणु करार' के मुद्दे पर मनमोहन सरकार से वाममोर्चे ने समर्थन वापस ले लिया, लेकिन तब मुलायम सिंह यादव की सपा और अन्य सांसदों के समर्थन से सरकार बची थी, लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद जो भी विपक्षी गठबंधन बना, उसमें कांग्रेस और वामपंथी दोनों ही रहे। चूंकि अब लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है, लिहाजा बंगाल, केरल और त्रिपुरा में दोनों ही पक्ष 'कट्टर प्रतिद्वंद्वी' की भूमिका में हैं। केरल तो कांग्रेस के लिए चुनावी जीवन-रेखा है। 2019 के आम चुनाव में केरल में कांग्रेस नेतृत्व के यूनाइटेड फ्रंट ने 20 में से 19 सीटें जीत कर वाम को ध्वस्त कर दिया था। वाम का एकमात्र सांसद चुना गया था। हालांकि तमिलनाडु में वाममोर्चे के 2 सांसद चुने गए थे। कांग्रेस के कुल 52 सांसद चुने गए थे, जिसमें केरल के 15 सांसद थे। इस बार वाममोर्चा यूं ही हथियार डालने को तैयार नहीं है, लिहाजा शब्दों और अलंकारों की लड़ाई शुरू हो गई है। कांग्रेस और वाम एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने की राजनीति कर रहे हैं। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को केरल में भी है। मुख्यमंत्री पी. विजयन ने फरवरी में ही कांग्रेस की तीखी आलोचना करते हुए चुनाव-प्रचार शुरू कर दिया था। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा को 'एकाधिकारवादी' करार दिया। इस बार वायनाड की सीट पर राहुल गांधी का चुनाव भी आसान नहीं है। उनके खिलाफ सीपीआई की उम्मीदवार एनी राजा को उतारा गया है, जो सीपीआई महासचिव डी. राजा की पत्नी हैं और राजनीतिक तौर पर खूब सक्रिय रही हैं। वाम की पूरी सरकार उनके साथ प्रचार में व्यस्त है। केरल के नेता 'अमूल बेबी' नामक आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं, तो कांग्रेस भी पीछे नहीं है। क्या ऐसी ही चुनावी प्रतिद्वंद्विता को 'मैत्री-लड़ाई' कह सकते हैं? मुख्यमंत्री और राहुल गांधी एक-दूसरे पर बंदूक ताने सक्रिय हैं। वाममोर्चे की लोकप्रियता और स्वीकार्यता लगातार घट रही है। 2019 में सीपीएम ने 69 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन मात्र 3 ही सांसद जीत कर संसद तक पहुंच पाए। मात्र 2 फीसदी वोट मिले, जो सबसे कम रहा है। इस बार सीपीएम केरल में ही 15 सीटों पर लड़ रही है, जबकि बंगाल में 23 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। केरल 'मरो या मारो' की स्थिति में है। बेशक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस और वाम जिस तरह 'मैत्री-लड़ाई' की आड़ में चुनाव लड़ रहे हैं, उसकी प्रासंगिकता क्या है? क्या उससे भाजपा को ही फायदा नहीं होगा? विपक्ष में वामपंथी और कांग्रेसी लड़ रहे हैं। चुनाव के निष्कर्ष का आकलन यहीं से किया जा सकता है।

प्रसंगवश 2004 का उल्लेख करता हूं। कांग्रेस 145 सीटें जीत कर लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा 138 सीटें ही जीत पाई थी। अर्थात जनादेश त्रिशंकु था, लिहाजा खिचड़ी सरकार ही बननी थी। उस लोकसभा में वामदलों के कुल 61 सांसद जीत कर आए थे। यह उस दौर में वाम की सबसे शानदार और बड़ी चुनावी जीत थी। तत्कालीन सीपीएम महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने मध्यस्थता की और कांग्रेस के नेतृत्व में, भाजपा-विरोधी दलों को जोड़ कर, यूपीए का गठन किया। सोनिया गांधी को उसका अध्यक्ष बनाया गया। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनाए गए और सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर का पद देकर वाममोर्चे को नवाजा गया। परोक्ष रूप से तब केंद्र में वाममोर्चे की ही सरकार थी, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण निर्णय वाममोर्चे की सहमति से ही लिए जाते थे।

वर्ष 2000 तक भारत का दवा निर्माण क्षेत्र लगभग पूरी तरह से आत्मनिर्भर था

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता दवा क्षेत्र

डा. अश्वनी महाजन

वर्ष 2000 तक दवा निर्माण के क्षेत्र में जिन एपीआई की आवश्यकता होती थी, वे अधिकांशत: भारत में ही निर्मित होते थे। देश में इनके निर्माताओं में आवश्यक प्रतिस्पर्धा भी थी, जिसके कारण दवा निर्माताओं को देश में एपीआई आसानी से और उचित कीमत पर उपलब्ध होते थे। इसके कारण देश का दवा उद्योग न केवल तेजी से आगे बढ़ रहा था, बल्कि दुनियाभर के लोगों को उचित कीमत पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में भी समर्थ था। चीन ने एक षड्यंत्र के तहत भारत के एपीआई क्षेत्र को तबाह करना शुरू किया।

लंबे समय से चीन पर निर्भर भारत के फार्मा क्षेत्र को अब कुछ राहत मिलने लगी है। कारण है आत्मनिर्भर भारत अभियान। गौरतलब है कि वर्ष 2000 तक भारत का दवा निर्माण क्षेत्र लगभग पूरी तरह से आत्मनिर्भर था। दवा निर्माण में जो आवश्यक सामग्री इस्तेमाल होती है, उसे एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स, यानी एपीआई के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2000 तक दवा निर्माण के क्षेत्र में जिन एपीआई की आवश्यकता होती थी, वे अधिकांशतः भारत में ही निर्मित होते थे। देश में इनके निर्माताओं में आवश्यक प्रतिस्पर्धा भी थी, जिसके कारण दवा निर्माताओं को देश में एपीआई आसानी से और उचित कीमत पर उपलब्ध होते थे। इसके कारण देश का दवा उद्योग न केवल तेजी से आगे बढ़ रहा था, बल्कि दुनियाभर के लोगों को उचित कीमत पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने में भी समर्थ था। चीन ने एक षड्यंत्र के तहत भारत के एपीआई क्षेत्र को तबाह करना शुरू किया। चीन से आने वाले एपीआई को अत्यंत ही कम कीमतों पर भारत में भेजा जाने लगा। इसका असर यह हुआ कि भारत का एपीआई उद्योग प्रतिस्पर्धी नहीं रहा और हमारी एपीआई इकाइयां धीरे-धीरे करके बंद होने लगी। एक उदाहरण से यह बात स्पष्ट की जा सकती है। एमोक्सीसाइक्लिन नाम की एंटीबायोटिक दवा, एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट पेनीसिलिन-जी से व्युत्पन्न उत्पाद है। पेनीसिलिन-जी नाम की एपीआई भारत में पर्याप्त मात्रा में बनती थी और उसका अंतरराष्ट्रीय मूल्य लगभग 22 डॉलर प्रति किलोग्राम था। लेकिन चीन ने इस एपीआई की डंपिंग 9 डॉलर प्रति किलो से भी कम पर करनी शुरू कर दी। इसके कारण भारत की इस एपीआई को बनाने वाली इकाइयां बंद हो गईं। उसके बाद चीन ने इसी एपीआई को पहले दोगुणा और फिर चार गुणा कीमत पर बेचना शुरू कर दिया। किसी विकल्प के अभाव में भारत की दवा कंपनियों को यह एपीआई, चीन द्वारा निर्धारित कीमत पर खरीदना जरूरी हो गया। लगभग यही स्थिति अन्य एपीआई की भी रही और कई एपीआई पूर्व से 10 से 20 गुणा कीमत पर भी बेचे जाने लगे। उदाहरण के लिए फॉलिक एसिड, जो विटामिन की दवा बनाने के काम आता है, की कीमत 13 गुणा से भी ज्यादा बढ़ा दी गई थी। ऐसी स्थिति दवाओं के लगभग सभी एपीआई के संदर्भ में थी। कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि कोरोना काल में देखी गई और यह समझ में आना शुरू हुआ कि देश में एपीआई उद्योग की पुर्नस्थापना, केवल

दवा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए या दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए ही नहीं, बल्कि देश में स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। यह सर्वविदित ही है कि चीन भारत के साथ शत्रुतापूर्ण संबंध रखता है, इसलिए दवा के लिए आवश्यक सामग्री हेतु चीन पर निर्भर नहीं किया जा सकता। एपीआई में आत्मनिर्भरता : मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन सभी वस्तुओं, जिनका उत्पादन चीन और अन्य देशों द्वारा डंपिंग के कारण बाधित हो गया था, के उद्योगों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से और देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और विदेशों पर निर्भरता को समाप्त करने के उद्देश्य से, आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की। प्रारंभिक तौर पर इसके लिए जिन वस्तुओं की 13 श्रेणियों को चिन्हित किया गया, उनमें एपीआई भी शामिल थे। आत्मनिर्भरता हेतु अपनाए गए उपायों में से एक महत्वपूर्ण उपाय को उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन यानी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के रूप में जाना जाता है। गौरतलब है कि एपीआई क्षेत्र के लिए इस पीएलआई स्कीम में 41 उत्पाद शामिल किए गए, जिनमें मधुमेह, तपेदिक, स्टेरॉयड और एंटीबायोटिक्स के लिए दवाओं पर विशेष आग्रह रखा गया, और उसके लिए 20000 करोड़ रुपए की राशि प्रस्तावित की गई। यह योजना 21 जुलाई 2020 को अधिसूचित की गई। हर्ष का विषय यह है कि यह योजना अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने लगी है और देश दवा उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। उदाहरण के लिए पेनिसिलिन-जी, जिसका भारत में उत्पादन बंद हो गया था, जिसके कारण भारतीय उद्योगों से इस एपीआई की ऊंची कीमत वसूली जा रही थी, अब उसके उत्पादन हेतु ऑरविन्दो फार्मा लिमिटेड, टोरेंट फार्मास्यूटिकल आदि कंपनियों ने इसकी उत्पादन इकाइयां शुरू कर दी हैं और माना जा रहा है कि ऑरविन्दो फार्मा इस पेनिसिलिन-जी एपीआई का उत्पादन अप्रैल, 2024 में और टोरेंट जून-जुलाई 2024 में शुरू कर देगा। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया का यह कहना है कि पीएलआई योजना और अन्य प्रयासों के कारण आज भारत अधिकांश एपीआई में आत्मनिर्भरता हासिल कर चुका है, जिसके कारण चीन पर निर्भरता कम हुई है। सितंबर 2023 तक पीएलआई स्कीम के तहत फार्मा कंपनियों को 4000 करोड़ रुपए और मेडिकल उपकरणों के लिए 2000 करोड़ रुपए के निवेश की अनुमति दी जा चुकी थी। इसके अलावा केन्द्र ने 3000 करोड़ रुपए की लागत से तीन बल्क (थोक) ड्रग पार्कों का निर्माण किया है। घटने लगी हैं कीमतें : जैसे-जैसे एपीआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के सुपरिणाम आने लगे हैं, वैसे-वैसे एपीआई की कीमतें भी घटने लगी हैं। फार्मा उद्योग के जानकार बता रहे हैं कि एपीआई की कीमतों में कोविड के समय से अभी तक 50 प्रतिशत की कमी आई है। इसमें से सबसे तेज गति से कमी पिछले दो महीनों में ही आई है। समझा जा सकता है कि कोविड काल में जब एपीआई के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के प्रयास शुरू हुए थे, अब वे फलीभूत होना शुरू हुए हैं। इकॉनोमिक टाइम्स की एक खबर के अनुसार बुखार की दवा पैरासिटामोल के एपीआई की कीमत जो कोविड काल में 900 रुपए प्रति किलो पहुंच गई थी, वह घटकर अब मात्र 250 रुपए प्रति किलो रह गई है। उसी प्रकार अस्थमा की दवा मॉनटैलूकास्ट सोडियम 45000 रुपए प्रति किलो से घटकर मात्र 28000 रुपए प्रति किलो रह गई है। एंटीबायोटिक मेरोपिनेम की एपीआई की कीमत 75000 रुपए प्रति किलो से घटकर 45000 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। जानकारों का मानना है कि भारत में एपीआई उत्पादन में उठाव के चलते चीन का दवा (एपीआई और मध्यवर्ती उत्पाद समेत) कार्टेल पिछले छह महीने में टूट चुका है। शायद चीन को इस बात का आभास नहीं था कि भारत इतनी बड़ी तादाद में अपने दवा उद्योग को पुनर्जीवित करेगा। इसलिए उसने दुनिया भर के दवा उद्योग पर कब्जा जमाने की दृष्टि से अतिरिक्त क्षमता का निर्माण कर लिया था। अब ऊंची क्षमता के कारण चीन में एपीआई की आपूर्ति बहुत अधिक बढने के कारण कीमतों में कमी स्वाभाविक परिणाम है। गौरतलब है कि वर्ष 2021-22 में भारत द्वारा एपीआई के आयात में भारी वृद्धि हुई थी।

दृष्टि कोण

देश के लिए शहादत और बलिदान का महीना

भारत के इतिहास में अप्रैल का महीना ब्रिटिश राज द्वारा जलियांवाला में हुए नर संहार के लिए काले में पन्नों में दर्ज है तो यही महीना पेशावर में चन्द्र सिंह गढ़वाली और उनके मातहत सैनिकों द्वारा अपने जीवन और नौकरी की परवाह न करते हुए निहत्थे पठानों को बचाने तथा स्वाधीनता आन्दोलन के महायज्ञ में दी गई आहुति के लिए भी याद रखा जाएगा। भले ही आज पेशावर पाकिस्तान में है मगर गढ़वाली सैनिकों के साहस और जज्बे की मिसाल उस जमीन पर सदैव अक्षुण रहेगी। पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर और ब्रिगेडियर जनरल (अस्थाई प्रमोशन) रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर द्वारा अमृतसर के स्वर्णमंदिर के निकट स्थित जलियांवाला बाग में किया गया नरसंहार इसी अप्रैल के महीने की 13 तारीख को हुआ था जिसमें सरकारी तौर पर 379 लोगों के मारे जाने और लगभग 1200 के घायल होने की पुष्टि बाद में की गई मगर स्वतंत्र इतिहासकारों के अनुसार इस क्रूरतम नरसंहार में 500 से अधिक लोग मारे गए, जबकि हजारों अन्य घायल हुए जिनमें लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल फ्रांसिस ओ'ड्वायर का 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में गोली मारकर वध करने वाला महान क्रांतिकारी उधमसिंह भी शामिल था। सन् 1930 में इसी अप्रैल महीने की 23 तारीख को चन्द्रसिंह गढ़वाली के नेतृत्व में गढ़वाली सैनिकों ने पेशावर में सीमान्त गांधी के नाम से पुकारे जाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल गफ्फार खान के समर्थन में जुटे पठानों पर गोलियां बरसा कर नर संहार करने से साफ इंकार कर दिया था। इस विद्रोह में इन सैनिकों को मृत्यु दण्ड से तो बचा लिया गया मगर विभिन्न जेलों में उन्हें लम्बी सजाएं अवश्य भुगतनी पड़ी। 23 अप्रैल, 1930 के पेशावर कांड में गोलीबारी के आदेश दने वाला कमांडिंग ऑफिसर जॉर्ज हर्बर्ट एडवर्ड पर्सी हैमंड था जो वहां ब्रिटिश सेना का क्षेत्रीय कमांडर था। उसने निहत्थे आन्दोलनकारी पठानों पर गोलीबारी से इंकार करने के बाद गढ़वालियों के हथियार छीनकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था और गोलियां चलाने के लिए दूसरी टुकड़ी को आदेश दे दिया था। गढ़वाली सैनिकों की गिरफ्तारी के बाद पेशावर शहर तथा थाने के पास गोलीबारी में अनेक लोग अवश्य मरे मगर जलियांवाला नरसंहार की पुनरावृत्ति अवश्य रुक गई। इस कांड से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को और बढ़ावा मिला। इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा पेशावर कांड की जांच के लिए

गठित वी.जे, पटेल की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार 23 अप्रैल 1930 के पेशावर कांड में पुलिस और सेनिक टकड़ी द्वारा फायरिंग की घटनाओं में कम से कम 20 आन्दोलनकारी मारे गए तथा 21 घायल हुए थे। रिपोर्ट में अपुष्ट स्रोतों से मरने वालों की संख्या काफी अधिक बताई गई, साथ ही उन्हीं अपुष्ट स्रोतों ने कमेटी को पुलिस द्वारा शवों को गायब करने और घायलों के सामने न आने की बात भी बताई। जांच कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार गिरफ्तारी के डर से कई घायल आन्दोलनकारी अस्पताल नहीं गये जिस कारण घायलों की सही संख्या का पता नहीं चल सका। दोनों घटनाएं ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों द्वारा ब्रिटिश शासन के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे भारतीय नागरिकों के खिलाफ हिंसक बल का उपयोग करने के उदाहरण थीं। दोनों ही मामलों में निहत्थे नागरिकों को ब्रिटिश सेना द्वारा निशाना बनाया गया। इन दोनों ही घटनाओं में बड़ी संख्या में निहत्थे नागरिक मारे गये या घायल हुए। जलियांवाला बाग हत्याकांड में सैकड़ों लोगों की मौत हुई, जबकि पेशावर कांड में भी कई नागरिक मारे गए और घायल हुए। मगर गढ़वाली सैनिकों के विद्रोह के कारण भारी खून-खराबा नहीं हो सका। दोनों घटनाओं से भारतीयों में व्यापक आक्रोश और निंदा हुई, जिससे ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ गया। जलियांवाला बाग नरसंहार पंजाब के अमृतसर में दो राष्ट्रवादी नेताओं, डॉ. सत्यपाल और डॉ. सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी और निर्वासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ था। जबकिपेशावर कांड, जो अब पाकिस्तान में है, 'फ्रंटियर गांधी' के नाम से जाने जाने वाले एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता अब्दुल गफ्फार खान की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुआ। जलियांवाला बाग हत्याकांड का नेतृत्व मुख्य रूप से पंजाब के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किया था।

कुछ अलग

अंधे अंधा ठेलिया...

एक समय की बात है। ज़ोम्बीद्वीप में एक बुद्धिमान, न्यायप्रिय और संवेदनशील राजा राज्य करता था। देश में राजशाही के बावजूद लोकतंत्र में उसकी गहन आस्था थी। उसने एक संविधान के निर्माण के बाद उसे न केवल लागू करवाया बल्कि उसकी रक्षा के लिए क़ानून भी बनाया। देश का नाम भले ही ज़ोम्बीद्वीप था, परन्तु उसके लोग ज़ोम्बी नहीं थे। देश बहुधर्मी था और सभी धर्मों के लोग आपस में बड़े प्रेम, भाईचारे और सौहार्द से रहते। राजा का एक लडक़ा था। देखने में साधारण होने के बावजूद वह अपने आपको धर्मेन्द्र से कम नहीं समझता। आत्ममुग्धता का शिकार राजकुमार दिन में दस बार कपड़े बदलता। वह स्वभाव से मनमौजी, अक्ल से साधारण और नीयत से बेईमान था। झूठ बोलने में उसे विशेष आनन्द आता। धीरे-धीरे उसने झूठ बोलने में इतनी महारत हासिल कर ली थी कि वह दिन में एक ही व्यक्ति को दस बार मूर्ख बना सकता था। बूढ़े होते राजा ने शासन की बागडोर अपने बेटे को सौंपना चाही। परन्तु उसके खिलंदड़ स्वभाव से परेशान राजा ने सम्पूर्ण राजपाट सौंपने की बजाय पहले उसे युवराज घोषित किया। उसने सोचा कि जब राजकुमार शासन की बारीकियां सीख जाएगा तब उसे राजा घोषित करने के बाद वह जंगल की राह पकड़ लेगा। झूठ बोलने में माहिर युवराज ने अपने पिता को यह विश्वास दिला दिया कि पूरी दुनिया में ज़ोम्बीद्वीप का डंका बज रहा है। राजा ने 'सब चंगा है' सोच कर जंगल की राह पकड़ ली। युवराज ने राजा बनने के बाद अपने मनमौज़ी स्वभाव के अनुरूप प्रजा को हांकना शुरू कर दिया। देश के सभी अमीर सेठ उसके लंगोटिया यार थे, जो केवल अपना मुनाफा कूटने में मस्त रहते। फलस्वरूप देश में बेरोजग़ारी और महंगाई बढऩे लगी, कृषि उत्पादन गिर गया और देश की आर्थिकी डगमगाने लगी। इसके बावजूद राजा अपने आपको महान सिद्ध करने के लिए अपने पुरखों को गरियाते हुए राज्य की परिसम्पत्तियां बेचता रहता। उसकी देखादेखी प्रजा भी झूठ बोलने लगी। लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों को लतियाते हुए प्रजा ने विधर्मियों और कमज़ोर वर्गों को मारना-पीटना शुरू कर दिया। पर मौज-मस्ती में मगन रहने वाला राजा इतना झूठ बोलता कि धीरे-धीरे उसे यक़ीन होने लगा कि वह राजा हरीशचंद्र है। नारसिस्ट होने के अलावा अब वह मिथोमैनिक भी हो गया था। तुकबंदी में माहिर नए राजा ने लोगों को सपने बेचना शुरू कर दिए। राजा के वस्त्र विन्यास, साज-सज्जा और वृक्तता से अभिभूत बहुसंख्यक वर्ग के अधिकांश लोग उसके अंधभक्त हो गए। लेकिन अभी भी कुछ कथित बुद्धिजीवी थे, जो राजा की हाँ में हाँ मिलाने को तैयार नहीं थे। नारसिस्ट, मिथोमैनिक और खिलंदड़ राजा के दिल में अमर होने की चाह टमाटर और प्याज़ की पैदावार कम होने पर क़ीमतों में होने वाली वृद्धि की तरह आसमानी उछाल मार रही थी। वह उठते-बैठते सोचता कि इन बुद्धिजीवियों से कैसे पार पाया जाए। उसे परेशान देखकर उसके महामंत्री ने सलाह दी कि अक्ल से अंधे जो लोग पहले ही उसके साथ हैं, उनके साथ कुछ ख़ास करने की ज़रूरत नहीं। बस राष्ट्रवाद के नाम पर छद्म शत्रु, विधर्मियों और कमज़ोरों को गरियाते हुए अंधभक्तों को सुनहरे सपने बेचने हैं। ख़ाली जेबों के बावजूद राष्ट्रवाद के नाम पर ये अंधभक्त अपनी जान तक देने की बात करने लगेंगे। महामंत्री की सलाह मानते हुए राजा ने विरोधी बुद्धिजीवियों को बिना मुक़द्दमों के जेल में डालना शुरू कर दिया। कुछ विरोधी बुद्धिजीवियों को अंधभक्तों ने राष्ट्रविरोधी बताते हुए सडक़ों पर मार दिया। इसके बाद उन्हें बौद्धिक रूप से अंधा बनाने के लिए गोदी माडिया के माध्यम से फेक न्यूज़ के जो छप्पन भोग परसे जाते, उनमें राजा के वैश्विक चक्रवर्ती सम्राट होने, समस्त ब्रह्मांड में उसका डंका बजने, राष्ट्र का अग्रणी होना आदि शामिल थे। राजा को अब पूरा यक़ीन हो गया था कि अब उसे अमर होने से कोई नहीं रोक सकता।

देश दुनीया से

बेसहारा गोवंश को आश्रय दे प्रदेश सरकार

ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गउएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण जी ने द्वापर युग में खुद गऊओं की सेवा की। इसलिए उनका एक नाम श्री गोपाल आज भी संसार भर में प्रसिद्घ है। भगवान ने मानव जाति को गाय वरदान स्वरूप दी थी, लेकिन आज का स्वार्थी मानव गाय को आफत समझ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब गाय के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। जब गाय नहीं होगी तो किसान नहीं होगा। जब किसान नहीं होंगे तो गांव भी नहीं होंगे। जब गांव नहीं होंगे तो देश नहीं होगा। धीरे-धीरे तेल के भंडार कम हो रहे हैं।

भारतीय सभ्यता में गाय को सदैव देवी माता स्वरूप माना जाता है। भारत में गोपालन की प्राचीन काल से ही परंपरा रही है। इसलिए उस समय घी, दूध और दही की नदियां बहती थीं। ऋषियों के आश्रम जंगलों में होते थे। वहां हजारों गउएं स्वतंत्र रूप से विचरण करती और जंगलों में चरती थीं। भगवान श्रीकृष्ण जी ने द्वापर युग में खुद गऊओं की सेवा की। इसलिए उनका एक नाम श्री गोपाल आज भी संसार भर में प्रसिद्घ है। भगवान ने मानव जाति को गाय वरदान स्वरूप दी थी, लेकिन आज का स्वार्थी मानव गाय को आफत समझ रहा है। वह दिन दूर नहीं जब गाय के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। जब गाय नहीं होगी तो किसान नहीं होगा। जब किसान नहीं होंगे तो गांव भी नहीं होंगे। जब गांव नहीं होंगे तो देश नहीं होगा। धीरे-धीरे तेल के भंडार कम हो रहे हैं। जब तेल खत्म हो जाएगा, तब खेती के लिए बैलों की जरूरत होगी, लेकिन क्या तब तक बैल बच पाएंगे? खेद है कि 33 करोड़ देवी-देवताओं को धारण करने वाली, पंचगव्य देने वाली, सूतक-पातक से बचाने वाली गाय माता आज जूठन खा रही है, पत्थर व डंडे खा रही है। भाईयो व बहनो, जिस घर में, जिस गांव में संतान के कारण मां रोती है, वहां पर कभी कल्याण नहीं हो सकता है। गाय मां है और बैल धर्म है। गाय के पंचगव्य से अनेकों प्रकार की औषधियां बनती हैं। गऊ पूजन व गौदान का विशेष महत्त्व होता है। भैंस पूजन का महत्व नहीं है। प्रातः उठकर गाय के शरीर पर हाथ फेरो, परिक्रमा करके चरण वंदना करो तथा एक मु_ी घास या एक रोटी गाय को हर रोज दें, ऐसा करने से प्रभु के अवश्य दर्शन होते हैं। रोगी गाय को औषधि व सेवा करने वाला व्यक्ति रोगमुक्त हो जाता है। वर्तमान में गोबर से निर्मित वस्तुएं, यथा आभूषण, राखी, झूमर, मूर्तियां, गमले एवं नेम प्लेट सर्वाधिक चलन में हैं। अगर हम हिमाचल प्रदेश की वर्तमान स्थिति की बात करें तो यहां पर गौवंश की स्थिति ठीक नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस समय में लगभग 10000 से अधिक गौवंश बेसहारा चारे तथा पानी की तलाश में इधर से उधर धक्के खा रहे हैं, जो हमारे देवभूमि के लोगों के लिए बड़े ही दुःख और शर्म की बात है। पूर्व में रहे ग्रामीण पशुपालन मंत्री श्री वीरेंद्र कंवर और पूर्व मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश गौसेवा आयोग की स्थापना करके इन बेसहारा गौवंश को आश्रय देने के लिए प्रदेश में कई स्थानों पर बड़ी-बड़ी गऊ सैंक्चुरी और गौशालाओं की स्थापना करके बड़ा साहसिक और नेक कार्य किया है। लेखक ने सरकार के वर्तमान कृषि एवं पुशपालन मंत्री को 14.11.2023 को बेसहारा गौवंश के लिए गौसेवा आयोग द्वारा गौशालाएं व गऊ सैंक्चुरी बनाने तथा गौसेवकों की भर्ती करने बारे कुछ सुझाव एक पत्र द्वारा भेजे थे तथा उस पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, पीडब्ल्यूडी मंत्री तथा अन्य को भी भेजी थी। मुख्य जरूरी सुझाव ये हैं : एक, इस समय प्रदेश में जो लगभग 10000 से ज्यादा बेसहारा गौवंश हैं, इनकी सेवा के लिए गौसेवा आयोग प्रत्येक जिले के प्रत्येक विकास खंड में तीन-तीन बड़ी गौशालाएं बनाएं, ताकि इन अभागे पालतू छोड़े हुए बेसहारा गौवंश को इनका खोया हुआ रैन-बसेरा दोबारा मिले सके। दो, इन 10000 बेसहारा गौवंश की सेवा के लिए गौसेवा आयोग 1000 गौसेवकों की भर्ती करे, यानी प्रत्येक 10 गौवंश पर एक गौसेवक नियुक्त हो, जिसकी तनख्वाह प्रति महीना 6000 रुपए हो तथा साथ में मुफ्त रिहायश और भोजन की व्यवस्था हो। तीन, इन गौसेवकों को आठ या दस साल बाद की सेवा के बाद प्रदेश सरकार अपने विभागों या बोर्डों में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों में नियुक्त करने का प्रबन्ध करे। चार, जितने भी लोगों ने प्रदेश में गाय या बैल पाल रखे हैं, उन सबकी रजिस्ट्रेशन होनी चाहिए यानी उन सबके गौवंश कार्ड बनाए जाने चाहिएं, जैसे आदमियों के राशन कार्ड बनाए जाते हैं। यह कार्य पशुपालन विभाग द्वारा पंचायतों के सहयोग से किया जाना चाहिए। पांच, अगर कोई पशुपालक अपने गौवंश को बेसहारा छोड़ता है तो ऐसे पशुपालक को पहली बार 15000 रुपए, दूसरी बार 20000 रुपए और तीसरी बार 25000 रुपए और एक साल की सजा भी होनी चाहिए। छह, प्रदेश सरकार राज्य में गोमूत्र आधारित कोई बड़ी आयुर्वेदिक फार्मेसी स्थापित करे ताकि गौवंश पालने वालों को आर्थिक सहायता भी मिल सके और प्रदेश की जनता को आयुर्वेदिक औषधियां भी मिल सके। सात, पशुपालकों को बढिया बैल पालने पर गौसेवा आयोग द्वारा सालाना लगभग 6000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जानी चाहिए। आठ, जो शामलात भूमि सरकार के पास वनों के साथ है, वहां सरकार उस भूमि का अधिग्रहण करके या किसानों से बंजर भूमि लेकर गौशालाएं बनाए। नौ, सरकार शराब की बिक्री से अढ़ाई रुपए प्रति बोतल की सैस को बढ़ाकर 10 रुपए प्रति बोतल के हिसाब से गौ कल्याण कोष के लिए निर्धारित करे। दस, प्रदेश सरकार बड़े मंदिर ट्रस्टों की आमदन के 15 प्रतिशत हिस्से को बढ़ाकर 25 प्रतिशत गौ कल्याण कोष के लिए निर्धारित करे।

आप का नजरीया

सादगी से दूर सियासत

पहली बार हिमाचल में सियासत ने ग्लैमर की राह पर अपना कद देखना शुरू किया है, ऐसा भी नहीं, लेकिन चुनाव की दहलीज अब कीमत मांगती है। राजनीति में सादगी या सादगी में राजनीति के तरकश में अब तीर कहां। ऐसे में पके पकाए नेताओं के घर में ग्लैमर की संभावना बढ़ गई है। सोशल मीडिया की मर्जी या बेहतर इस्तेमाल से जो नेता अपना आभामंडल बना पा रहे, उन्हें कबूल करने के तर्क बढ़ जाते हैं। मसलन मंडी संसदीय सीट में राज परिवार का ग्लैमर सिर चढक़र बोला है, तो प्रतिभा सिंह की पिछली जीत का मतलब पार्टी राजनीति से कहीं ऊपर देखा गया। इस बार परिवार के ग्लैमर में बेटा बाजी मार रहा है, तो मानना पड़ेगा कि विक्रमादित्य सिंह का इकबाल मां से भारी है। सामने फिल्मी पर्दे और हकीकत के बीच कंगना का अवतार हिमाचल की परीक्षा में उतर आया है। यकीनन प्रदेश और देश की राजनीति में इतना तो फर्क है कि चर्चाओं का मुकाबला ग्लैमर की चोंच से होने लगा है। देश में फिल्मी कलाकारों ने राजनीति को हमेशा ग्लैमर का तडक़ा दिया, लेकिन इस बार हिमाचल के परिदृश्य में बेटी और राजकुमार के बीच सामाजिक हालात और परिपक्वता का अनूठा इम्तिहान है। हिमाचल के नेताओं का आभामंडल देश की प्रवृत्ति से भिन्न है। यहां समाज का चयन परंपराओं से होकर गुजरता है और इसीलिए कंगना ने भाषा और पहरावे में पहाड़ी होने का कलात्मक प्रभाव चुना। वह मंडी संसदीय सीट की विरासत में अपने हक की सियासत में संस्कृति चस्पां कर रही है। यूं तो कई बार टोपियां उलझी हैं और धूमल बनाम वीरभद्र सिंह के दौर में हरे और लाल रंग के बीच कई दीवारें उभर आई थीं, तो मेजर विजय सिंह मनकोटिया तिरंगनी खोज लाए थे। स्व. वाईएस परमार ने सिरमौर के पारंपरिक लोइया को राजनीतिक परिधान बना दिया था, तो पहाड़ीपना कई बार क्षेत्रवाद में उलझ गया। अपनी-अपनी ड्रेसस सेन्स के बदौलत वीरभद्र सिंह व शांता कुमार का ठसक अंदाज रहा है और ये नेता ग्लैमरस भी दिखाई दिए। धूमल पुत्र सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर क्रिकेट से संसद तक के ग्लैमर में ब्रांड एंबेसडर माने जाते हैं। फतेहपुर के पूर्व विधायक एवं विधायक भवानी सिंह पठानिया के पिता सुजान सिंह पठानिया अपनी मूंछों के स्टाइल और बहस में पहाड़ी बोली के कारण हमेशा सुने गए। शांता कुमार ने राष्ट्रीय भाषा हिंदी की गरिमा में संबोधन की कला को इतना परिमार्जित किया कि हिमाचल से एकमात्र यही नेता रहे, जिन्हें सुनने के लिए राष्ट्रीय मीडिया कर्मी भी इंतजार करते रहे। ग्लैमर के एकदम विपरीत साधारण और पर्वतीय संघर्ष के प्रतीक बने जयराम ठाकुर के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू का अंदाज अपनी कहानी के आकर्षित पात्र बनने में काफी हद तक सफल रहे हैं। सुखविंदर सिंह सुक्खू की आल्टो गाड़ी का प्रदर्शन शिमला की राजनीति में जो मीलपत्थर खोज रहा है, उसके पीछे भावना यही है कि ग्लैमर के बिना भी राजनीति की हस्ती लाल बहादुर शास्त्री की तरह तरल व सरल हो सकती है। यह दीगर है कि हिमाचल की राजनीति नेताओं को कडक़ नहीं होने देती और न ही सरकारों को कड़वे घूंट पीने देती है।

न्यूज ब्रीफ

जल्द लॉन्च होने वाली है महिंद्रा की एक्सयूवी ३एक्सओ

नई दिल्ली।

महिंद्रा जल्द ही भारतीय बाजार में नई एक्सयूवी३०० फेसलिफ्ट के अपग्रेड यानी एक्सयूवी ३एक्सओ को लॉन्च करने जा रहा है। फिलहाल नई कार के ग्लोबल डेब्यू को कुछ दिन रह गए हैं और इससे पहले ही एक नया टीजर कंपनी ने जारी किया है। नए टीजर में फ्यूल एफिशिएंसी फीगर और स्प्रिंट टाइम का खुलासा किया गया है। लेटेस्ट टीजर के मुताबिक एक्सयूवी ३एक्सओ 4.5 सेकेंड्स में ही 0-60kph की स्पीड तक जा सकेगी। इसके अलावा टीजर में कंफर्म किया गया है कि इस अपडेटेड कॉम्पैक्ट एसयूवी में मल्टीपल ड्राइव मोड्स मिलेंगे। टीजर से पता चलता है कि इसमें जिप और जैप वाले ड्राइव मोड्स मिलेंगे। महिंद्रा ने ये भी खुलासा किया है कि एक्सयूवी ३एक्सओ में 20.1kpl का माइलेज मिलेगा। हालांकि, ये आंकड़ा डीजल इंजन के लिए होने की उम्मीद है। न कि टर्बो-पेट्रोल इंजन की। तुलनात्मक तौर पर बात करें तो टाटा नेक्सॉन डीजल की फ्यूल एफिशिएंसी 24.07kpl तक Sonet डीजल की 22,3kpl तक है। एक्सयूवी ३एक्सओ पुराने मॉडल की तरह तीन इंजन ऑप्शन्स- 110hp, 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल, 131hp, 1.2-लीटर डायरेक्ट-इंजेक्शन टर्बो-पेट्रोल और 117hp, 1.5-लीटर डीजल के साथ आएगी। 131hp टर्बो-पेट्रोल इंजन को एक नया आइसिन-सोर्स्ड 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा। नए एक्सयूवी ३एक्सओ के टीजर से ये भी पता चलता है कि इसमें फुली-डिजिटल टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। ड्राइवर डिस्प्ले 10.25-इंच का होगा। जबकि कार में एक्सयूवी ४०० का 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी होगा। इसके अलावा ऑफर में एक फर्स्ट-इन-क्लास पैनोरमिक सनरूफ भी होगा, जो संभवतः इस सुविधा के साथ इसे भारत में सबसे किफायती एसयूवी बना देगा।

सोने-चांदी के भाव में फिर उछाल

नई दिल्ली।

एक छोटी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने 8 महीने में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। 8 महीने में बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर बुधवार 24 अप्रैल को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने बुधवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। टेलिकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनी बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 142.50 रुपये है। बोंडाडा इंजीनियरिंग का आईपीओ 75 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 18 अगस्त 2023 को खुला था और यह 22 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 30 अगस्त 2023 को 142.50 रुपये पर लिस्ट हुए थे। लिस्टिंग के बाद से बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर लगातार नए हाई बना रहे हैं। कंपनी के शेयर 24 अप्रैल को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। 75 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 1450 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले 6 महीने में 405 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर 25 अक्टूबर 2023 को 242.90 रुपये पर थे। बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयर 24 अप्रैल 2024 को 1226.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अभी तक बोंडाडा इंजीनियरिंग के शेयरों में 194 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर साल की शुरूआत में 1 जनवरी 2024 को 417.10 रुपये पर थे, जो कि अब 1200 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बोंडाडा इंजीनियरिंग के आईपीओ पर टोटल 112.28 गुना दांव लगा था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 100.05 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, अदर्स कैटेगरी में 115.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

बड़ी नहीं... बहुत बड़ी है बजाज की नई पल्सर बाइक, 3 मई को होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली।

बजाज पल्सर एनएस400 नई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल होगी, जिसमें कंपनी की किसी भी मोटरसाइकिल पर सबसे बड़ी क्षमता वाला इंजन होगा और यह अब तक का सबसे फास्ट इंजन भी होगा। देश की दिग्गज दोपहिया वाहन निमार्ता कंपनी बजाज ऑटो अपने पल्सर प्रोफाइल में एक नई बाइक जोड़ने जा रही है। पल्सर प्रोफाइल वाली यह बाइक बड़ी ही नहीं, बहुत बड़ी है। साइज, वजन और कीमत तीनों मामले में यह दूसरी मोटरसाइकिलों से काफी बड़ी है। कंपनी इसे 3 मई 2024 को भारतीय बाइक बाजार में लॉन्च करेगी, लेकिन इसकी लॉन्चिंग से पहले उसने इसका टीजर जारी किया है। यह इसका पहला टीजर है। कंपनी ने इसका नाम बजाज पल्सर एनएस400 दिया है।

बजाज पल्सर एनएस400 का इंजन होगा सबसे फास्ट

बजाज ऑटो ने सोशल मीडिया पर अब तक की सबसे बड़ी पल्सर का पहला टीजर जारी किया है। आने वाली बजाज पल्सर एनएस400 नई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल होगी, जिसमें कंपनी की किसी भी मोटरसाइकिल पर सबसे बड़ी क्षमता वाला इंजन होगा और यह अब तक का सबसे फास्ट इंजन भी होगा। कंपनी की ओर से जारी किए गए वीडियो टीजर में नई बजाज पल्सर एनएस400 के टायर हगर की झलक मिलती है। इसके साथ ही, बाइक की तेज स्पीड का भी संकेत मिलता है। नई पेशकश में केटीएम के साथ सह-विकसित नव-विकसित 399 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलने की उम्मीद है, जो केटीएम 390 ड्यूक को पावर देता है। हालांकि, यह एक री-ट्यून इंजन हो सकता है, जो चलने की लागत कम रखने के लिए केटीएम के मुकाबले थोड़ा कम पावर और टॉर्क जेनरेट करेगा। इस इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़े जाने पर 40 बीएचपी की पावर और 35-37 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करने की उम्मीद है।

बजाज पल्सर एनएस400 के फीचर्स

अब अगर बजाज पल्सर एनएस400 के फीचर्स की बात करें, तो इसमें असिस्ट-एंड-स्लिपर क्लच, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, ऑल-एलईडी लाइटिंग, यूएसडी फ्रंट फोर्क्स, डिस्क ब्रेक, डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल भी देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा, इसमें ट्रैक्शन कंट्रोल के साथ राइड-बाय-वायर, 17-इंच के अलॉय व्हील्स भी मिल सकते हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ कार्रवाई, ऑनलाइन तरीके से नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

नई दिल्ली।

बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आरबीआई ने बैंक के ऑनलाइन या मोबाइल बैंकिंग चैनल के जरिए नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक लगा दी है। हालांकि, नियामक ने अपने निर्देश में कहा है कि वह अपने मौजूदा ग्राहकों जिसमें क्रेडिट कार्ड के ग्राहक भी शामिल हैं, को सेवाएं देना जारी रख सकता है।

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक पर कार्रवाई का क्या कारण बताया?

रिजर्व बैंक के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन और सूचना सुरक्षा प्रशासन में खामियां मिलने के बाद ने यह कार्रवाई की गई है। आरबीआई ने अपने बयान में कहा है कि ये कार्रवाइयां वर्ष 2022 और 2023 के दौरान नियामक की ओर से बैंक के आईटी परीक्षण में पाई खामियों के आधार पर की गई हैं। नियामक ने कहा कि बैंक परीक्षण के बाद उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं व्यापक और समयबद्ध तरीके से दूर करने में विफल रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक की जांच में आरबीआई को क्या गड़बड़ियां मिली?

आरबीआई के बयान में कहा गया है कि बैंक के आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन, पैच एंड चेंज मैनेजमेंट, यूजर एक्सेस मैनेजमेंट, वेंडर रिस्क मैनेजमेंट, डेटा सुरक्षा व डेटा लीक रोकने की रणनीति में कमी दिखी है। केंद्रीय बैंक के अनुसार बैंक की बिजनेस निरंतरता और डिजास्टर रिकवरी के लिए सख्ती व ड्रिल जैसे क्षेत्रों में भी गंभीर खामियां और अनुपालन में कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने बयान में कहा, ''लगातार दो वर्षों तक बैंक के आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमी का आकलन किया गया। इसके बाद निष्कर्ष निकाला गया कि यह नियामकीय दिशानिर्देशों के तहत जरूरी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है।''

मौजूदा ग्राहकों पर आरबीआई की कार्रवाई का क्या असर पड़ेगा?

देश में बड़ी संख्या में लोग कोटक महिंद्रा बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि रिजर्व बैंक की हालिया कार्रवाई से उनपर क्या असर पड़ेगा?

आरबीआई के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने व नए क्रेडिट कार्ड जारी करने की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से ''बंद करने'' का निर्देश दिया गया है। हालांकि, बयान में केंद्रीय बैंक की ओर से कहा गया है कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को पहले की तरह सेवाएं प्रदान करना जारी रख सकेगा।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई

हिंदुस्तान यूनिलीवर: मार्च तिमाही में 6% घटा नेट प्रॉफिट शेयरधारकों को डिविडेंड का तोहफा

मुंबई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। यह स्टॉक बीएसइ पर 2259.15 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी ने मार्केट क्लोज होने के बाद तिमाही नतीजे जारी किए हैं। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (हिंदुस्तान यूनिलीवर) ने एफवाई २४ की चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 6 फीसदी घटकर 2,406 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2,552 करोड़ रुपये था। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 24 अप्रैल को 0.16 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। यह स्टॉक बीएसइ पर 2259.15 रुपये के भाव पर बंद हुआ है। कंपनी ने मार्केट क्लोज होने के बाद तिमाही नतीजे जारी किए हैं।

कैसे रहे हिंदुस्तान यूनिलीवर के नतीजे

चौथी तिमाही में हिंदुस्तान यूनिलीवर की बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 14,693 करोड़ रुपये हो गई। प्रमुख सेगमेंट ब्यूटी और पर्सनल केयर के रेवेन्यू में 2.7 फीसदी की गिरावट आई है। 9 ब्रोकरेज फर्मों के औसत अनुमानों के अनुसार, एनालिस्ट्स ने 14,913 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर 2,435 करोड़ रुपये के मुनाफे का अनुमान लगाया है। इसका मतलब है कि मार्च तिमाही में कंपनी के नतीजे अनुमान से कमजोर रहे।

हर शेयर पर 24 रुपए का डिविडेंड देगी हिंदुस्तान यूनिलीवर

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 1 रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों पर 24 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की घोषणा की। कंपनी ने पहले 16 नवंबर 2023 को 18 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंड का भुगतान किया था। इसका मतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने कुल डिविडेंड 42 रुपये प्रति शेयर है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीइओ का बयान

हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीइओ और एमडी रोहित जावा ने कहा, ''एफवाई २४ में हमने 3% यूएसजी के साथ एक लचीला प्रदर्शन दिया और 10,000 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट का आंकड़ा पार कर लिया। हम ऑपरेशनल एक्सीलेंस बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं और ब्रांडों और लॉन्ग टर्म कैपिबिलिटी में निवेश को बढ़ाते हुए अपने सकल मार्जिन का निर्माण जारी रखा है। भविष्य को देखते हुए मैं सामान्य मानसून और बेहतर मैक्रो-इकोनॉमिक इंडिकेटर के कारण कंज्यूरम डिमांड में धीरे-धीरे सुधार होने को लेकर आशावादी हूं।''

सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान में बंद, मेटल शेयर चमके, हिंडाल्को में तेजी, टाटा कंज्यूमर गिरा

नई दिल्ली।

बुधवार को शेयर बाजार के कामकाज की समाप्ति अच्छी तेजी पर हुई है। बीएसई सेंसेक्स 115 अंक की तेजी पर 73853 के लेवल पर बंद हुआ है जबकि निफ्टी 45 अंक मजबूत होकर 22413 अंक के लेवल पर बंद होने में सफल रहा है। शेयर बाजार दिन के कामकाज में तेजी बनी रही है। निफ़्टी आईटी पैक में 0.69 फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई जबकि निफ़्टी एफएमसजी इंडेक्स मामूली तेजी पर बंद हुआ है। निफ़्टी ऑटो इंडेक्स में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई। निफ़्टी स्मॉल कैप 50 और निफ़्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स भी कमजोरी पर बंद हुए हैं जबकि निफ्टी मीडिया इंडेक्स में भी मामूली कमजोरी दर्ज की गई है।

निफ्टी ऑटो-निफ्टी आईटी में कमजोरी

बुधवार को दिनभर शेयर बाजार हरे निशान में कामकाज करता रहा। शेयर बाजार एक कामकाज में निफ़्टी आईटी इंडेक्स में मामूली कमजोरी दर्ज की गई और निफ़्टी ऑटो इंडेक्स भी मामूली गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी मिडकैप 100, बीएसई स्मॉल कैप, निफ़्टी बैंक, निफ़्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स में तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के टॉप गैनर्स की बात करें तो हिंडालको, जेएसडब्ल्यू स्टील, सिप्ला, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, कोटक बैंक और एनटीपीसी के शेयरों में अच्छी तेजी दर्ज की गई। शेयर बाजार के टॉप लूजर्स में टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ, टीसीएस, टेक महिंद्रा और अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर शामिल थे। शेयर बाजार के कामकाज में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनियों की बात करें तो गौतम अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से तीन के शेयर तेजी पर रहे जबकि सात कंपनियों के शेयर में नुकसान दर्ज किया गया। अडानी पावर एक फीसदी गिरकर बंद हुआ जबकि एसीसी लिमिटेड 4.5 फीसदी की तेजी पर बंद हुआ है।

मल्टीबैगर शेयर का हाल

गेल इंडिया, कजरिया सेरेमिक्स, साउथ इंडियन बैंक, एबीबी इंडिया लिमिटेड, बंधन बैंक, एलआईसी, इंडियन ऑयल, सवोर्टेक पावर, पंजाब नेशनल बैंक, डीपी वायर्स, वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तेजी दर्ज की गई जबकि गेल, इरेडा, स्पाइसजेट और हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

टाटा, सैमसंग और एलजी को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में मुकेश अंबानी

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज घरेलू कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज मार्केट में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। अभी इसमें एलजी, सैमसंग, वर्लपूल, हायर और डाइकिन जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों का दबदबा है। एसी कैटगरी में टाटा की कंपनी वोल्टास का वर्चस्व है।

नई दिल्ली।

भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी टेलिकॉम और रिटेल के बाद एक और सेक्टर में तहलका मचाने की तैयारी में है। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एक नए मेड-इन-इंडिया ब्रांड वायजर के साथ घरेलू कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज मार्केट में मल्टीनेशनल कंपनियों के दबदबे को खत्म करना चाहती है। अभी देश में टीवी, होम अप्लायंसेज और स्मॉल अप्लायंसेज का मार्केट 1.1 लाख करोड़ रुपये का है। इसमें एलजी, सैमसंग, वर्लपूल, हायर और डाइकिन की 60% है। इसी तरह एसी मार्केट में टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास का दबदबा है।

सूत्रों के मुताबिक रिलायंस की दो घरेलू कॉन्ट्रैक्ट मैन्यूफेक्चर कंपनियों डिक्सन टेक्नोलॉजीज और मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ बातचीत चल रही है। मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली कंपनी ओनिडा की पैरेंट कंपनी है। ब्रांड की बाजार में हिस्सेदारी बढ़ने के बाद कंपनी मीडियम टर्म में अपना प्लांट स्थापित कर सकती है।

रिलायंस की रिटेल यूनिट रिलायंस रिटेल ने हाल ही में वायजर ब्रांड से एयर कूलर लॉन्च किया है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी टेलीविजन, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, स्मॉल अप्लायंसेज और एलईडी बल्ब जैसी श्रेणियों में रेंज का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इन प्रॉडक्ट्स को इन-हाउस डिजाइन और डेवलप करना चाहती है क्योंकि वह विदेशी लेबल के दबदबे वाले इस बाजार में एक घरेलू ब्रांड स्थापित करना चाहती है। कंपनी ने पहले प्राइवेट लेबल ब्रांड रीकनेक्ट लॉन्च किया था, जिसमें थर्ड पार्टी द्वारा बनाए गए प्रॉडक्ट थे। रिलायंस रिटेल के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर दिनेश तलुजा ने 22 अप्रैल को आरआईएल की चौथी तिमाही की अर्निंग कॉल के दौरान एनालिस्ट्स को नए ब्रांड लॉन्च के बारे में बताया था। लेकिन इस बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया था।

क्या है योजना

सूत्रों का कहना है कि कंपनी अपने रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के साथ-साथ इंडिपेंडेंट डीलरों, रीजनल रिटेल चेन और ऐमजॉन तथा फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए वायजर के प्रॉडक्ट बेचना चाहती है। इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट के बी२बी डिस्ट्रीब्यूशन में लगी जियोमार्ट डिजिटल (जेएमडी) वायजर के प्रॉडक्ट्स को दूसरे स्टोर्स तक ले जाएगी। एक सूत्र ने कहा, 'रिलायंस ने पहले ही जियोफोन के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों के वर्चस्व वाले फीचर फोन बाजार में खलबली मचा दी थी। कंपनी मेक-इन-इंडिया की लहर पर सवार होकर इलेक्ट्रॉनिक्स में भी इसी सफलता को दोहराना चाहती है।' साल 2022 में, रिलायंस ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में विस्तार करने के लिए 1,670 करोड़ रुपये में अमेरिका की कंपनी सनमिआ की भारतीय इकाई में 50.1% हिस्सेदारी खरीदी थी। सनमिआ का चेन्नई में 100 एकड़ का परिसर है, जहां वह वायजर उत्पादों के लिए एक प्लांट स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। कंपनी की प्राथमिकता अभी उत्पादों को लॉन्च करना है।

पहले भी कोशिश कर चुकी है कंपनी

रिलायंस रिटेल ने इस बारे सवालों का जवाब नहीं दिया। मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के एमडी विजय मनसुखानी ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि डिक्सन को भेजी गई ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। रिलायंस रिटेल ने इससे पहले अपने ब्रांड रीकनेक्ट के तहत टेलीविजन और कुछ उपकरण बेचने की कोशिश की थी, लेकिन इसमें उसे सीमित सफलता मिली। इन्हें कंपनी के पार्टनर्स ने डिजाइन और डेवलप किया गया था। इन्हें बिना किसी मार्केटिंग पुश के केवल रिलायंस डिजिटल स्टोर्स के जरिए बेचा गया था और इसका मकसद फ्यूचर ग्रुप के प्राइवेट लेबल कोर्यो और टाटा ग्रुप के क्रोमा को टक्कर देना था। रिलायंस रिटेल अभी भी एक्सेसरीज के लिए रीकनेक्ट ब्रांड का इस्तेमाल करता है। इसने कुछ साल पहले बीपीएल और केल्विनेटर ब्रांड के लिए लाइसेंस हासिल किया और कुछ टीवी, रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन मॉडल लॉन्च किए थे।

माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी।

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार, कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नई दिल्ली

सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लाटं पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफेक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजक्शन कैपेसिटी को 50% तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12% तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, ''मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि 'रॉयटर्स झूठ बोल रहा है'।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में 'रिवॉल्यूशनरी मैन्युफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफेक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइनें कुछ रिस्क के साथ आती हैं। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की 'मेजर शिफ्ट' में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मेक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55% तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है। टेस्ला ने कहा कि वो टेक्सास और कैलिफोर्निया में 6,020 कर्मचारियों की छंटनी करेगी।

टोरंटो में भारतीय भूचाल, फिडे कैंडिडेट्स में गुकेश की जीत विश्व शतरंज में बड़ा बदलाव: गैरी कास्परोव

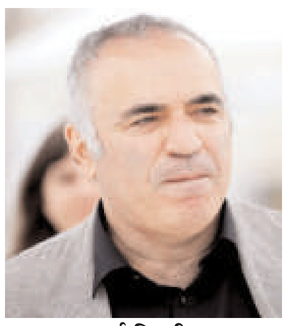

नई दिल्ली

रूस के महान शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने विश्व चैंपियनशिप के लिए चुनौती पेश करने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बनने के लिए भारत के किशोर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश की सराहना करते हुए कहा कि 'टोरंटो में भारतीय भूचाल' आया और यह जीत विश्व शतरंज में बड़े बदलाव का संकेत है। सत्रह साल के गुकेश ने 40 साल पहले कास्परोव के बनाए रिकॉर्ड को तोड़ा। रूसी का यह खिलाड़ी जब 22 वर्ष का था तब उन्होंने 1984 में विश्व खिताब के लिए हमवतन अनातोली कारपोव से भिड़ने के लिए क्वॉलिफाई किया था और वह उस समय के सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। कास्परोव ने अतीत में रूस के दबदबे का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'बधाई हो! टोरंटो में भारतीय भूचाल शतरंज की दुनिया में बदलाव का संकेत है क्योंकि 17 वर्षीय डी गुकेश सर्वोच्च खिताब के लिए चीन के चैंपियन डिंग लिरेन का सामना करेंगे।' यह जीत गुकेश को साल की आखिरी तिमाही में मौजूदा विश्व चैंपियन लिरेन के खिलाफ मुकाबले का हकदार बनाती है। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने

भारत में शतरंज संस्कृति को जन्म दिया और देश इस ग्रैंडमास्टर की सफलता का लाभ उठा रहा है जिसमें हजारों युवा शतरंज को अपना रहे हैं। कास्परोव ने भारतीय शतरंज में आनंद के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा, 'विशी आनंद के 'बच्चे' छाए हुए हैं।' कास्परोव यहां गुकेश की सफलता के बाद ग्रैंड चेस टूर के बधाई ट्वीट का जवाब दे रहे थे। ग्रैंड चेस टूर ने 'एक्स' पर लिखा, 'डी गुकेश को फिडे कैंडिडेट्स में उनकी जीत के लिए बधाई,उन्होंने विश्व चैंपियनशिप मैच में चैलेंजर के रूप में अपनी जगह पक्की की है। हम उत्सुकता से हमारे ग्रैंड शतरंज टूर कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी का इंतजार कर रहे हैं।' एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कास्परोव ने शतरंज के शक्ति केंद्र में बदलाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'अमेरिका और इंग्लैंड के कई शीर्ष जूनियर खिलाड़ियों के नाम देखें, यह देखने के लिए कि चीन और भारत के प्रवासी शतरंज में उपलब्धि हासिल करने के लिए उतने ही जुनूनी हैं।' वर्ष 1985 से 1993 तक निर्विवाद विश्व चैंपियन रहे कास्परोव ने लिखा, 'कास्परोव शतरंज फाउंडेशन ने इस लहर को बढ़ते देखा है और गुकेश की सफलता इसे और ऊपर उठाएगी।' अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के साथ विवाद के बाद कास्परोव ने एक प्रतिद्वंद्वी संगठन पेशेवर शतरंज संघ की स्थापना की थी। वह 1984 से 2005 में नियमित प्रतिस्पर्धी शतरंज से संन्यास लेने तक कुल मिलाकर रिकॉर्ड 255 महीनों के लिए विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे।

मनिका को पछाड़कर भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी श्रीजा

नयी दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की मिश्रित युगल चैंपियन श्रीजा अकुला मंगलवार को नवीनतम आईटीटीएफ रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 38वें स्थान पर पहुंची और मनिका बत्रा को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं। नवीनतम रैंकिंग में श्रीजा को एक स्थान का फायदा हुआ जबकि पिछले कुछ समय से भारत की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका दो स्थान के नुकसान से 39वें पायदान पर खिसक गईं। इस साल 25 साल की श्रीजा ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीटी फीडर कॉरपस क्रिस्टी और डब्ल्यूटीटी फीडर बेरूत टूर्नामेंट में क्रमशः जनवरी और मार्च में खिताब जीते। वह गोवा में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंची। श्रीजा ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अनुभवी अचंता शरत कमल के साथ मिलका स्वर्ण पदक जीता था। यशस्विनी घोरपड़े और अर्चना कामत क्रमशः 99वें और 100वें स्थान पर बरकरार हैं। शरत रैंकिंग में 37वें स्थान के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। जी साथियान और मानव ठाकर ने क्रमशः 60वें और 61वें स्थान पर एक दूसरे की जगह ली है। कुछ महीने पहले शीर्ष रैंकिंग के भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियन हरमीत देसाई नवीनतम सूची में और नीचे 64वें स्थान पर खिसक गए हैं। भारत पहले ही पेरिस ओलंपिक की टीम स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ 16 मई तक उस समय की विश्व रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल में दो एकल खिलाड़ियों की प्रविष्टियों पर फैसला करेगा।

केकेआर प्रबंधन ने स्टार्क का समर्थन किया

एजेंसी ■ कोलकाता

आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विफल रहे हैं। स्टार्क गेंदबाजी के दौरान विकेट के लिए संघर्ष करते हुए दिखे हैं। इसके बाद भी आईपीएल इतिहास के इससे सबसे महंगे खिलाड़ी का टीम प्रबंधन ने समर्थन किया है। केकेआर ने नीलामी में स्टार्क को 24 करोड़ रुपये में खरीदा था। केकेआर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा कि वह इस अनुभवी खिलाड़ी को 'निवेश के नजरिये से नहीं देखते हैं। केकेआर ने आईपीएल नीलामी स्टार्क को रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये की बोली के साथ टीम में शामिल किया था जबकि इसे तभी सही फैसला नहीं माना जा रहा था क्योंकि इस तेज गेंदबाज के पास टी20 प्रारूप में काफी कम अनुभव था। वह नौ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे। वहीं वेंकी मैसूर ने कहा, वह सुपरस्टार है और बेहतरीन खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, हम इसे निवेश के रवैये से नहीं सोचते हैं, क्योंकि आप नीलामी में जाते हैं और नीलामी में ऐसी चीजें होती हैं, जो न तो खिलाड़ी के हाथ में होती हैं और न ही किसी और के हाथ में होती हैं। उन्होंने कहा, हमें बस यही लगा कि स्टार्क जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से काफी महत्व बढ़ेगा। मेरा मतलब है कि टीम में उसकी मौजूदगी से मजबूती मिलती है। उनके पास उस तरह की विशिष्ट कौशल है जिसकी हमारे सहयोगी स्टाफ को तलाश थी। स्टार्क ने अपने शुरुआती दो मैचों में ही 100 रन से ज्यादा दे दिये थे।

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स जीती गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों की दमदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 40वें मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हरा दिया है।225 रनों के लक्ष्य का पीछ करते हुए गुजरात ने आखिरी गेंद तक संघर्ष दिखाया। राशिद खान आखिर गेंद पर छक्का लगाने से चूके और दिल्ली को चार रन से जीत हासिल हुई। दिल्ली की यह नौ मैचों में चौथी जीत है। ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने गुजरात के लिए तेजी से रन बनाने का प्रयास किया। इसी दौरान एनरिक नॉर्टिज दूसरे ओवर में गिल (6) रन को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद साहा ने साई सुदर्शन के दूसरे विकेट के लिये 82 रन जोड़े। साहा को कुलदीप ने आउट किया। साहा ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 39 रन बनाये। 11वें ओवर में अमतउल्लाह उमरजई (1) रन पर आउट हुये। उसके बाद डेविड मिलर ने कमान संभाली। साई सुदर्शन ने 39 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक 65 रन बनाये। वहीं मिलर ने 23 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 55 रनों की अहम पारी खेली। शाहरुख खान (8), राहुल तेवतिया (4), साई किशोर (13) रन बनाकर आउट हुये। राशिद खान 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की टीम निधारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 220 रन ही बना सकी और मुकाबला चार से हार गई। गुजरात की नौ मैचों में यह पांचवी हार है।

दिल्ली की ओर से रसिख सलाम ने तीन विकेट लिये। कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। एनरिक नॉर्टिज, मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 225 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली मुकाबले की शुरुआत चौके से करते हुये अपने इरादे को जाहिर कर दिया। चौथे ओवर में वॉरियर ने नूर के हाथों जेक फ्रेजर को आउट कराकर गुजरात को पहली सफलता दिलायी। फ्रेजर 14 गेंदों में 23 रन बनाये। उसके बाद पृथ्वी शॉ (11) और शो हॉप (5) रन बनाकर आउट हो गये। अक्षर पटेल और ऋषभ पंत ने पारी को संभाला। अक्षर पटेल ने 43 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 66रनों की पारी खेली। उन्हें 17वें ओवर में नूर ने साई किशोर के हाथों कैच आउट कराया। पंत ने 43 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद 88 रनों की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स सात गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 224 रन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटंस की ओर से संदीप वॉरियर ने तीन विकेट लिये और नूर अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर होगा ISL फाइनल

नई दिल्ली

आईएसएल ने कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा।

हांगकांग में एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में मुकाबला करते हुए उजबेकिस्तान के मुजफरबेक और यूएई के डेजफर कोस्टोव।

महिला वनडे की नंबर एक बैटर बनीं चमारी अटापट्टू

दुबई

पिछले सप्ताह साउथ अफ्रीका के ख़िलाफ़ नाबाद 195 रनों की पारी खेलने वालीं चमारी अटापट्टू आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में नंबर एक बैटर बन गई हैं। चमारी की इस पारी ने महिला क्रिकेट के कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए थे, जिसमें वनडे में सफल चेज़ के दौरान सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी शामिल था। वनडे में पुरुष और महिला दोनों ही क्रिकेट में यह सफल चेज़ के दौरान दूसरा सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी था। ग्लेन मैक्सवेल ने 2023 विश्व कप में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ नाबाद 201 रनों की पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के चलते चमारी ने आईसीसी की तालिका में अब तक की अपनी सबसे बड़ी रेटिंग (773) प्राप्त करते हुए पहला स्थान प्राप्त कर लिया। उनके पीछे नाट सिवर ब्रंट हैं जिनके पास 764 रेटिंग अंक हैं। लॉरा वुल्फ़ार्ट भी पांचवें स्थान से दो पायदान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे पीछे बेथ मूनी और स्मृति मांधना हैं। जबकि पाकिस्तान के ख़िलाफ़ अच्छा प्रदर्शन करने वालीं हीली मैथ्यूज़ को भी सात पायदान का फ़ायदा हुआ है और वह अब 11वें स्थान पर हैं।

इंटर मिलान ने एसी मिलान को 2-1 से हराकर जीता अपना 20वां सीरी ए खिताब

नई दिल्ली

इंटर मिलान ने डर्बी में एसी मिलान को 2-1 से हराकर अपना 20वां सीरी ए खिताब जीता है। दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान पर 14 अंकों की बढ़त और केवल छह राउंड शेष होने के साथ तो वहीं इंटर मिलान अपनी 2021 चैंपियनशिप की सफलता को दोहराने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरा। सैन सिरो में मैच में प्रवेश करते हुए इंटर ने लुटारो मार्टिनेज और मार्कस थुरम के साथ एक मजबूत लाइनअप को मैदान में उतारा। मैच की शुरुआत से ही इंटर मिलान ने अपनी पकड़ मजबूत रखी और मैच के 18वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत हुई। इंटर के लिए फ्रांसेस्को एसरबी ने 18वें मिनट पर पहला गोल दागा। कुछ ही मिनटों के बाद एसी मिलान के पास बराबरी करने का मौका था, लेकिन वो चूक गए।

नोवाक जोकोविच लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर 2024

5वीं बार जीता अवॉर्ड, पहली बार फीफा विमेंस वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन को टीम अवॉर्ड,बोनमाती लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर

मैड्रिड

वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर 2024 का अवॉर्ड दिया गया है। जोकोविच का यह पांचवां लॉरियस अवॉर्ड है। 25वीं लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड सेरेमनी 22 अप्रैल को स्पेन के मैड्रिड में हुई। यह अवॉर्ड पिछले साल के अचीवमेंट के लिए दिया जाता है।उन्होंने इस मामले में पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। ये दोनों खिलाड़ी लॉरियस अवॉर्ड के इतिहास में सबसे ज्यादा बार सम्मानित किए गए हैं।

जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम

जोकोविच ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और यूएसए ओपन में टाइटल जीता था। जोकोविच 24 ग्रैंड स्लैम के साथ मेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा टाइटल जीतने वाले खिलाड़ी हैं।

बोनमाती को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर 2024

वहीं स्पेन की ही मिडफील्डर एताना बोनमाती को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स वीमेन ऑफ द ईयर 2024 का पुरस्कार मिला। बोनमाती को पिछले साल फीफा विमेंस वर्ल्ड कप में गोल्डन बॉल ट्रॉफी मिली थी। गोल्डन बॉल टूर्नामेंट की बेस्ट प्लेयर को दिया जाता है।

स्पेन की महिला फुटबॉल टीम को मिला लॉरियस

टीम अवॉर्ड

पिछले साल पहली बार विमेंस फुटबॉल वर्ल्ड कप जीतने वाली स्पेन की टीम को लॉरियस टीम अवॉर्ड से नवाजा गया। फाइनल में स्पेन ने इंग्लैंड को 1-0 से हराया था।

चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी में ससेक्स को दिलाई जीत

पहली पारी में बनाये 85 और दूसरी पारी में नाबाद 44 रन ; ससेक्स चार विकेट से जीता

लंदन

टेस्ट स्पेशलिस्ट चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-2 टूर्नामेंट में 86 और 44 रन की पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया है। पुजारा टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 जून 2023 को खेला था। वे इन दिनों इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-2 टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पुजारा ससेक्स की ओर से खेल रहे हैं।

पहली पारी में शतक से चूके पुजारा

रविवार को ग्लूस्टरशायर और ससेक्स के बीच खेले गए टूर्नामेंट के 12वें मैच में पुजारा पहली पारी में शतक से चूक गए। उन्होंने पहली पारी में चौथे स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए क्रीज पर 219 मिनट तक समय बिताया। पुजारा ने 148 गेंदों में 8 चौके जड़ कर 86 रन बनाए। हालांकि वे शतक से चूक गए। उन्हें रन आउट होकर पवेलियन जाना पड़ा। ग्लूस्टरशायर की पहली पारी में 417 रन बनाने के बाद ससेक्स ने पहली पारी में 479 रन बनाए।

दूसरी पारी में नाबाद 44 रन बना कर टीम को जीत दिलाई

दूसरी पारी में 44 रन बना कर पुजारा ने ससेक्स को जीत दिलाई।

दूसरी पारी में ग्लूस्टरशायर की टीम दूसरी पारी में महज 205 रन पर ढेर हो गई। जवाब में 144 रनों को टारगेट का पीछा करने उरती ससेक्स की टीम 6 विकेट 155 रन पर गिर गए। उसके बाद पुजारा ने ससेक्स की पारी को संभाला और उन्होंने 126 मिनट तक बल्लेबाजी की और 102 गेंदों में 5 चौके जड़ नाबाद 44 रन बनाए। इस शानदार पारी के साथ ससेक्स ने ये मैच 4 विकेट से जीत लिया।

पूर्व क्रिकेटर अभय अब यूगांडा टीम को कोचिंग देंगे

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर अभय शर्मा अब यूगांडा की क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें ये जिम्मेदारी मिली है। अभय भारत ए और भारत की अंडर-19 टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रहे हैं। इसके अलावा वह दिल्ली रणजी टीम के भी कोच रहे हैं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोचिंग समूह का भी हिस्सा रहे हैं।

सुनील नारायण टी-20 विश्वकप के लिए संन्यास से वापसी नहीं करेंगे

मुम्बई

आईपीएल में अपने प्रदर्शन से धूम मचा रहे वेस्टइंडीज के स्पिन ऑलराउंडर सुनील नारायण ने कहा है कि उनकी आगामी टी-20 विश्वकप खेलने के लिए संन्यास से वापसी की कोई योजना नहीं है। नारायण ने ये बात वेस्टइंडीज टी20 टीम के कप्तान रोवमैन पॉवेल के उस बयान को लेकर कही है, जिसमें पॉवेल ने नारायण के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनसे टी20 विश्वकप को देखते हुए वापसी का अनुरोध किया था। पॉवेल ने अनुरोध इस आईपीएल सत्र में उनके प्रदर्शन को देखते हुए किया था। इस पर जवाब देते हुए नारायण

का कहना है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के अवसर अब उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। साथ ही कहा कि वह उन युवा खिलाड़ियों की इस विश्वकप के लिए दावेदारी का समर्थन करेंगे जो पिछले कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं।आम तौर पर देखने में आया है कि आईसीसी टूर्नामेंट आते ही अनुभवी खिलाड़ियों की टीम में वापसी होने लगती है जबकि जो युवा खिलाड़ी लगातार उस फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं उन्हें टीम से बाहर होना पड़ता है। मगर अब सुनील नारायण ने संन्यास से वापसी नहीं करने का फैसला कर युवा खिलाड़ियों का अवसर दिया है। नरेन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, मुझे उम्मीद है कि आप सभी अच्छे और स्वस्थ्य हैं। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से बाहर आने और आगामी टी20 विश्वकप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है।

द्विपक्षीय सीरीज तो छोड़िए, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया!

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि टीम इंडिया अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकती है। इसके साथ ही वेन्यू शिफ्ट भी हो सकता है, या फिर हाइब्रिड मॉडल का रास्ता भी चुना जा सकता है। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उनके साथ द्विपक्षीय सीरीज खेलने के लिए तैयार है।

सरकार से अनुमति मिलना मुश्किल

बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान के साथ वर्तमान रिश्तों को देखते हुए सरकार से वहां जाने की अनुमति मिलना मुश्किल है। सूत्र ने कहा,द्विपक्षीय सीरीज भूल जाइए... टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा भी नहीं कर सकती है। आयोजन स्थल में बदलाव हो सकता है या फिर हाइब्रिड मॉडल भी संभव है। भारतीय बोर्ड को यात्रा के लिए सरकार से अनुमति की आवश्यकता होगी, वर्तमान में पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध भी अच्छे नहीं हैं। ऐसे में यह लगभग असंभव है।

संक्षिप्त पर महत्वपूर्ण

रूसी उप रक्षा मंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया गया

मॉस्को । रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर कहा, ₹रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है।₹ मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने वीज़ा नियमों का किया उल्लंघन' अधिकारियों ने भारत छोड़ने के लिए किया मजबूर

मॉस्को । एक अधिकारी ने ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार अवनि डायस के खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर पर रिपोर्टिंग के कारण भारत छोड़ने के लिए मजबूर होने के दावे का खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने 'वीजा नियमों का उल्लंघन' किया है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से नई एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, डायस को अपने पेशेवर कार्यों के दौरान वीजा नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया था। इससे पहले मंगलवार को, 19 अप्रैल को भारत छोड़ने वाली ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) की दक्षिण एशिया संवाददाता ने दावा किया था कि मोदी सरकार ने उनके वीजा के विस्तार से इनकार कर दिया था।

पहली बार अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी जाएंगे प्रधानमंत्री ऋषि सुनक

बर्लिन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पदभार संभालने के 18 महीने बाद बुधवार को पहली बार बर्लिन जाएंगे। अपने जर्मन समकक्ष ओलाफ स्कोल्ज के साथ उनकी बैठक यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता और गाजा में युद्ध पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही रवांडा के साथ विवादास्पदब्रिटिश शरण संधि पर भी चर्चा होने की संभावना है जिसे ब्रिटिश संसद ने मंगलवार को मंजूरी दी थी। ब्रिटेन चार साल से अधिक समय से यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है, लेकिन फिर भी यह नाटो जी7 और जी20 में जर्मनी के सबसे महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक है। यह देश यूक्रेन का सबसे महत्वपूर्ण यूरोपीय हथियार आपूर्तिकर्ता है और इसने हाल ही में बड़ी मात्रा में नई सैन्य सहायता देने का वादा किया है।

ईरानी राष्ट्रपति का तीन दिवसीय दौरा हुआ समाप्त, व्यापार-ऊर्जा समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा

इस्लामाबाद । ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी का तीन दिवसीय पाकिस्तान दौरा बुधवार को खत्म हो गया। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव के बाद यह किसी भी विदेशी नेता का पहला दौरा था। अपने तीन दिवसीय दौरे पर ईरानी राष्ट्रपति रईसी ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना के प्रमुख आसिम मुनीर, सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी, नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक और सिंध एवं पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल से मुलाकात की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया, दोनों पक्षों के बीच सार्थक चर्चाएं हुई।

मंजूरी ▸▸ ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया

अमेरिकी संसद में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी

- अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई।

एजेंसी,वॉशिंगटन

कई महीनों के इंतजार के बाद अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। अमेरिका के उच्च सदन में मंगलवार को 79 विधायकों ने इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया था, जबकि 18 इसके खिलाफ थे। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते यह विधेयक अमेरिकी संसद के निचले सदन-हाउज ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पास हुआ था। तब रिपब्लिकन नेताओं ने अचानक से अपना रुख बदल लिया और यूक्रेन, इस्राइल एवं ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की ज्यादातर सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया। बता दें कि सीनेट ने चार विधेयकों को एक पैकेज में बदल दिया था।

यूक्रेन को मिला सबसे बड़ा पैकेज

इन पैकेजों में सबसे बड़ा हिस्सा 61 अरब डॉलर की सहायता यूक्रेन को प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 26 अरब डॉलर इस्राइल और दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता एवं तीसरा हिस्सा 8.12 अरब कम्युनिस्ट चीन का मुकाबला करने के लिए रखा गया है। चौथे विधेयक को सदन में पिछले हफ्ते जोड़ा गया था। इसमें चीनी नियंत्रित सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध, जब्त की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन में स्थानांतरित करने के उपाय और ईरान पर नए प्रतिबंध शामिल हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वादा किया था कि जैसे ही सदन में इसे पास किया जाएगा, वह इसपर हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदल देंगे। दो अधिकारियों ने बताया कि बाइडन प्रशासन पहले से ही यूक्रेन के लिए एक अरब की सैन्य सहायता पैकेज तैयार कर रही है।

यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा अमेरिका

अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन नेताओं ने बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य विदेशी विरोधियों को यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। बताया गया कि नवंबर में चुनाव होने तक यूक्रेन को सहायता पैकेज की मंजूरी दी जा सकती है। बता दें कि यह राहत पैकेज अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने पेश किया था। इसके तहत यूक्रेन और इस्राइल के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी सहायता राशि भेजने का प्रस्ताव है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होंगे

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका-रूस का टकराव तय, अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की दौड़ बनेगा मुद्दा

- संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने रूस पर एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह एक एंटी सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित कर रहा है।

एजेंसी,वॉशिंगटन

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ने रूस पर एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह एक एंटी सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। जिसे रूस के रक्षामंत्री ने नकार दिया। रूस और संयुक्त राष्ट्र अमेरिका अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होंगे। इसमें मतदान होगा, जो कि बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ को रोकने के लिए देशों को सहमति का अमेरिका ने प्रस्ताव तैयार किया। कुछ समय पर अमेरिका ने रूस पर आरोप लगाया था कि वह एंटी सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित कर रहा है। हालांकि रूस के रक्षा मंत्री ने अमेरिका के इस आरोप को सिरे से नकार दिया। वहीं कुछ राजनीतिज्ञों की मानें तो रूस इस प्रस्ताव को रोक सकता है। वहीं अमेरिका ने भी यह कदम मॉस्को पर अंतरिक्ष में एंटी-सैटेलाइट परमाणु हथियार विकसित करने के आरोप लगाने के बाद उठाया। दरअसल शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड और जापान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत यामाजाकी काजुयुकी ने शुक्रवार को बयान दिया था कि वे छह सप्ताह से प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद के सदस्यों से बातचीत कर रहे हैं। यह प्रस्ताव बाहरी अंतरिक्ष संधि का पालन करने के राज्यों के कर्त्तव्यों का पालन कराने के लिए तैयार कराया गया है। जिससे बाहरी अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ को रोकने के उद्देश्य में सक्रिय रूप से योगदान के लिए है।

1967 की अंतरिक्ष संधि

रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका समेत कई देशों ने 1967 में बाहरी अंतरिक्ष संधि पर हस्ताक्षर किया था। इस संधि में पृथ्वी के चारों ओर कक्षा में परमाणु हथियार या किसी अन्य प्रकार के सामूहिक विनाश के हथियार ले जाने वाली वस्तुओं को रखने से रोकती है।

हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए

हिजबुल्ला का इजरायल पर आक्रामक हमला, एक साथ दागे 35 रॉकेट, हवाई हमले के बजने लगे सायरन

- ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए उत्तरी इजरायल में 35 राकेट दागे हैं।
- इजरायल ने भी दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए।
- इजरायली रक्षा बलों ने दक्षिणी लेबनान में राकेट लांचरों से

एजेंसी,यरुशलम

ईरान समर्थित लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए उत्तरी इजरायल में 35 राकेट दागे हैं। राकेटों हमले से उत्तरी इजरायल के सफेड शहर और आसपास के क्षेत्रों में हवाई हमले के सायरन बज गए। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि हमले में कोई घायल नहीं हुआ है। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिण लेबनान में हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे पर हवाई हमले किए। गाजा पट्टी में युद्ध की शुरुआत के एक दिन बाद आठ अक्टूबर, 2023 से इजरायल और हिजबुल्ला के बीच चल रही सीमा पार लड़ाई में यह हिंसा नवीनतम थी।

283 लोगों की सामूहिक कब्रें मिलने के दावे

इससे पहले सोमवार को इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अरजौन और ओडाइसेह गांवों में दो बुनियादी संरचनाओं पर हमला किया था, जहां हिजबुल्ला लड़ाके मौजूद थे। उधर, खान यूनिस के खाली पड़े सबसे बड़े अस्पताल परिसर में 283 लोगों की सामूहिक कब्रें मिलने के दावे को इजरायली सेना ने खारिज कर दिया है।

पिता-पुत्र पर लगा चीन के लिए जासूसी करने का आरोप, ताइवान की अदालत ने सुनाई 8 साल की सजा

ताइपे (ताइवान)। ताइनान की एक अदालत ने चीन में व्यापारिक उद्यमों में शामिल एक पिता और उसके बेटे को सजा सुनाई है। बता दें कि दोनों को चीनी खुफिया विभाग की ओर से जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए आठ साल की जेल हुई है। इसकी जानकारी सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान (सीएनए) की रिपोर्ट में दी गई है। अपने फैसले में, ताइवान उच्च न्यायालय की ताइनान शाखा ने दो लोगों को, जिनका उपनाम हुआंग से पहचाना गया, एक जासूसी नेटवर्क को संचालित करने का दोषी घोषित किया, जिसने चीन के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए सक्रिय-ड्यूटी सैन्य कर्मियों की भर्ती की थी। सेंट्रल न्यूज एजेंसी ताइवान के अनुसार, ताइनान शाखा अदालत के अनुसार, मुकदमे के दौरान, दोनों व्यक्तियों ने अपने गलत काम कबूल कर लिए। अभियोजन पक्ष के मामले के अनुसार, पिता और पुत्र, जिन्होंने पहले 2015 में जियामेन में एक व्यवसाय संचालित किया था, को एक चीनी खुफिया अधिकारी से मिलवाया गया था, जिन्होंने ताइवान में एक जासूसी नेटवर्क स्थापित करने में उनकी सहायता का आग्रह किया था।

इराकी राष्ट्रपति अब्दुल लतीफ राशिद (दाएं) ने इराक के बगदाद में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन से मुलाकात की।

उड़ान भरने के बाद बर्फ से जमी नदी में गिरा ईंधन ले जा रहा विमान, लगी आग, सवार दो लोगों की मौत

अलास्का । डगलस सी-54 विमान जो कि ईंधन लेकर जा रहा था, वह अलास्का के फेयरबैंक्स में उड़ान भरने के बाद एक जमी हुई नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एबीसी न्यूज ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के हवाले से बताया कि विमान में दो लोग सवार थे। 91 ईंधन परिवहन विमान जो कि अलास्का एयर फ्यूल संचालित करता है, वह सुबह लगभग 10 बजे तनाना नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने फेयरबैंक्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। अलास्का सार्वजनिक सुरक्षा विमान के अनुसार विमान नदी के किनारे एक खाड़ी में विमान फिसल गया, उसमें यहां आग लग गई। विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा। हालांकि एनटीएसबी ने कुछ एजेंट घटनास्थल पर भेजे हैं, जो कि मामले की जांच कर रहे हैं। इस जांच में एयरपोर्ट के अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी। इसके साथ ही एफएए भी घटना की छानबीन करेगा।

गाजा युद्धविराम वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करेगा कतर

दोहा । कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि कतर, इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। माजिद अल-अंसारी ने मंगलवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, विभिन्न मीडिया आउटलेट्स और अधिकारियों का मकसद मध्यस्थ के रूप में कतर की भूमिका पर हमला करना था। वे ऐसे हमलों को सही ठहराने के लिए गलत जानकारी का इस्तेमाल कर रहे हैं। कतर को कुछ इजरायली और अमेरिकी राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने खाड़ी देश पर आतंकवादी संगठन के बहुत करीब होने का आरोप लगाया है। संघर्ष की शुरुआत के बाद से दोहा ने बार-बार आरोपों को खारिज किया है। गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को सुविधाजनक बनाने के मकसद से इजरायल और हमास के बीच बातचीत में गतिरोध आ गया है। प्रवक्ता ने कहा, हम यह देखेंगे कि क्या दोनों पक्षों की स्थिति में कोई बदलाव आया है जिससे बातचीत आगे बढ़े।

परेशनी ▸▸ प्रेमी को एक ही दिन में 100 से अधिक बार कॉल किया और उसने कोई जवाब नहीं दिया

प्रेमिका अपने प्रेमी को दिन में करती थी 100 से ज्यादा कॉल, डॉक्टरों ने बताया 'लव ब्रेन डिसऑर्डर'

महिला को किया गया चीन के अस्पताल में भर्ती

एजेंसी,बीजिंग

प्यार को लेकर आपने कई कहानियां सुनी होंगी लेकिन चीन की ये कहानी उन कई कहानियों से बेहद अलग है। बता दें कि चीन में एक 18 वर्षीय महिला जियाओयू को अपने बॉयफ्रेंड के प्रति प्यार और जुनून इस कदर हावी हो गया है कि महिला अपने प्रेमी के बारे में सब कुछ जानना चाहती है। जैसे वह कहां है, क्या कर रहा है। इतना ही नहीं महिला अपने प्रेमी को दिन भर में एक या दो नहीं बल्कि 100 कॉल्स और मैसेज भेजती थी। अपनी प्रेमिका से परेशान होकर लड़के को पुलिस की भी मदद लेनी पड़ी। इस खबर में पढ़िए कि आखिर क्या होता है लव ब्रेन और कैसे होती है ये बीमारी? स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, जियाओयू का बिहेवियर उसके कॉलेज के पहले साल के दौरान ही शुरू हो गया था। वह कथित तौर पर अपने प्रेमी पर अत्यधिक निर्भर हो गई थी और उसका प्रेमी कहां है, क्या कर रहा है और किसके साथ है। इन सबके बारे में लगातार अपडेट चाहती थी। ये सब जानने के लिए जियाओयू अपने प्रेमी को दिन भर में 100 से ज्यादा बार फोन करती थी और मैसेज भी करती थी। स्थिति तब बिगड़ गई जब जियाओयू ने अपने प्रेमी को एक ही दिन में 100 से अधिक बार कॉल किया और उसने कोई जवाब नहीं दिया। बॉयफ्रेंड के जवाब नहीं देने के बाद जियाओयू बहुत गुस्सा और परेशान हो गई। इस दौरान जियाओयू ने गुस्से में अपने घर का सामान भी तोड़ दिया। इस घटना के बाद जियाओयू और अपनी सुरक्षा को लेकर प्रेमी ने पुलिस को बुला लिया।

क्या है ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर?

अमरीकी हेल्थ वेबसाइट 'हेल्थलाइन' के मुताबिक़, ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर एक तरह की 'साइकोलॉजिकल कंडीशन' है जिसमें लोग किसी एक शख़्स पर असामान्य रूप से मुग्ध हो जाते हैं और उन्हें लगता है कि वो उससे प्यार करते हैं। उन्हें ऐसा लगने लगता है कि उस शख़्स पर सिर्फ उनका हक है और उसे भी बदले में उनसे प्यार करना चाहिए। अगर दूसरा शख़्स उनसे प्यार नहीं करता है तो वो इसेस्वीकार नहीं कर पाते हैं। वो दूसरे शख़्स और उसकी भावनाओं पर पूरी तरह काबू पाना चाहते हैं।

> बॉयफ्रेंड के जवाब नहीं देने के बाद जियाओयू बहुत गुस्सा और परेशान हो गई।

बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्ड से पीड़ित है लड़की

स्थिति तब और भयावह हो गई जब जियाओयू अपनेल घर की बालकनी से कूदने की धमकी देने लगी। इसी दौरान पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और लड़की को काबू में किया। द साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर का पता चला।

डॉक्टर ने खोले कई अहम राज

जिस अस्पताल में जियाओयू का इलाज किया गया था, वहां के डॉक्टर डॉ। डू ना ने बताया कि बॉर्डरलाइन व्यक्तित्व विकार कभी-कभी चिंता, अवसाद और द्विध्रुवी विकार जैसी अन्य स्थितियों के साथ भी हो सकता है। डॉ। डू ने यह भी सुझाव दिया कि ऐसी स्थितियाँ बचपन के अस्वस्थ लगाव से जुड़ी हो सकती हैं। डू ने कहा, लड़की ने अपने प्रेमी से ऐसी उम्मीद की थी कि वह उसके मैसेज और कॉल्स का तुरंत जवाब देगा। डू ने जियाओयू की बीमारी के कारण का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि यह अक्सर उन लोगों में होता है जिनके बचपन के दौरान अपने माता-पिता के साथ स्वस्थ संबंध नहीं थे।

क्यों कहा जाता है 'लव ब्रेन'?

'लव ब्रेन' किसी तरह का कोई चिकित्सीय शब्द नहीं है, लेकिन रोमांटिक रिश्तों में प्रेमी-प्रेमिकाओं के बीच इस प्रकार के जुनूनी व्यवहार को 'लव ब्रेन' से समझ सकते हैं। जब हम हद से ज्यादा किसी को प्यार करने लग जाते हैं और उस पर निर्भर हो जाते हैं।।। और जब किसी का प्यार किसी दूसरे व्यक्ति पर इस कदर हावी हो जाए कि वो उसे हर समय अपने साथ देखना चाहते हो उनके साथ रहना चाहते हो तो इसे लव ब्रेन कह सकते हैं।

गुरुवार का ये छोटा सा उपाय करेगा गुरु ग्रह को मजबूत

खुलेंगे तरक्की के नए द्वार

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन का स्वामी बृहस्पति है। इस दिन को धन, समृद्धि, ऐश्वर्य, ज्ञान और संतान का कारक माना जाता है। इस दिन बहुत से लोग व्रत रखते हैं। विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। इस दिन आप कई तरह के उपाय भी कर सकते हैं। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। करियर में सफलता मिलेगी। किसी भी कार्य को करने में बाधाएं आ रही हैं तो आप इन उपायों कर सकते हैं। ये इन बाधाओं से छुटकारा दिलाने में मदद करेंगे। विवाह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए भी आप इस दिन कई तरह के उपाय कर सकते हैं। आइए जानें कौन से ये उपाय...

गुरुवार के दिन करें ये काम

इस दिन पीले रंग का इस्तेमाल अधिक करें। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनें। पीले फलों और मिठाई का सेवन करें।

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। स्नान के बाद ॐ बृं बृहस्पतये नमः मंत्र का जाप करें। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

इस दिन भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा एक साथ करें। बृहस्पतिवार को व्रत कथा का पाठ करें। इससे दांपत्य जीवन सुखमय होता है। घर में सुख-समृद्धि आती है। गुरुवार के दिन गाय को आटे की लोई खिलाएं। लोई में चने की दाल, गुड़ और हल्दी डालकर खिलाएं। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। स्नान करने वाले पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर स्नान करें।

इस दिन किसी जरूरतमंद व्यक्ति को दाल, केले और पीले कपड़ों का दान करें। गुरुवार के दिन किसी से उधार ने लें। ऐसा करने से आपकी कुंडली में गुरु की स्थिति कमजोर होती है। इस कारण आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। गुरुवार के दिन पूजा करने के बाद अपनी कलाई और गर्दन पर हल्दी का टीका लगाएं। ऐसा करने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है। इससे हर कार्य में व्यक्ति को सफलता मिलती है।

गुरुवार के दिन केले के वृक्ष को जल अर्पित करें। इसके सामने देसी घी का दीपक जलाएं। गुरु के 108 नामों का उच्चारण करें। इससे विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। गुरुवार के दिन पूजा घर में हल्दी की माला लटकाएं। कार्यस्थल पर पीले रंग की वास्तुओं का इस्तेमाल करें। भगवान लक्ष्मी और नारायण को लड्डू का भोग लगाएं। इससे व्यवसाय में चल रही बाधाएं दूर होती हैं।

विकट संकष्टी चतुर्थी को होती है गणपति की पूजा

जानिए इस खास चतुर्थी की तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

पार्वती पुत्र गणपति को बुद्धि और समृद्धि का देवता माना जाता है। उन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। हर माह की चतुर्थी तिथि भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी विकट संकष्टी चतुर्थी कहलाती है। विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत बहुत महत्व रखता है। इस दिन गणपति की पूजा से जीवन के सभी समस्याओं से मुक्ति प्राप्त होती है। आइए जानते हैं विकट संकष्टी चतुर्थी की तिथि, मुहूर्त और पूजा विधि.....

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी की तिथि अप्रैल की 27 तारीख को सुबह 8 बजकर 17 मिनट से शुरू होगी और अप्रैल की 28 तारीख को सुबह 8 बजकर 21 मिनट पर समाप्त होगी। संकष्टी चतुर्थी का व्रत 27 अप्रैल शनिवार को रखा जाएगा। विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन का ब्रह्म मुहूर्त 4 बजकर 17 मिनट तक है और अभिजीत मुहूर्त या शुभ मुहूर्त सुबह 11बजकर 53 से दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक है। व्रत के दिन शुभ-उत्तम मुहूर्त सुबह 7 बजकर 22 मिनट से 9 बजकर 1 मिनट तक है। सुबह में विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत की पूजा होगी और रात को चंद्रोदय होने पर पूजन एवं अर्घ्य दिया जाएगा।

विकट संकष्टी चतुर्थी की पूजा विधि

विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन प्रात: जल्दी स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें और वेदी पर भगवान भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करें। गंगा जल से पवित्र कर प्रभु को कुमकुम से तिलक करें। पीले फूलों की माला पहनाएं और मोदक का भोग लगाएं।

गणपति जी सामने देसी घी का दीपक जलाएं। वैदिक मंत्रों से भगवान गणेश का आह्वान करें और विधि विधान से पूजा के बाद संकष्टी चतुर्थी व्रत कथा का पाठ जरूर करें। आरती के बाद प्रदास ग्रहण करें।

इस मंत्र का पाठ करें

त्रयीमयायाखिलबुद्धिदात्रे बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय।
नित्याय सत्याय च नित्यबुद्धि नित्यं निरीहाय नमोस्तु नित्यम्।

अक्षय तृतीया से लेकर सीता नवमी तक

वैशाख माह में आएंगे ये व्रत- त्योहार

वैशाख माह हिंदू नववर्ष का दूसरा महीना होता है। इस माह में भगवान विष्णु की पूजा-उपासना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस माह में भगवान बुद्ध और भगवान परशुराम का जन्म भी हुआ था। इस माह में पुण्य और धन प्राप्ति के कई अवसर आते हैं। साथ ही इस माह में सीता जयंती भी पड़ती है। धार्मिक दृष्टि से यह माह बेहद खास होता है। इस महीने को माधव मास भी कहा जाता है। वैशाख माह में भगवान कृष्ण के माधव रूप की पूजा की जाती है। स्नान-दान, मांगलिक और शुभ कार्यों के लिए वैशाख माह बेहद शुभ माना जाता है।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह में कई खास महत्वपूर्ण त्योहार और व्रत आते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख त्योहार हैं- अक्षय तृतीया, वरुथिनी एकादशी, सीता नवमी और भगवान नृसिंह जयंती आदि। आइए जानते हैं वैशाख माह में कब कौन सा त्योहार-व्रत पड़ रहा है।

शुरू हो गया वैशाख माह 2024

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 24 अप्रैल को सुबह 5 बजकर 18 से मिनट से शुरू हो गई और इस तिथि का समापन 25 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 46 मिनट पर होगा। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि का सूर्योदय 24 अप्रैल बुधवार को हुआ था। इस दिन से ही वैशाख माह की शुरुआत हो चुकी और इस माह का समापन 23 मई को होगा।

वैशाख माह के व्रत-त्योहार 2024

27 अप्रैल 2024 (शनिवार) – विकट संकष्टी चतुर्थी
2 मई 2024 (गुरुवार) – पंचक शुरू
4 मई 2024 (शनिवार) – वरुथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती
5 मई 2024 (रविवार) – प्रदोष व्रत (कृष्ण)
6 मई 2024 (सोमवार)– मासिक शिवरात्रि
8 मई 2024 (मंगलवार) – वैशाख अमावस्या, टैगोर जयंती
10 मई 2024 (बुधवार) – अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती
11 मई 2024 (गुरुवार) – विनायक चतुर्थी
12 मई 2024 (शुक्रवार) – शंकराचार्य जयंती, रामानुज जयंती
14 मई 2024 (मंगलवार) – वृष संक्रांति, गंगा सप्तमी
15 मई 2024 (बुधवार) – बगलामुखी जयंती
17 मई 2024 (शुक्रवार) – सीता नवमी
19 मई 2024 (रविवार) – मोहिनी एकादशी
20 मई 2024 (सोमवार) – प्रदोष व्रत (शुक्ल)
22 मई 2024 (बुधवार) – नरसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती
23 मई 2024 (गुरुवार)– वैशाख पूर्णिमा व्रत, बुद्ध पूर्णिमा

वैशाख माह का महत्व

वैशाख मास में भगवान विष्णु की पूजा करने से कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख माह में ही भगवान विष्णु ने परशुराम अवतार लिया था। मान्यता है कि भगवान परशुराम की पूजा करने से सभी संकट दूर हो जाते हैं और शत्रुओं पर भी विजय प्राप्त होती है।

इसके अलावा वैशाख माह में गंगा स्नान और दान का भी महत्व माना जाता है। वैशाख में गंगा स्नान करने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है।

भगवान को लगाते हैं भोग तो इतनी देर से ज्यादा न रखें प्रसाद

जानें इससे जुड़े नियम

कहते हैं जब हमारे घर में देवी-देवता विराजमान होते हैं, तो उनकी पूजा-पाठ करने के साथ ही उन्हें भोग लगाने का विशेष महत्व होता है। शास्त्रों में तो यह तक कहा गया है कि देवी देवताओं को दिन में चार बार भोग जरूर लगाना चाहिए और जो हम घर में खाना बनाते हैं, सात्विक तरीके से उसी को बना कर भोग स्वरूप भगवान को अर्पित करना चाहिए। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि जब हम भगवान को भोग या नैवेद्य अर्पित करते हैं तो इसका सही तरीका क्या है और कितनी देर तक हमें भगवान के समक्ष भोग रखना चाहिए?

भगवान के सामने कितनी देर रखें भोग

अमूमन हमें खाना खाने में 5, 10 या 15 मिनट लगता है। ऐसे में जब आप भगवान को भोग लगाते हैं तो उनके समक्ष लगाया हुआ भोग कभी भी तुरंत नहीं हटाना चाहिए, ना ही इसे बहुत देर तक उनके सामने रखना चाहिए। भोग को आप 10-15 मिनट बाद उनके सामने से हटा लें। जिस तरीके से हम खाना खाते हैं उसी तरीके से भगवान को भी खाना खाने में या भोग ग्रहण करने में इतना ही समय लगता है। ऐसे में आप 10 या 15 मिनट बाद भोग को हटाकर उसे वितरित करें। भोग बांटने का नियम यह कहता है कि आप जितने ज्यादा लोगों को भगवान के भोग को वितरित करते हैं उतना ही ज्यादा फल आपको मिलता है।

भोग से जुड़े अन्य नियम

जब आप भगवान को भोग लगाते हैं तो सबसे जरूरी होता है कि उनका भोग शुद्धता के साथ बनाया हुआ हो। इतना ही नहीं भोग लगाते समय आपको इस मंत्र (चरपींर) का जाप करना चाहिए- मत्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये। गृहाण सम्मुखो भूत्वा प्रसीद परमेश्वरफ। याद रखें कि भोग लगाते समय आप भगवान को चांदी, तांबे, पीतल, सोने या मिट्टी से बने पात्र में भोग रखकर अर्पित करें, यह धातुएं शुद्ध मानी जाती हैं। एल्यूमिनियम, लोहा, स्टील, प्लास्टिक या कांच के बर्तन में भोग लगाने की गलती बिल्कुल भी ना करें।

छत्तीसगढ़ में रतनपुर के मंदिर में नारी रूप में पूजे जाते हैं हनुमान

भगवान श्रीराम के भक्त एवं पवनपुत्र हनुमान को बाल ब्रह्मचारी कहा जाता है और शास्त्रों में महिलाओं को उनकी मूर्ति को स्पर्श करना वर्जित है ,लेकिन छत्तीसगढ़ में एक ऐसा भी मंदिर है जहां हनुमान जी को नारी रूप में पूजा जाता है।बिलासपुर जिले में रतनपुर के समीप गिरजाबंध के मंदिर में बजरंगबली की नारीस्वरूप में प्रतिमा स्थापित है और माना जाता है कि यहां दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती है।

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस मंदिर का इतिहास करीब 10 हजार साल पुराना है।

इसका निर्माण स्थापना तत्कालीन राजा पृथ्वी देवजू ने करवाया था। एक समय राजा पृथ्वी को कुष्ठ रोग हो गया। अनेक उपाय किये जाने के बावजूद उनका रोग ठीक नहीं हुआ। तब उन्हें किसी ज्योतिष ने हनुमान जी की पूजा-उपासना करने की सलाह दी। राजा पृथ्वी ने हनुमान जी की कठिन भक्ति की, जिससे प्रसन्न होकर हनुमान जी ने एक रात स्वप्न में उन्हें दर्शन दिये और कहा कि अपने क्षेत्र में एक मंदिर बनवाने के साथ समीप ही सरोवर खुदवाओ तथा इस सरोवर में स्नान करने से ये कुष्ठ रोग दूर हो जायेगा। ऐसा करने पर राजा रोगमुक्त हो गये। इसके कुछ दिन बाद राजा को हनुमान जी का स्वप्न आया कि सरोवर में एक प्रतिमा अवस्थित है जिसे मंदिर में स्थापित करो। राजा के सेवकों ने सरोवर में प्रतिमा की तलाश की तो उन्हें हनुमान जी की नारी स्वरूप वाली प्रतिमा मिली, जिसे मंदिर में स्थापित किया गया।

कई विशेषताओं को समेटे इस मूर्ति में अद्भुत चमक है। इसका मुख दक्षिण की ओर है। मूर्ति में हनुमान जी के कंधों पर भगवान राम और लक्ष्मण की झलक है। उनके एक हाथ में माला और दूसरे हाथ में लड्डुओं से भरी थाली है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मंदिर में आने वाले भक्त हजारों मन्नत लेकर आते हैं और इस जगह से वे कभी निराश नहीं होते। लोगों की आस्था और इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का एक और कैंप ध्वस्त

नारायणपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के ओरछा थाना क्षेत्र में बुधवार को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के कैंप पर धावा बोलकर कैंप को ध्वस्त कर दिया।

जवानों के पहुंचने के पहले ही सारे नक्सली मौके से भाग निकले। पुलिस ने मौके से बम बनाने का सामान सहित अन्य विस्फोटक सामान बरामद किए हैं।नारायणपुर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से इनपुट मिला था कि अबूझमाड़ के बड़ेरायनार के जंगल और पहाड़ में नक्सलियों की मौजूदगी है। इस सूचना पर जिला पुलिस बल, डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ की 16वीं बटालियन की संयुक्त टुकड़ी को मौके के लिए रवाना किया गया। तलाश करते हुए जवान इस इलाके के जंगल में पहुंचे।

इधर जवानों को आता देख नक्सलियों के इन्फॉर्मर ने इसकी सूचना दे दी। जिसके बाद मौका रहते सारे नक्सली कैंप छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने घेराबंदी कर नक्सलियों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें इसमें नाकामी हाथ लगी।

जवानों ने नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया। मौके से बम बनाने का सामान, प्रेशर कुकर, बैटरी, बिजली वायर, नक्सली बैनर-पोस्टर और दैनिक उपयोग का अन्य सामान बरामद किया गया है।

नेहा की तस्वीरें लीक करने में कर्नाटक सरकार का हाथ : प्रह्लाद जोशी

हुबली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं कर्नाटक में धारवाड़ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को आरोप लगाया कि नेहा हिरेमथ के कथित हत्यारे के मोबाइल से तस्वीरें लीक करने के पीछे राज्य की कांग्रेस सरकार का हाथ है। श्री जोशी ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से सवालिया लहजे में कहा कि जब आरोपी जेल में था तो उसके मोबाइल से तस्वीरें किसने लीक की। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर तस्वीरें लीक करने में शामिल होने का आरोप लगाया और मामले की जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

नेहा की हत्या के बाद हुबली में एक युवती पर हमले की घटना के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा, धर्मान्तरण से इनकार करने पर युवती के साथ मारपीट की गयी। हुबली क्षेत्र में हिंदू संगठन और समुदाय मजबूत हैं तथा यहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो अन्य जगहों पर क्या स्थिति है। महिलाओं की सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव पर व्यापक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उन्होने कहा, तुष्टिकरण की राजनीति में शामिल लोगों को सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहिए।

अन्यथा हमारे लिए हिंदू धर्म और संस्कृति को अपने घरों में बनाए रखना मुश्किल होगा। गौरतलब है कि हुबली-धारवाड़ नगरपालिक निगम के कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की पुत्री नेहा की गत 18 अप्रैल को उसके कॉलेज सहपाठी फयाज कोंडिकोप्पा ने कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। नेहा के परिवार ने लव जिहाद का आरोप लगाया है।

कांस्टेबल 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुग्राम के दुर्गा शक्ति-2 पर तैनात कांस्टेबल को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी विकास ने शिकायतकर्ता की सेक्टर-33 स्थित फास्ट फूड की दुकान पर छापा न कराने के बदले में रिश्वत की मांग थी। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि आरोपी ने दुकान पर सीआईए गुरुग्राम की टीम द्वारा नशीले पदार्थ को लेकर छापा डालने से डराया था।

प्रवक्ता ने आमजन से अपील करते हुये कहा कि यदि कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी सरकारी काम करने की एवज में रिश्वत की मांग करता है तो तुरंत इसकी जानकारी एसीबी के टोल फ्री नंबर - 1800-180-2022 तथा 1064 पर देना सुनिश्चित करें।

सोलह वर्ष से फरार 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने अंतर्राज्यीय ट्रेक्टर चोर गिरोह के 25 हजार रूपए के इनामी सरगना को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि 16 वर्षों से फरार महेश पण्ड्या (44) निवासी भरना खुर्द थाना बरसाना, जिला मथुरा उत्तर प्रदेश को भरतपुर से पकड़ लिया है। आरोपी महेश पण्ड्या और अन्य के विरुद्ध साल 2008 में कोटा ग्रामीण जिले के थाना कोथून में चोरी के ट्रैक्टर के कूटरचित कागज तैयार कर खरीद-फरोख्त का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें घटना के वक्त से ही आरोपी फरार चल रहा था।

जनता मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को आतुर: शर्मा

पन्ना, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को कहा कि खजुराहो की जनता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को आतुर है। जनता के मूड को देखते हुए पहले कांग्रेस ने और फिर समाजवादी पार्टी ने मैदान छोड़ दिया। श्री शर्मा ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पन्ना में भगवान जुगल किशोर मंदिर में पूजन अर्चन कर रोड शो में शामिल होकर जनता का अभिवादन किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न समाज के पदाधिकारियों, व्यापारियों और आमजन से संवाद किया। श्री शर्मा ने गांधी चौक में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष का कौन उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है, नजर ही नहीं आता। इस क्षेत्र में इंडी गठबंधन का कोई भी बड़ा नेता प्रचार के लिए नहीं आया।

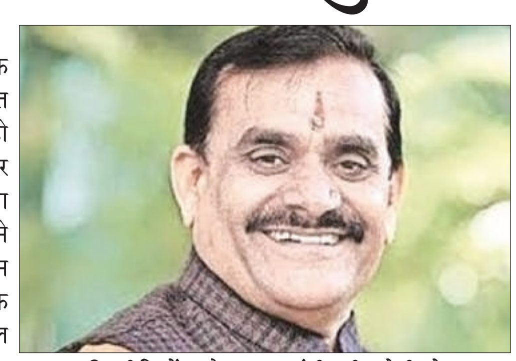

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि खजुराहो लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें पिछले चुनाव में भी भारी मतों से जिताकर संसद भेजा था। आज कड़ी धूप में रोड शो के दौरान विशाल जनसमुदाय का जो आशीर्वाद मुझे मिला है, उसने मुझे अहसास करा दिया है कि यहां की जनता भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकास कार्यों से कितनी प्रभावित है। वे इसके लिए हमेशा यहां की जनता का आभारी रहेंगे।

श्री शर्मा ने रोड शो में कहा कि इस बार खजुराहो के हर बूथ पर कमल खिलेगा। इस कमल को स्वर्ण कमल बनाकर श्री मोदी को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हर गरीब का जीवन बदला है, देश की दशा और दिशा बदली है। श्री शर्मा ने भगवान जुगल किशोर मंदिर प्रांगण से रोड शो प्रारंभ कर बड़ा बाजार, गोविंद मंदिर चौराहा, कोतवाली चौराहा से कटरा मोहल्ला होते हुए गांधी चौक पर संपन्न हुआ। रोड शो के दौरान आमजन ने घरों से फूल बरसाए और माला पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों पर नाचते कार्यकर्ताओं और आम लोगों को जोश देखते ही बनता था। रोड शो के दौरान युवा, महिलाएं एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अबकी बार 400 पार के नारे से शहर गुंजायमान हो गया। रोड शो के दौरान पूर्व मंत्री व विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह, लोकसभा संयोजक सदानंद गौतम, जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्री शर्मा ने रोड शो के पहले कटनी जिले के विजयराघवगढ़ के कैमोर मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमें हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य दिया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन किया और अपना बलिदान दिया। इसलिए हम सभी कार्यकताओं को हर बूथ पर 370 नये वोट बढ़ाकर डॉ. मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। उन्होंने कहा कि आमजन ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से खजुराहो में हर बूथ पर कमल खिलेगा।

बंगाल में आग लगने से दवा एवं रासायनिक पदार्थ का गोदाम जलकर खाक

कोलकाता, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के औद्योगिक केंद्र दनकुनी में बुधवार तड़के भीषण आग लगने से एक दवा एवं रासायनिक पदार्थ का गोदाम जलकर खाक हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आग आज तड़के करीब पांच बजे औद्योगिक परिसर में लगी, जिसमें टिन की छत वाला पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। इलाके में चारों ओर काले धुंए का गुब्बार दिखाई दे रहा था। आग लगने की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग ने दमकल कर्मी सहित दस अग्निशमन वाहन मौके पर भेजे और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से अभी तक किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है।

रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता जरूरी: जनरल पांडे

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने अनुसंधान एवं विकास के बल पर रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और लड़ाकू प्लेटफार्मों तथा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत पर बल दिया है।

जनरल पांडे ने बुधवार को यहां एक सेमिनार को संबोधित किया। सेमिनार का आयोजन सेना की ओर से सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज ने किया था।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी , रक्षा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के नए रणनीतिक क्षेत्र के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि सूचना से लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं तक विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा रहा है। हाल के संघर्षों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विघटनकारी और दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही हैं। इस तरह यह आधुनिक युद्धों के चरित्र को बदल रही हैं।

जनरल पांडे ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सेना को आधुनिक, चुस्त और प्रौद्योगिकी से लैस करने की दिशा में प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत सरकार की लोक शिकायत प्रणाली को राष्ट्रमंडल की सराहना

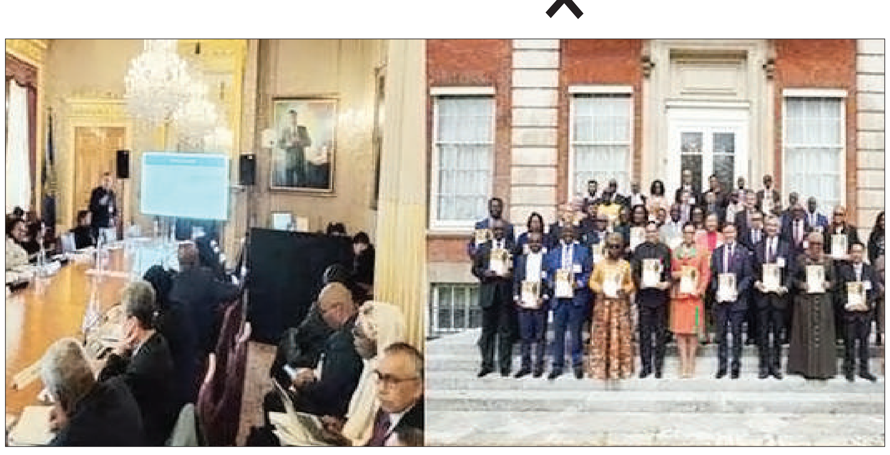

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत की केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) की दक्षता और उपयोगिता को राष्ट्रमंडल देशों के मंच पर सराहा गया है और कहा गया है कि भारत की प्रणाली विश्व की इस प्रकार की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं में एक है जिसका उपयोग अन्य देशों में भी किया जा सकता है। राष्ट्रमंडल सचिवालय ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा लंदन में 22-24 अप्रैल तक आयोजित तीसरी द्विवार्षिक सम्पूर्ण राष्ट्रकुल देशों केलोक सेवा प्रमुखों/सचिवों की बैठक में एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया था।

भारत की ओर से बैठक में बताया गया कि देश में केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के लिए अगले 2 वर्षों में 128 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इससे लोक शिकायत प्रणाली में उन्नत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के साथ सीपीजीआरएएमएस वर्जन 8.0 को लागू किया जाएगा।

इस प्रणाली पर भारत की ओर से प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को प्रस्तुति दी। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रस्तुति को वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में राष्ट्रमंडल सदस्य देशों से सराहना मिली है। भारत की प्रस्तुति में नागरिकों और सरकार के बीच अंतर को पाटने, नागरिकों को सशक्त बनाने और पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में उपयुक्त प्रौद्योगिकी की क्षमता को मान्यता, शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के चरणबद्ध सुधार से शिकायत निवारण की समयसीमा में आई कमी और प्रति माह 1.5 लाख से अधिक शिकायतों का निवारण करने में सफलता और आन लाइन पोर्टल पर 1.02 लाख शिकायत अधिकारियों की मैपिंग तथा स्मार्ट शिकायत निगरानी डैशबोर्ड और ट्री डैशबोर्ड में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस/मशीन लर्निंग प्रथाओं के उपयोग आदि पर प्रस्तुति दी गयी। बयान के मुताबिक राष्ट्रमंडल की महासचिव, सुश्री पेट्रीसिया स्कॉटलैंड केसी ने कहा, सीपीजीआरएएमएस एक अत्याधुनिक शिकायत निवारण प्रणाली है और स्मार्ट सरकार का सर्वोत्तम अभ्यास है।

राष्ट्रमंडल के शेष 1.2 अरब नागरिक प्रौद्योगिकी मंच को अपनाने से लाभ उठा सकते हैं इसी तरह भारत के 1.4 अरब नागरिक लाभान्वित हुए हैं। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'सेवा वितरण में सुधार के लिए स्मार्ट सरकार का संस्थागतकरण' था। बैठक में राष्ट्रमंडल के लगभग 50 सदस्य देशों ने भाग लिया।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिये 100 मीटर लंबा स्टील ब्रिज लॉन्च

अहमदाबाद, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिये गुजरात में नडियाद के पास भारतीय रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर 100 मीटर लंबाई का पहला स्टील ब्रिज लॉन्च किया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि जापानी विशेषज्ञता के साथ भारत मेक-इन-इंडिया विजन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिये अपनी स्वदेशी तकनीकी और भौतिक क्षमताओं का तेजी से उपयोग कर रहा है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए यह स्टील ब्रिज ऐसे ही उदाहरणों में से एक है। 1486 टन के इस स्टील ब्रिज का निर्माण गुजरात के भुज जिले में स्थित कार्यशाला में किया गया जो ब्रिज लॉन्चिंग साइट से लगभग 310 कि.मी. दूर है। लॉन्चिंग के लिये ब्रिज को ट्रेलरों द्वारा साइट पर ले जाया गया।

साइट पर स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15.5 मीटर की ऊंचाई पर असेंबल किया गया। इसके बाद 63 मीटर लंबाई और लगभग 430 टन वजन की लॉन्चिंग नोज को मुख्य पुल असेंबली के साथ जोड़ा गया। स्टील ब्रिज को हाई टेंशन स्ट्रैंड्स का उपयोग करके 180 टन की क्षमता वाले दो जैक के स्वचालित तंत्र के साथ खींचा गया। ब्रिज को सावधानीपूर्वक योजना और सटीकता के साथ भारतीय रेलवे लाइनों के पूर्ण यातायात और पावर ब्लॉक के चलते लांच किया गया।

टेक्निकल पॉइंट्स: मेंन ब्रिज की लंबाई 100 मीटर, मेंन ब्रिज का वजन 1486 टन, लॉन्चिंग नोज की लंबाई 63 मीटर, लॉन्चिंग नोज का वजन 430 टन, स्टील के प्रत्येक उत्पादन बैच का मैन्युफैक्चरिंग परिसर में अल्ट्रासोनिक परीक्षण द्वारा परीक्षण किया गया। स्टील ब्रिज का निर्माण जापानी इंजीनियर द्वारा तैयार डिजाइन ड्रॉइंग्स के अनुसार कटिंग, ड्रिलिंग, वेल्डिंग और पेंटिंग के उच्च तकनीक और सटीक संचालन द्वारा किया जाता है। कॉन्ट्रैक्टर को अंतरराष्ट्रीय वेल्डिंग विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित वेल्डर और पर्यवेक्षकों को नियुक्त करना अनिवार्य है। प्रत्येक कार्यशाला में, वेल्डिंग प्रक्रिया की मॉनिटरिंग, जापानी अंतरराष्ट्रीय वेल्डिंग विशेषज्ञों द्वारा भी की जाती है। निर्मित स्टील स्ट्रक्चर चेक असेंबली प्रक्रिया से

गुजरने के बाद पांच-परत तकनीक का उपयोग करके पेन्ट किया जाता है।

स्टील गर्डर्स के लिये अपनायी गयी पेंटिंग तकनीक भारत में अपनी तरह की पहली तकनीक है। यह जापान रोड एसोसिएशन के 'स्टील रोड ब्रिज के संक्षारण संरक्षण के लिए हैंडबुक' की सी-5 पेंटिंग प्रणाली के अनुरूप है। स्टील अलग-अलग हिस्सों को जोड़ने का काम टोर शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ बोल्ट्स (टीटीएचएसबी) का उपयोग करके किया जाता है, जिसका उपयोग भारत में किसी भी रेलवे परियोजना के लिये पहली बार किया जा रहा है।

यह स्टील ब्रिज, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए तैयार किये गये 28 स्टील पुलों में से दूसरा है। पहला स्टील ब्रिज गुजरात के सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर लॉन्च किया गया था।

कर्नाटक के चिक्कोडी लोस सीट पर कांग्रेस का समर्थन करेगी शिवसेना (यूबीटी)

चिक्कोडी, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक के चिक्कोडी संसदीय सीट पर सात मई को मतदान होने वाला है और इसकी तिथि नजदीक आने के साथ ही सियासी लड़ाई और तेज होती जा रही है। सत्तारूढ़ कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनों ही मतदाताओं को लुभाने के लिए हर सभव प्रयास कर रही हैं। इसी कड़ी में शिव-सेना (यूबीटी) ने मंगलवार को कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका जारकीहोली को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इस निर्वाचन क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं और महाराष्ट्र की सीमा से लगे हुए है तथा मराठी मतदाताओं की आबादी काफी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिवसेना के समर्थन से पलड़ा कांग्रेस के पक्ष में झुक सकता है, क्योंकि मराठी वोटों का बड़ा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इस समर्थन को सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस नेता विवेक जत्ती और मंजूर समशेर ने चिक्कोडी के पास कुरुंदवाड में शिवसेना (यूबीटी) नेता वैभव उंगले से मुलाकात की थी।

श्री उंगले ने चिक्कोडी में कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी के पूर्ण समर्थन की पुष्टि की और सुश्री प्रियंका के अभियान को मजबूत करने के लिए आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की सीमा से लगे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रचार करने का वादा किया। उल्लेखनीय है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ मौजूदा सांसद अन्नासाहेब जोले की जीत दर्ज की थी और उनकी जीत में मराठी मतदाताओं ने अहम भूमिका निभायी थी।

अपनी हार देख लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे मोदी: संजय सिंह

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी हार का अंदेशा हो गया है इसलिए वह उल-जूलूल बातें करके लोगों को आपस में बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री सिंह ने बुधवार को यहाँ दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के पालम में 'जेल का जवाब वोट से' संकल्प सभा में कहा कि देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ जन समर्थन मांगने आया हूं। आज दिल्लीवालों का बेटा जेल में हैं। पिछले नौ वर्षों में केजरीवाल ने आपका भाई और आपका बेटा बनकर आपकी सेवा की है। अरविंद केजरीवाल के काम की वजह से ही हम सीना तान कर कहते हैं कि केजरीवाल सरकार ने आपके बच्चों के लिए मुफ़्त शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा, माताओं-बहनों, बेटियों के लिए बस की यात्रा देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि पहले चरण का चुनाव हुआ तो श्री मोदी बौखला गए हैं। उनको भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार का अंदेशा हो गया है इसीलिए भाजपा अब जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। अब प्रधानमंत्री उल-जुलूल बयान देकर जनता को आपस में बांटने का काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री का सबसे करीबी दोस्त अडानी है। उन्होंने कोयला, बिजली, पानी, स्टील, सड़क, पोर्ट, एयरपोर्ट समेत पूरा हिन्दुस्तान अडानी को दे दिया। ढाई लाख करोड़ का कर्जा अडानी को दिया। 15 लाख करोड़ का कर्जा अपने दोस्तों का माफ कर दिया। बैंकों का 20 हजार करोड़ रुपए लूट कर नीरव मोदी, 10 हजार करोड़ विजय माल्या लेकर भाग जाता है, तीन हजार करोड़ रुपए ललित मोदी लेकर भाग जाता है। नरेंद्र मोदी के सभी करीबी दोस्तों ने देश को लूटने का काम किया है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो एक-एक बेइमानों से लूटी गई संपत्ति वापस लेकर आम आदमी में बांट दी जाएगी।

आप नेता ने कहा कि अब देश के संविधान पर भी खतरा है। यह अंतिम चुनाव है। इस चुनाव के बाद श्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए तो वोट देने की ताकत को खत्म कर देंगे। भाजपा के कई प्रत्याशी कह रहे हैं भाजपा को 400 सीट दे दो, हमें संविधान बदलना है। जब तक हम लोग जिंदा हैं, बाबा साहब के लिखे संविधान को बदलने नहीं देंगे।

श्री सिंह ने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार हर रोज़ लोकतंत्र का गला घोंट रही है। इनकी तानाशाही इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि जेल के भीतर दिल्ली सरकार के मंत्रियों को अपने मुख्यमंत्री से मुलाक़ात नहीं करने दी जा रही।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट– जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे– टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस–पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे–संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंग इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी–सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 25 अप्रैल 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा प्रात: 06:47 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 02:24 तक
योग : व्यतिपात उत्तर रात्रि 04:51 तक
करण : कौलव प्रात: 06:47 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 08:00 तक
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैशाखे विष्णु पूजन

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पाई : सहस्त्रबुद्धे

जयपुर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कांग्रेस पर मजहब आधारित आरक्षण की वकालात और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग के अधिकारों पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पाई।

डा सहस्त्रबुद्धे ने बुधवार को यहां भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा विकास की राजनीति करती है लेकिन दुर्भाग्यवश प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी अभी भी अपने पुराने ढंग सोशलिज्म और सेकुलरिज्म से आगे नहीं बढ़ पा रही है। सभी जानते हैं कि संविधान निर्माताओं ने इन शब्दों का विरोध किया और बहस होने के बाद संविधान सभा ने यह तय किया था कि इन शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस ने यह गलत काम संविधान निर्माता की आकांक्षाओं के विपरीत किया और इन शब्दों को समाहित किया।

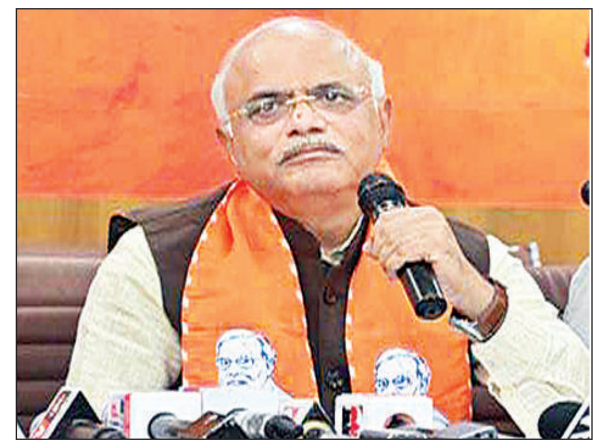

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओवरसीज बॉडी के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स की वकालत करते हुए भारत को अमेरिका जैसा बनाने की बात कही। पित्रोदा ने कहा है कि जैसे घर, कुटुंब के किसी सदस्य की मृत्यु होती है तो उसके वारिसों को उस धन का कुछ प्रतिशत देकर बाकी सारा धन सरकार के पास जमा होना चाहिए। सैम पित्रोदा के इस बयान से कांग्रेस के नेताओं की सोच सामने आती है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूर्व में संपत्ति के पुर्नवितरण की वकालत कर चुके हैं। राहुल गांधी के इस बयान से मतदाता आशंकित है क्योंकि लोगों ने अपना खून पसीना बहाकर संपत्ति कमाई और ये उसे बांटने की बात करते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को खत्म करने के लिए धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत की है जबकि हमारी संविधान सभा ने धर्म आधारित आरक्षण को सिरे से खारिज किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कर्नाटक और अन्य जगहों पर कहा था कि कांग्रेस पार्टी ने वोट बैंक की राजनीति के चलते अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का अतिक्रमण कर अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने की वकालत की है। यह न केवल संविधान निर्माताओं का अपमान है बल्कि अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के अधिकारों पर भी अतिक्रमण है।

ऑस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा देकर साढ़े 18 लाख की धोखाधड़ी

श्रीगंगानगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

जिले में पदमपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने कुछ व्यक्तियों पर ऑस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा देकर 18 लाख 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार चक 23 बीबी निवासी हरजिंदर सिंह द्वारा अदालत में दायर किये गये इस्तगासा के आधार पर कपिल शर्मा (28) निवासी चक 7–ईईए, उमेश (36) निवासी चक 2–आरबी तहसील पदमपुर, सुखविंदर सिंह (30) और सतनाम सिंह(30) निवासी चक 6–जेकेएम तहसील रायसिंहनगर हरविंदर सिंह (36) निवासी चक 6–पी तहसील अनूपगढ़ और सुमीर (40)के खिलाफ धारा 420 तथा 406 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

परिवादी हरजिंदर सिंह के अनुसार उसकी पुत्री सवेवी शेरगिल विदेश जाना चाहती थी। उसने अपने मित्र कपिल शर्मा से इस बारे में बात की। कपिल ने कहा कि उसका एक रिश्तेदार उमेश है, जिसके मित्र विदेश का वीजा जल्दी लगवा देते हैं। उसके कहने पर कपिल नौ मार्च 2023 को अपने साथ उमेश तथा चार अन्य व्यक्तियों सुखविंदर सिंह, सतनाम सिंह एवं उनके दामाद हरविंदर सिंह तथा सुमीर को लेकर उसके घर आये। इन व्यक्तियों ने 20 लाख रुपए में उसकी पुत्री का ऑस्ट्रेलिया का वीजा लगवा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सात दिन में वीजा लगवा देंगे, रुपए वीजा मिलने के बाद देना।

हरजिंदर सिंह के अनुसार 18 लाख 50 हजार रुपए में बात तय हो गयी। उसने अपनी पुत्री के सारे कागजात इन व्यक्तियों को दे दिये। तत्पश्चात 14 मार्च की रात को सुखविंदर सिंह का फोन आया कि रुपए तैयार करो।

उनका वीजा आ गया है। उनको वीजा की कॉपी भेज दी है। उसने अगले दिन पांच लाख रुपए अपने अकाउंट से, आढ़तियों और रिश्तेदारों से 14 लाख रुपये पदमपुर में गिल कॉलोनी में इंडिया स्नेक बार में सुखविंदर सिंह, सतनाम सिंह, हरविंदर सिंह, कपिल, उमेश और सुमीर को दे दिये।परिवादी के मुताबिक उसने चार लाख 50 हजार रुपए दो दिन बाद देने के लिये कहा।

उसने यह बाकी रुपए भी 17 मार्च को उक्त व्यक्तियों को बुड्ढा जोहड़ में दे दिये। तब इन व्यक्तियों ने कहा कि वे जल्दी ही टिकट करवा देंगे। अपनी पुत्री को भेज देना, लेकिन इन्होंने टिकट नहीं करवाई। उसने कई बार टिकट के लिये संपर्क किया लेकिन यह लोग टालमटोल करते रहे। परिवादी का आरोप है कि उक्त लोगों ने उसकी पुत्री के नाम का ऑस्ट्रेलिया का फर्जीवीजा देकर 18 लाख 50 हजार रुपए ले लिये जो कि वापस नहीं कर रहे। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गयी है।

कार–बाइक की टक्कर में युवक की मौत

श्रीगंगानगर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीकानेर जिले में लूणकरणसर थाना क्षेत्र में कार और मोटरसाइकिल में टक्कर होने से एक युवक की मौत हो गयी है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक की पहचान संजय नाथ (20) निवासी लूणकरणसर के रूप में हुई है। कल रात लूणकरणसर– कालू मार्ग पर यह दुर्घटना होने की सूचना मिलते ही टाइगर फोर्स टीम एंबुलेंस सहित मौके पर पहुंची। साथ ही पुलिस को भी इस हादसे की जानकारी दी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने चेकअप किया तो संजय नाथ की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने आज उसका शव पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को दो नए पेटेंट प्रदान किए गए

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार के पेटेंट कार्यालय ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (केयू) को दो पेटेंट दिये हैं। अप्रैल माह में भारत के कार्बोक्सिमिथाइलसेलुलोज एस्टर आधारित ड्रग डिलीवरी सिस्टम और एप–ेप्टोसिस इंड्यूसिंग कंपोजिशन कॉम्प्रोमाइजिंग ट्रायज़ोलोथियाज़ोलिल–ट्रायाज़ोल बेंजीन का व्युत्पन्न हेतु केयू को दो पेटेंट दिये गये हैं।गौरतलब है कि केयू को अब तक 22 पेटेंट प्रदान किये जा चुके हैं और इनमें से अधिकांश पेटेंट कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा द्वारा अनुसंधान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा और बदलाव के बाद दिये गये हैं। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ ने शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिये बधाई देते हुये कहा कि पेटेंट का उद्देश्य नवाचार और नई प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा देना है।शोध और अनुसंधान को बढ़ावा एवं प्रोत्साहन देने के लिये पेटेंट विशेषज्ञ के माध्यम से केयू शिक्षकों को पेटेंट दाखिल करने की सुविधा दे रही है। विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन स्टार्ट अप और इनोवेशन केंद्रों की स्थापना की गई है और अनुसंधान प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार किया गया।

देश के समग्र विकास के लिये भाजपा को जिताएं : चतुर्वेदी

अजमेर, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने देश के समग्र विकास एवं मोदी गारंटी संकल्प पत्र में हर वर्ग का ध्यान रखते हुये भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कमल को जिताने का आह्वान किया है।

श्री चतुर्वेदी ने बुधवार को अजमेर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस आरक्षण का भ्रम जाल फहराकर वोट हासिल करना चाहती है, लेकिन उनके मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण के मुद्दे पर संविधान से छेड़छाड़ कांग्रेस ने की, तब बहुसंख्यकों के हितों पर कुठाराघात कर संविधान संशोधन किये गये, लेकिन मोदी सरकार ने संविधान को मजबूती प्रदान की।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कांग्रेस के इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें भाजपा सरकार पर संविधान में बदलाव और भविष्य में चुनाव नहीं कराने की बातें कहकर मतदाता को भ्रमित करने का

काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कर्नाटक मामलें में आरक्षण को लेकर धर्म के आधार पर कटौती की अनुमति देने से इन्कार किया है। आज कांग्रेस की जमीन खिसक रही है तो गुमराह करने वाले अनर्गल आरोप लगाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा किसी परिवर्तन के बजाय, यथास्थिति रखने की है। यहां तक की सरकारी नौकरी में भी किसी तरह की कोई कटौती नहीं होगी। श्री चतुर्वेदी ने केन्द्र में मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी सिलसिलेवार जिक्र किया और राजस्थान की जनता को लाभ के आंकड़े गिनाये। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी का लाभ अजमेर सहित राज्य के 23 जिलों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि श्री मोदी 140 करोड़ लोगों को परिवार मानते हुये सतत काम कर रहे हैं। वे देश का गौरव , विश्व में बढ़ा रहे हैं। 2047 का विकसित भारत आपके, हमारे लिये अकल्पनीय होगा।

उन्होंने मतदाताओं से अपील की ..मताधिकार सबसे बड़ा अधिकार है, इसका देश हित में ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। इस अवसर पर अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने भी कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि आरक्षण का संविधान में प्रावधान है। कांग्रेस ने 60 साल शासन किया। भाजपा के 400 पार पर, वे कहतें हैं कि मोदी की मंशा संविधान खत्म करने की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर को सदैव अपमानित किया है, लोकसभा में उनका चित्र तक कांग्रेस शासन में नहीं लगाया गया।

मोदी ने खुद मंगलसूत्र की लाज नहीं रखी : अभय

सिरसा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख से मंगलसूत्र की बात शोभा नहीं देती क्योंकि श्री मोदी ने खुद मंगलसूत्र की लाज नहीं रखी। उन्होंने कहा कि पहले चरण के हुए चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी को असलियत समझ में आ गई है बौखलाहट में ऐसे बयान बाजी कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के 400 सीटें पार करना एक मिथक है।श्री चौटाला बुधवार को यहां एक प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने जिला भर के पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को भी संबोधित किया। इस दौरान पार्टी के घोषित प्रत्याशी संदीप लोट जिला अध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला, गोकुल सेतिया, कृष्णा फौगाट, कुंभाराम व पार्टी प्रवक्ता महावीर शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे। श्री चौटाला ने कहा कि भारत में क्षेत्रीय पार्टियों का अपना महत्व है राष्ट्रीय पार्टी क्षेत्रीय पार्टियों का उपयोग करती हैं और छोड़ देती हैं। क्षेत्रीय पार्टियों का अस्तित्व में रहना जरूरी है क्षेत्रीय पार्टियों के दखल से राष्ट्रीय पार्टिय मनमर्जी से शासन नहीं कर पाती। क्षेत्रीय पार्टी आम आदमी की पीड़ा को समझती हैं। आज कांग्रेस व भाजपा अकेले अपने दम पर चुनाव नहीं लड़ पा रही

भाजपा राजग तो कांग्रेस इंडिया समूह के सहारे अन्य दलों को साथ लेकर चुनाव लड़ रही हैं। वहीं दोनों दल क्षेत्रीय पार्टियों के विरोधी हैं और उन्हें वे खत्म करना चाहते हैं।

श्री चौटाला ने कहा कि हरियाणा में भाजपा उम्मीदवारों से नहीं बल्कि पार्टी की नीतियों का विरोध है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा घोटालों की जांच के दिए बयान पर अभय सिंह चौटाला ने पलटवार करते हुए कहा कि वे पिछले साढ़े चार वर्ष से मनोहर लाल खट्टर के मुख्यमंत्रीकाल के चलते शराब घोटाला, रजिस्ट्री घोटाला, दवा घोटाला सर्विस व कमीशन घोटाला सहित अन्य घोटालों की जांच की मांग कर चुके हैं परंतु अब तक कुछ नहीं हुआ। नायब सैनी को चाहिए कि पहले पूर्व के घोटाले उजागर करें हम शिकायत देने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री मात्र अखबारों में वाह वाही लेना चाहते हैं।

श्री चौटाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर सवाल खड़े करते हुए कहां कि उनको चाहिए की सबसे पहले खनन घोटाले की जांच करवाई जाती है तो मुख्यमंत्री खुद फंसते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नायब सैनी ने मुख्य संसदीय सचिव रहते हुए बड़े पैमाने पर खनन घोटाला किया। हरियाणा की मंडियो में गेहूं खरीद का जिक्र करते हुए श्री चौटाला ने कहा कि किसान की गेहूं फसल में नमी का बहाना बताकर सरकार खरीदना नहीं चाह रही और दो अनाज मंडियो पूंडरी व ढांड को बंद भी कर दिया गया है। सरकार किसान को लूटना चाहती है।

कांग्रेस का घोषणापत्र तुष्टिकरण को बढ़ावा देने वाला : गुप्ता

हिसार, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने बुधवार कांग्रेस के घोषणापत्र को तुष्टिकरण का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अपने शासनकाल में देश को जाति और वर्ग में बांटने का काम किया। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र में हर वर्ग के उत्थान का संकल्प लिया गया और यह जनता के लिए बनाया गया है।श्री गुप्ता बुधवार भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र पर जमकर बरसे और कहा कि कांग्रेस ने सदा ऐसा ही किया है। देश को जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रवाद के नाम पर बांटकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकी है, लेकिन अब देश की जनता ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि पहले भी कांग्रेस ने तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया और भविष्य में उसके क्या इरादे हैं। ये कांग्रेस के घोषणापत्र में साफ झलक रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के युवराज अब मंदिरों में भी जा रहे हैं और घोषणापत्र के माध्यम से चुटकियों में गरीबी दूर करने का वादा कर रहे हैं लेकिन गरीबी दूर करने का वादा उनकी दादी ने किया था, वह तो ऐसा कर नहीं पाई, अब क्या ये युवराज अपनी दादी से बड़ा नेता है जो गरीबी को चुटकियों में दूर कर देगा।

सिरसा में दो करोड़ से अधिक की अवैध शराब व मादक पदार्थ जब्त : सिंह

सिरसा, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आर.के सिंह ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर आदर्श चुनाव आचार संहिता की अनुपालना में अब तक दो करोड़ रुपए से अधिक की राशि के अवैध शराब व अन्य मादक पदार्थ जब्त किए जा चुके हैं। इसके अलावा राजस्थान व पंजाब सीमाओं पर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए जिला में कुल 85 नाकें भी लगाए गए हैं।उपायुक्त बुधवार को वीडियो कॉफ्रेंस के दौरान मुख्य सचिव हरियाणा टीवीएसएन प्रसाद को जिला में लोकसभा चुनाव की तैयारियों व अन्य चुनाव गतिविधियों की जानकारी दे रहे थे। मुख्य सचिव ने कहा कि चिन्हित अपराधों को गंभीरता से ले ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके। उन्होने कहा कि ऐसे केसों में गवाहों के तुरंत बयान करवाए जाए। यदि तथ्यो की कमी के कारण केसों में छोटी अदालतों में पीड़ित को न्याय नहीं मिलता, तो ऐसे में अपील के लिए माननीय उच्च न्यायालय जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि जिन जिलों में चिन्हित अपराध के मामलें अधिक है उनका निपटान समय रहते करें। उपायुक्त ने बताया कि मुख्य सचिव कार्यालय के निर्देशानुसार जिला के 14 विभागों को हिट वेव से संबंधित आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं तथा मतदान के दिन जिला के सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल व छाया की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसी प्रकार चिन्हित अपराधों के तहत जिला में कुल 46 केसों में से 11 केसों का फैसला हो चुका है। उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिए कि पानी के सैंपल लिए जाएं, ताकि दूषित पानी के उपयोग से बचाव हो सके। इसी प्रकार जनस्वास्थ्य विभाग को शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में समुचित पेयजल सप्लाई क निर्देश दिए। इसके साथ ही ये भी निर्देश दिए की कहीं पर पानी का जमाव ना हो।

श्री सिंह ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर जिला में अवैध रूप से शराब की सप्लाई, बिक्री व नकली शराब बनाने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस विभाग की ओर से सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोगों व स्थानों पर पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी नजर रखते हुए जिला में अवैध शराब की सप्लाई को रोकने में सजगता रखनी है। पुलिस प्रशासन सहित आबकारी विभाग द्वारा शराब के वैध वेंडर व उनके स्टॉक आदि की निरंतर चेकिंग की जाए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पूर्व एमएलसी हुलास पांडे को बड़ी राहत

ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में सीबीआई की चार्जशीट खारिज

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के बहुचर्चित ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में 10 साल बाद 16 दिसंबर 2023 को सीबीआई ने आरा सिविल कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। सीबीआई ने इस हत्याकांड हुलास पांडेय सहित 8 लोगों को आरोपी बनाया है। हुलास पांडेय को नामजद अभियुक्त बनाए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी काफी तेज हो गई थी। लेकिन, अब इस मामले में आरा की एमपी एमएलए की विशेष अदालत ने सीबीआई की चार्जशीट को खारिज कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले से बरमेश्वर मुखिया हत्याकांड में पूर्व

एमएलसी हुलास पांडेय सहित अन्य आरोपितों को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हत्याकांड के आरोपित रितेश सिंह उर्फ मोनू सिंह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई की चार्जशीट खारिज किया है।

जानकारी के अनुसार कोर्ट ने केस में ट्रायल शुरू होने के बाद बिना अदालत के आदेश के सीबीआई की ओर से अनुसंधान करने को गलत माना है। कोर्ट के इस फैसले से जहां पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय सहित अन्य आरोपितों को राहत मिली है, वहीं सीबीआई को बड़ा झटका लगा है। अब इस मामले में पूर्व से चल रहे ट्रायल के आधार पर आगामी 30 अप्रैल को सुनवाई होगी। इस बात की जानकारी एपीपी सियाराम सिंह की ओर से यह जानकारी दी गई।

मालूम हो कि, 1 जून, 2012 को आरा के नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा मुहल्ला स्थित ब्रह्मेश्वर मुखिया के आवास से कुछ ही दूरी पर उनकी 6 गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड के बाद मुखिया समर्थकों में काफी आक्रोश भी भड़का था और आरा से लेकर पटना तक उनके शवयात्रा में शामिल समर्थकों ने प्रतिशोध की भावना से जगह-जगह हिंसा और आगजनी भी की थी। तत्कालीन सरकार ने इस बहुचर्चित हत्याकांड के एक साल यानी 2013 में निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को यह केस सौंपा था।

ब्रह्मेश्वर मुखिया को मारी गई सभी गोलीयां देशी पिस्तौल से चलाई गई थी। उनकी हत्या से संबंधित एफआईआर आरा के नवादा थाने में दर्ज कराई गई थी। एफआईआर में आपराधिक षड्यंत्र और अन्य संगीन धाराएं लगाते हुए अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज कराया गया था। सीबीआई ने एक पोस्टर जारी कर ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड से जुड़े सुराग और जानकारी देने पर 10 लाख रुपए का इनाम देने की घो-षणा की थी।

ट्रक और स्कॉर्पियो की भीषण टक्कर में चालक की मौत

क्रेन की मदद से शव बाहर निकालने में जुटी पुलिस

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के नालंदा में बिहटा-सरमेरा एसएच-78 पर बुधवार की सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां ट्रक और स्कॉर्पियो की हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में स्कॉर्पियो चालक की मौत हो गई। मामला रहुई थाना क्षेत्र के सोसन्दी और भेंडा मोड़ के बीच की है।

जानकारी के मुताबिक, गिट्टी लोड ट्रक बिन्द की ओर से रहुई की ओर जा रहा था। जबकि स्कॉर्पियो रहुई की ओर से बिन्द की ओर जा रही थी। इसी बीच सोसन्दी मोड़ और भेंडा मोड़ के बीच ट्रक और स्कॉर्पियो की

आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस भिड़ंत में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। वहीं, ट्रक का भी आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और सड़क से नीचे उतर गया।

बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जबरदस्त हुई है कि शव को स्कॉर्पियो से निकालने के लिए क्रेन को बुलाना पड़ा है। पुलिस घंटों तक क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो से शव को बाहर निकालने के प्रयास में जुटी रही। फिलहाल मृतक कौन है, इसकी पहचान नहीं हो सकी है।

वहीं, इस मामले में रहुई थाना अध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि ट्रक और स्कॉर्पियो में जबरदस्त टक्कर हुई है, जिसके कारण स्कॉर्पियो का चालक उसके अंदर ही फंस गया। गाड़ी इतनी बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हुई है कि क्रेन को मौके पर बुलाया गया ताकि शव को बाहर निकाला जा सके। फिलहाल स्कॉर्पियो चालक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

पुलिस लिखे वाहन से कुचल कर चार साल की बच्ची की मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाने के एनएच-28 पर चांदचौर गांव के पास मंगलवार रात सड़क किनारे मां के साथ खड़ी बच्ची को पुलिस लिखे वाहन ने कुचल दिया। इस हादसे में बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस लिखा वाहन दलसिंहसराय की ओर फरार हो गया। उधर, घटना की सूचना पर उजियारपुर पुलिस ने शव को जब्त कर देर रात पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृत बच्ची की पहचान थानाक्षेत्र के चांदचौर नया टोल वार्ड एक मोहल्ला निवासी राकेश कुमार सिंह की बेटी सोनाक्षी कुमारी (4) के रूप में की गई है। मृतका के पिता राकेश सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी रानी कुमारी के साथ उनकी बेटी सोनाक्षी सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान मुसरीघरारी की ओर से एक पुलिस लिखे वाहन ने स्कॉर्पियो को ओवरटेक करने के चक्कर में सड़क किनारे खड़ी उनकी बेटी को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कुचल कर उसकी मौत हो गई। हालांकि इस घटना में उसकी मां बाल-बाल बच गई। इस घटना के विरोध में कुछ देर के लिए लोगों ने एनएच-28 को जाम कर दिया, जिससे रात में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में मौके पर पहुंची उजियारपुर पुलिस ने लोगों को समझा-बुझा कर मामला शांत कराया। पुलिस पदाधिकारी ने चांदचौर चौक पर लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो देखा कि पुलिस लिखे वाहन से ही हादसा हुआ है। हालांकि पुलिस वाहन कहां का है, इसके बारे में पता नहीं चल सका है। चूंकि

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने सम्राट चौधरी के बच्चों के बारे में ये क्या बोल दिया, मचेगा बवाल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में लोकसभा चुनाव के दौरान नेताओं का एक-दूसरे पर निजी हमला बेहद निचले स्तर तक पहुंच गया है। लेकिन वोटरों के बीच सार्वजनिक तौर पर बोली गई ऐसी बातों को सामने लाना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसी कड़ी में शब्दश: पहले यह पढ़ें कि राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को किडनी देने के बाद अब सारण लोकसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी रोहिणी आचार्य ने भारतीय जनता

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बारे में क्या कहा?

भाजपा प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ उतरीं रोहिणी आचार्य अपने क्षेत्र सारण में मीडिया से बात करते समय सम्राट चौधरी से संबंधित सवाल आने पर भड़क उठीं।

उन्होंने कहा- सम्राट चौधरी के पास गाली देने के अलावा काम नहीं है। बेरोजगारी तो दूर किए नहीं हैं। उनसे पूछिए कि 15 साल में क्या किया? वो किसके बेटे हैं? हमको तो पता ही नहीं है। उनकी माताजी, पिताजी ...? उनके बेटा-बेटी ...? या, सब पड़ोसी ....?

भाजपा के द्वारा लगातार लालू परिवार पर हमले क्यों किये जा रहे हैं, इस सवाल का जवाब देते हुए रोहिणी ने कहा कि यह सवाल तो आपको उनसे पूछना चाहिए कि आपलोग क्यों लालू परिवार के पीछे पड़े हुए हैं, आपलोग अपने काम की गिनती करवाईये। लेकिन आपलोग उन लोगों से यह सब सवाल पूछते नहीं हैं। तभी तो हम मीडिया में आ ही नहीं रहे हैं। यह सब बात मीडिया में आना ही नहीं है क्यों कि सब गोदी मीडिया लोग है, जो भाजपा सवाल भेजती है वही सब सवाल आपलोग पूछते हैं जैसे परिव-ारवाद...।

दो धाराएं हैं, 'इंडिया' संविधान बचाना चाहता है और एनडीए उसे खत्म करना : तेजस्वी

पूर्णिया (एजेंसियां)।

मेरे सभी भाई-बहन पर केस हैं। हर दो-तीन महीने पर छापामारी होती है। बिहार में अकेले लड़ रहे हैं। हम इंडिया गठबंधन बनाने के लिए पूरे देश में नीतीश जी के साथ घूमे। सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद नीतीश कुमार को सीएम बनाया। बीजेपी राजद से डरती है। दो धराएं हैं, इंडिया गठबंधन संविधान बचाना चाहता है और एनडीए उसे खत्म करना चाहता है। जो संविधान को बचाएंगे हमारे साथ हैं। उक्त बातें पूर्णिया के निजी होटल में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिहार नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कही हैं।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि दूसरे चरण में पांच जिलों में चुनाव हो रहा है। यह देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। हर जगह भाजपा के बड़े नेताओं और प्रत्याशियों ने संविधान को खत्म करने की बात की है। उन्होंने कहा कि इनका (भाजपा का) कहना है कि अगर हमें बहुमत मिला तो हम संविधान खत्म कर देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुसलमान के बाद सबसे

ज्यादा वोटर पूर्णिया में पिछड़े वर्ग हैं। उन्होंने दावा किया है कि सभी राजद के पक्ष में वोटिंग को लेकर गोलबंद हो चुके हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने खिलाड़ियों को नौकरी दी। इनवेस्टर्स मीट कराया। उन्होंने दावा किया कि सरकार में रहते हुए हम लोगों ने बहुत काम किया है।

वहीं, वीआईपी नेता मुकेश सहनी ने कहा कि सीमांचल की सभी सीटों पर हम लोग मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। एक अति पिछड़ा की बेटी पूर्णिया से चुनाव लड़ रही है। हमारे गठबंधन ने बीमा भारती के लिए मजबूती से प्रचार किया है। पूर्णिया में कैंप करने का भी फायदा मिला है। यहां रहने पर लोगों से बात हुई। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि बिहार और सीमांचल के लिए केंद्र सरकार ने क्या किया। 40 में 39 सांसद उनके थे। लेकिन कोई वादा पूरा नहीं किया गया। हम लोग मुद्दे की बात करना चाहते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, चिकित्सा की बात करना चाहते हैं। सीमांचल सबसे गरीब इलाका है बिहार का।

वहीं, तेजस्वी यादव ने मंगलवार को हुए रोड शो में 'पप्पू यादव जिंदाबाद' के नारे लगने मामले पर कहा कि ये सब प्रशासन का काम है। हमारे पास सारे फुटेज हैं। उम्मीद है कि पुलिस के लोग देखेंगे इसे। उन्होंने पप्पू यादव का नाम लिए बिना तंज कसा कि वह तो हर चुनाव लड़ते हैं, आगे भी लड़ेंगे।

तेजस्वी यादव के रोड शो पर पथराव

पूर्णिया (एजेंसियां)।

बिहार की चार लोकसभा सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान शांतिपूर्ण हो गया। अब 26 अप्रैल को पांच सीटों पर चुनाव है। इनमें से पूर्णिया सीट सबसे अशांत है। यहां कभी भी हिंसा हो सकती है। चुनाव आयोग के मातहत जिला निर्वाचन कार्यालय की पूरी टीम इस आशंका को समझ रही है, लेकिन उसे यह पक्का पता नहीं कि हिंसा कहां हो सकती है। वजह है कांग्रेस नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की रणनीति। तेल पिलावन, लाठी घुमावन जैसी रैली से कभी चर्चा में रहे राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में शांति बरत रहे हैं, वरना हर जनसभा और यहां तक रोड शो के दौरान मारपीट का पूरा माहौल पप्पू यादव के समर्थक तैयार कर दे रहे हैं। मंगलवार की रात एक घटना हो भी चुकी है।

मंगलवार की रात पूर्णिया में

जनसभा के बाद नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने महागठबंधन से राजद उम्मीदवार बीमा भारती के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो के दौरान तेजस्वी यादव का काफिला जैसे ही पूर्णिया के आरएन साह चौक पर पहुंचा, वहां पर पहले से मौजूद निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव के समर्थकों ने तेजस्वी यादव के काफिले पर पत्थरबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। साथ ही, पप्पू यादव जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। पत्थरबाजी में राजद कार्यकर्ता छोटू यादव की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। कई कार्यकर्ता जख्मी हुए हैं। राजद कार्यकर्ताओं ने वहां जवाब दिया होता तो माहौल बिगड़ सकता था। राजद नेताओं ने कहा कि हार के डर से पप्पू यादव अपने समर्थकों का भेजकर बिहार में नौकरी देने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर पत्थर चलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि पप्पू यादव की गुंडागर्दी अभी से ही शुरू हो गई है। अगर पप्पू यादव जीत जाते हैं तो पूर्णिया में गुंडागर्दी और बढ़ जाएगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का 40 किलोमीटर लंबे रोड शो पूर्णिया के जलालगढ़ से शुरू होकर जीरो माइल पर खत्म हुआ और हर जगह पप्पू यादव के समर्थक अपने नेता के जिंदाबाद का नारा लगाकर सामने वालों को उकसाने की कोशिश करते दिखे।

पूर्णिया में कभी भी हिंसा भड़कने की आशंका इसलिए है, क्योंकि निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव के समर्थक अपने स्तर पर प्रचार करने से ज्यादा सामने खड़े नेताओं के समर्थकों को उकसाने में ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की हर सभा में पप्पू यादव जिंदाबाद के नारे लगवाए जा रहे हैं। इसी नारेबाजी से आजिज तेजस्वी यादव ने पप्पू को मैदान से हटाने की बात कहते-कहते यह तक कह दिया कि या तो इंडिया को वोट करें और नहीं तो जाकर एनडीए को वोट कर आएं। उन्होंने बाद में बात को भले संभालते हुए पूर्णिया से राजद प्रत्याशी बीमा भारती के लिए वोटरों का आशीर्वाद मांगा, लेकिन इस पूरे संबोधन के दौरान पप्पू यादव के पक्ष में कुछ युवा तेज आवाज में नारेबाजी करते रहे।

पीपल का पेड़ ऑटो पर गिरा, दो लोगों की गई जान

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद में मंगलवार की शाम हुए बेमौसम की बारिश और आंधी-पानी में दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना में दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना मदनपुर थाना क्षेत्र के घटराईन पंचायत अंतर्गत सहार जलवन गांव की है, जहां आंधी-तूफान के तेज झोंके से एक पीपल का पेड़ इलेक्ट्रिक ऑटो वाहन पर गिर पड़ा। पेड़ के ऑटो पर गिरने से वाहन में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों की पहचान जलवन निवासी जितेंद्र सिंह और नगीना भुईयां के रुप में की गई है। वही घायलों की पहचान ऑटो चालक जलवन

निवासी अरुण कुमार गुप्ता के रूप में की गई है, जबकि दूसरा कोइरी बिगहा निवासी मांझी बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि इलेक्ट्रिक ऑटो मदनपुर बाजार से सवारी लेकर जलवन सहार गांव जा रहा था। ज्योंही ऑटो जलवन गांव के पास पहुंचा तभी तेज आंधी तूफान से एक पीपल का पेड़ ऑटो पर गिर पड़ा, जिससे वाहन में सवार जलवन गांव के दो लोगों की दबकर मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जेसीबी के सहयोग से गिरे हुए पेड़ को हटाया गया। साथ ही ऑटो की बॉडी को काटकर वाहन में फंसे मृतकों और घायलों को निकाला गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलो को इलाज के लिए मदनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। साथ ही पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया है।

सहार गांव में एक घर में बेटी की बारात आनी थी। आंधी से टेंट-पंडाल गिरने से उसमें दबकर तीन महिलाएं घायल हो गई हैं। वहीं मदनपुर के विद्युत आपूर्ति प्रशाखा कार्यालय में आंधी से एक पेड़ उखड़ गया है। साथ ही परिसर में स्थित करकट का घर उड़ गया और क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही ताराडीह गांव में भी एक घर गिर गया। इन घटनाओं की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस त्वरित गति से घटनास्थल पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य में जुट गई।

थानाध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में एसआई कन्हैया सिंह, अपर थानाध्यक्ष सूर्यवंश सिंह, एसआई अंजली कुमारी, मंटु कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी राहत व बचाव में जुट गये। इस बीच घटराईन के पंचायत समिति के सदस्य राम नरेश कुमार सिंह ने कहा कि मृतकों के परिजनो को आपदा प्रबंधन राहत कोष से चार-चार लाख की निर्धारित मुआवजा राशि दिलाने का प्रयास करेंगे। वही सीओ अकबर हुसैन ने बताया कि घटनास्थल का जायजा लिया जा रहा है।मुआवजा देने के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जाएंगी।

स्टेट हाइवे पर ट्रक ने बाइक सवार दो की जान ली

पूर्णिया (एजेंसियां)।

बिहार में ट्रक वाले रात में खतरनाक तरीके से गाड़ी दौड़ाते हैं। स्टेट हाइवे पर ट्रक ने पूर्णिया में बाइक सवार को ऐसा मारा कि एक युवक हवा में उड़ता हुआ काफी दूर गिरा और वहीं खत्म हो गया। दूसरा युवक बाइक समेत उसी ट्रक के अंदर फंसकर मर गया।

पूर्णिया जिले में भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक का शव बाइक समेत ट्रक के नीचे फंसा रहा। शव को ट्रक से निकालने के लिए भी पुलिस-प्रशासन एवं स्थानीय लोगों को घंटों मेहनत करनी पड़ी। घटना भवानीपुर थाना क्षेत्र के एसएच 65 पर दुर्गापुर चौक के पास मंगलवार रात हुई। मृतक युवक थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर पंचायत के छप्पन वार्ड दो निवासी हसमुल के पुत्र मो. नेमान (19 वर्ष) और मो. शौकत के पुत्र तेहसाम (19 वर्ष) थे। दोनों युवक बाइक से भवानीपुर बाजार से वापस अपने घर छप्पन जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने बाइक में जोर का धक्का मार दिया। धक्का इतना तेज था कि बाइक पर सवार एक युवक काफी दूर सड़क पर जा गिरा, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई । दूसरा युवक बाइक सहित ट्रक के नीचे फंस गया। घटना की जानकारी मिलते ही भवानीपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई। घटना के बाद स्थानीय लोग सड़क पर काफी हंगामा करने लगे। घटनास्थल पर छप्पन गांव के सैकड़ों लोग पहुंच गए और एसएच 65 को जाम कर दिया। प्रशासन एवं स्थानीय लोगों के समझाने के बावजूद आक्रोशित लोग समझने को तैयार नहीं हुए। कई घंटे बाद एक युवक का शव ट्रक से निकाला गया और फिर प्रशासन से समझा-बुझाकर लोगों को घर भेजा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com